राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........ 9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, बुधवार, 18 फ़रवरी 2026

वर्ष 07, अंक 138, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

मलिहाबाद स्वतंत्र प्रभात के पत्रकार की जबरदस्त पहल! भ्रष्ट अफसर सोए रहे, राहुल कुमार ने खुद नाला साफ करा...03

दिल्ली के सदर बाजार में अवैध पटरी वालों का कब्जा सड़क पर अतिक्रमण जारी...12

डिजिटल अरेस्ट ठगी केस में ईडी की बड़ी कार्रवाई, 1.76 करोड़ रुपए किए अटैच

● प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जालंधर में डिजिटल अरेस्ट ठगी मामले में कार्रवाई करते हुए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 1.76 करोड़ की बैंक राशि अस्थायी रूप से अटैच की है. यह मामला उद्योगपति एस.पी. ओसवाल से हुई 7 करोड़ की ठगी से जुड़ा है

प्रवर्तन निदेशालय (प्रवर्तन निदेशालय) के जालंधर जोनल ऑफिस ने चर्चित डिजिटल अरेस्ट ठगी मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 14 फरवरी 2026 को 1.76 करोड़ रुपए की बैंक राशि को अस्थायी रूप से अटैच कर दिया है. कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई है जानकारी के मुताबिक यह मामला उद्योगपति एस.पी. ओसवाल से जुड़ी डिजिटल अरेस्ट ठगी से संबंधित है. जांच की शुरुआत लुधियाना के साइबर क्राइम थाने में दर्ज एफआईआर के आधार पर हुई थी. जिसके बाद ईडी ने ये कार्रवाई की.

कैसे हुई ठगी

ईडी की जांच में सामने आया है कि ठगों ने खुद को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का अधिकारी बताकर एस.पी.ओसवाल को डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाया और उनसे करीब 7 करोड़ रुपए वसूल लिए. आरोप है कि इस ठगी की रकम को अलग-अलग फर्जी बैंक खातों (म्यूल अकाउंट्स) के जरिए घुमाकर छिपाया गया.

कई कंपनियों के खातों से घुमाया गया पैसा

जांच में पता चला है कि ठगी से जुड़ी रकम एम/एस फ्रोजनमैन वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स और एम/एस रिग्लो वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड समेत कई कंपनियों के खातों में पहुंचाई गई. जांच में ये भी पता चला कि 28 अगस्त 2024 को आठ अन्य साइबर अपराधों से जुड़ी रकम भी इन खातों में ट्रांसफर की गई थी.

आरोप है कि रूमी कलिता ने अतनु चौधरी के साथ मिलकर फ्रोजनमैन वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स के बैंक खाते का इस्तेमाल अवैध रकम को सफेद करने के लिए किया. इसके बाद रकम को कई अन्य म्यूल खातों में ट्रांसफर कर दिया गया ताकि उसकी असली पहचान छिपाई जा सके.

विदेश तक भेजी गई रकम

जांच में यह भी सामने आया है कि ठगी की रकम का एक हिस्सा शेल कंपनियों के जरिए लेयरिंग कर विदेश भेजा गया. इसके लिए ट्रेड-बेस्ड मनी लॉन्ड्रिंग का तरीका अपनाया गया. बाकी रकम का इस्तेमाल वर्चुअल डिजिटल एसेट (क्रिप्टोकरेंसी आदि) खरीदने में किया गया.

1.76 करोड़ किस खाते में मिले

ईडी ने जो 1.76 करोड़ रुपए अटैच किए हैं, वह रकम एम/एस मृत्युंजय मल्टीट्रेड नाम की एक म्यूल कंपनी के बैंक खाते में पाई गई. जांच एजेंसी का कहना है कि यह खाता साइबर ठगी की रकम लेने और आगे ट्रांसफर करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था.

गरीब लोगों के नाम पर खुले खाते

जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि कई म्यूल खाते आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को नौकरी या लोन दिलाने का झांसा देकर खुलवाए गए थे. बाद में इन्हीं खातों के जरिए करोड़ों रुपए की अवैध लेन-देन की गई.

पहले भी हुई छापेमारी और गिरफ्तारी

इस मामले में श्वष्ठ पहले भी 31 जनवरी 2025, 22 दिसंबर 2025 और 31 दिसंबर 2025 को छापेमारी कर चुकी है. रूमी कलिता को 23 दिसंबर 2025 को गिरफ्तार किया गया था, जबकि अर्पित राठौर को 31 दिसंबर 2025 को गिरफ्तार किया गया. दोनों आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं

जम्मू बाल सुधार गृह से फरार 2 पाकिस्तानी नाबालिग पंजाब से गिरफ्तार, एक अभी भी फरार

● जम्मू के आरएस पुरा स्थित बाल सुधार केंद्र से फरार हुए दो पाकिस्तानी नाबालिगों मोहम्मद सनाउल्लाह और अहसान अनवर को पंजाब से गिरफ्तार कर लिया गया है. ये दोनों 17 फरवरी को पुलिसकर्मियों पर हमला कर भागे थे. वहीं एक स्थानीय गैंगस्टर करणजीत सिंह उर्फ गुग्गू अभी भी फरार है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जम्मू के आरएस पुरा स्थित बाल सुधार केंद्र से फरार हुए दोनों नाबालिग पाकिस्तानियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. संयुक्त ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने दोनों नाबालिगों को पंजाब से गिरफ्तार किया है. जिनकी पहचान मोहम्मद सनाउल्लाह और अहसान अनवर के रूप में हुई है. हालांकि एक अन्य नाबालिग अभी भी फरार है। जानकारी के मुताबिक पुलिस अब मोहम्मद सनाउल्लाह और अहसान अनवर की ट्रांजिट रिमांड लेने की तैयारी में है. हालांकि स्थानीय गैंगस्टर करनजीत सिंह उर्फ गुग्गू अब भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है, जिसकी तलाश की जा रहा रही है. पुलिस का कहना है कि करनजीत को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

पुलिस पर हमला कर हुए थे फरार

दरअसल बीते सोमवार (17 फरवरी) को आरएस पुरा में बाल सुधार गृह से तीन नाबालिग कैदी पुलिसकर्मियों पर हमला करने के बाद फरार हो गए थे. इनमें दो पाकिस्तानी और एक स्थानीय कैदी शामिल था. इस घटना से हड़कंप मच गया था. वहीं सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए थे. इन लोगों ने पुलिस पर हमला किया था, जिसमें दो पुलिसकर्मी गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे. जिन्हें सरकारी मेडिकल कॉलेज जम्मू में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

करणजीत सिंह पर 6 FIR दर्ज

पुलिस सूत्रों के मुताबिक फरार तीनों आरोपी 18 साल की आयु सीमा पार कर चुके थे. कानूनन बालिग होने के बावजूद उन्हें अन्य जेल में शिफ्ट नहीं किया गया था. फरार मुख्य आरोपी करणजीत सिंह निवासी दबलैड़ पुलिस रिकॉर्ड में एक हिस्ट्रीशीटर है. उसके खिलाफ आरएस पुरा, अरनिया और नवाबाद थाने में कुल छह एफआईआर दर्ज हैं।

पंजाब से हुई गिरफ्तारी

घटना के बाद पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके में व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया था. फरार नाबालिगों की तलाश के लिए नाकेबंदी की गई साथ ही आसपास के क्षेत्रों में सघन चेकिंग की गई. जम्मू से लेकर पंजाब तक अलर्ट जारी कर दिया गया था. नाबालिगों की तलाश में पुलिस की कई टीमों ने संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की. इस बीच टेक्निकल इनपुट और ग्राउंड इंटेलिजेंस की मदद से पुलिस ने दोनों पाकिस्तानियों की लोकेशन पंजाब में ट्रैक की. इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस अब इनकी ट्रांजिट रिमांड लेने की तैयारी कर रही है ताकि इन्हें वापस जम्मू लाया जा सके।

संक्षिप्त ख़बरें

किसान नेता शुभम रस्तोगी की अगुवाई में युवाओं के संग नायब तहसीलदार को सौंपा प्रार्थना पत्र

बिसवां/सीतापुर किसान नेता शुभम रस्तोगी की अगुवाई में मंगलवार को से युवाओं के साथ नायब तहसीलदार को प्रार्थना पत्र सौंपा गया। आरोप है कि युवाओं को नौकरी का झांसा देकर उनसे हजारों रुपये की ठगी की गई। प्रार्थना पत्र में बताया गया कि एक तथाकथित सामाजिक संस्था के नाम पर युवाओं को लखनऊ बुलाकर जॉइनिंग लेटर देने का भरोसा दिलाया गया। जॉइनिंग से पहले प्रत्येक युवक से ?2500 तक की धनराशि ली गई, लेकिन न तो स्थायी नौकरी दी गई और न ही वेतन का भुगतान किया गया। जब युवाओं ने अपने पैसे और वेतन की मांग की तो आरोपितों द्वारा टालमटोल व अभद्र व्यवहार किया गया। पीड़ित युवाओं का कहना है कि करीब 50 लोगों से इसी प्रकार धन उगाही की गई है, जिससे वे मानसिक और आर्थिक रूप से परेशान हैं। किसान नेता शुभम रस्तोगी ने प्रशासन से मांग की कि मामले में तत्काल एफआईआर दर्ज कर आरोपितों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए तथा युवाओं की ठगी गई रकम वापस दिलाई जाए। नायब तहसीलदार ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

कर्नाटक हाई कोर्ट से राहुल गांधी को बड़ी राहत, BJP नेता की याचिका खारिज, जानें क्या है पूरा मामला

● कर्नाटक हाई कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ दायर एक मानहानि याचिका को खारिज कर दिया है. इस पूरे मामले में मौजूदा सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को 1 जून 2024 को ही मजिस्ट्रेट कोर्ट ने जमानत दे दी थी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कर्नाटक हाई कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ दायर एक मानहानि याचिका को खारिज कर दिया है. यह याचिका बीजेपी सरकार को निशाना बनाने वाले एक विज्ञापन से जुड़ी थी. राहुल गांधी ने 2023 में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान इसे अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स से पोस्ट किया था. जिसके बाद बीजेपी नेता ने राहुल गांधी के खिलाफ निजी शिकायत दर्ज कराई थी. जिसे बाद में राहुल गांधी ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी

कर्नाटक BJP नेता केशव प्रसाद ने राहुल गांधी, सीएम सिद्धारमैया, डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के खिलाफ कोर्ट में मानहानि का केस दायर किया था. बीजेपी नेता ने आरोप लगाया कि 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस पोर्टी के विज्ञापनों और कैंपेनिंग नारों का जिक्र किया था. विज्ञापनों के जिए कांग्रेस ने राज्य में उस समय सत्ता में काबिज बीजेपी पर सरकारी कामों को पूरा करने के लिए ठेकेदारों पर दूसरों से 40 प्रतिशत तक कमीशन लेने का आरोप लगाया था।

जेपी नेता ने लगाए थे गंभीर आरोप

केशव का आरोप है कि कांग्रेस नेताओं ने उस समय राज्य के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई समेत अन्य पार्टी नेताओं पर झूठा आरोप लगाया था. इतना ही नहीं झूठे विज्ञापन के जरिए इसे पूरे राज्य में फैलाया गया. जनता के बीच उनकी पार्टी और नेताओं के बारे में गलत मैसेज सर्कुलेट कराया गया. जिसका नतीजा यह हुआ कि उनकी पार्टी को विधानसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा. उन्होंने इस पूरे मामले को लेकर राहुल और दूसरे नेताओं पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया था।

सिद्धारमैया और शिवकुमार को मिली थी जमानत

इस पूरे मामले में मौजूदा सीएम सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को 1 जून 2024 को ही मजिस्ट्रेट कोर्ट ने जमानत दे दी थी. जबकि राहुल गांधी ने इस याचिका को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी. इस मामले में जस्टिस सुनील दत्त यादव की अध्यक्षता वाली पीठ ने उनकी याचिका स्वीकार कर ली. जस्टिस ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान याचिका को खारिज कर दिया।

'बेटे की गलती पर शर्मिंदा हूं', दिल्ली हादसे पर आरोपी नाबालिग के पिता का बयान; पीड़ित परिवार से मांगी माफी

● पिता ने बेटे की गलती पर शर्मिंदगी और माफी मांगी।

आरोपी नाबालिग की उम्र 17 साल, डिप्रेशन में है।

हादसे के वक्त बहन भी साथ थी, लोगों से भिड़ी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पश्चिमी दिल्ली। मैं अपने बेटे की हरकरत पर शर्मिंदा हूं। मेरे बेटे से यह गलती अंजाने में हुई है। वह भी एक पिता है अपने बच्चे के जाने के दुख को समझते हैं। वह पीड़ित परिवार से अपने बेटे की गलती के लिए माफी मांगते हैं। इससे पहले कभी भी वह इस प्रकार गाड़ी लेकर नहीं निकलता था। यह कहना है द्वारका सड़क हादसा के आरोपित नाबालिग के पिता नरेंद्र सिंह का। उन्होंने बताया कि जिस दिन यह हादसा हुआ मैं दिल्ली में नहीं था। हादसे की जानकारी मुझे मेरी पत्नी और पुलिस से मिली थी। इसके बाद मैं फ्लाइट से दिल्ली पहुंचा। उन्होंने बताया कि 3 फरवरी को करीब 12 बजे मेरी पत्नी को पुलिस से हादसे की जानकारी मिली थी। उन्हें पुलिस ने बताया था कि आपके बेटे ने एक बाइक सवार को गाड़ी से टक्कर मार दी है। घर के पास ही हादसा होने के कारण मेरी पत्नी मौके पर पैदल ही पहुंच गई। जहां से पुलिस उनके बेटे को थाने लेकर चली गई।

बेटे के नहीं, ड्राइवर के हैं चालान

उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मेरे नहीं रहने के कारण वह गाड़ी लेकर निकल गया था। जो उस गाड़ी पर पहले से चालान है वह उनके बेटा द्वारा नहीं बल्कि यह चालान तब हुए हैं, जब उनका ड्राइवर गाड़ी चला रहा था। अपने बेटे के बारे में बताते हुए कहा कि वह एक तेज बच्चा है। इस हादसे के बाद पुलिस ने कोर्ट ने पेश किया था, जहां से उसे 6 दिन की हिरासत में भेज दिया गया था। बाहर आने के बाद से ही वह डिप्रेशन में है। मुझसे तो वह डरता है, पर अब अपनी मां से भी बात नहीं कर रहा है।

बेटे की उम्र पर क्या बोले?

उन्होंने आरोपित के पकड़े जाने के समय पुलिस द्वारा उसकी उम्र 19 साल लिखे जाने पर कहा कि, उस समय पुलिस को गलतफहमी हो गई थी। बाद में उसके दस्तावेज जमा करने पर पुलिस की गलतफहमी दूर हो गई। वह 17 साल का ही है।

हादसे के बाद भागने से रोकने वालों से भिड़ गई थी बहन

हादसे के समय आरोपित नाबालिग स्कॉर्पियो में अपनी बहन के साथ था और दोने भाई बहन रील बना रहे थे। जब हादसा हुआ तो दोनों गाड़ी को छोड़कर भागने लगे। पर स्थानीय लोगों ने पीछा करके उन्हें रोक लिया और वापस घटनास्थल लेकर आए। पर वायरल हो रहे एक वीडियो में साफ दिख रहा है कि हादसे के बाद दोनों भाई बहन को उनकी गलती से किसी के जान के जाने का कोई अफसोस नहीं है, बल्कि वे लोग उन्हें रोकने वालों से ही भिड़ गई और उनसे बदतमीजी करती देखी जा रही है। बाद में पुलिस के आने पर उन्हें हिरासत में लिया गया और पुलिस आरोपित को वहां से थाने लेकर गई।

प्रत्युषा सुसाइड केस: चार हफ्ते में सरेंडर करें सिद्धार्थ रेड्डी... 24 साल पुराने में सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

24 साल पुराने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुडिपल्ली सिद्धार्थ रेड्डी की दोषसिद्धि को बरकरार रखा है। इसके साथ ही कोर्ट ने सिद्धार्थ रेड्डी को चार हफ्ते के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया है. प्रत्यूषा की मौत 24 फरवरी, 2002 को हैदराबाद में हुई थी चर्चित तेलुगु अभिनेत्री प्रत्युषा सुसाइड मामले में दायर विभिन्न याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है।24 साल पुराने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुडिपल्ली सिद्धार्थ रेड्डी की दोषसिद्धि को बरकरार रखा है. इसके साथ ही कोर्ट ने सिद्धार्थ रेड्डी को चार हफ्ते के भीतर आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया है. जस्टिस राजेश बिंदल और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने यह फैसला सुनाया है। प्रत्यूषा की मौत 24 फरवरी, 2002 को हैदराबाद में हुई थी. जस्टिस राजेश बिंदल और जस्टिस मनमोहन की

बेंच ने इस बात से इनकार किया कि इस मामले में गला घोंटा गया था और दुष्कर्म हुआ था. साथ ही पीठ ने प्रत्यूषा की मां पी सरोजिनी देवी की अर्जी भी खारिज कर दी, जिन्होंने मौत के पीछे साजिश का आरोप लगाया था. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गला घोंटकर हत्या की बात खारिज की जाती है।

आंध्र प्रदेश HC ने सिद्धार्थ रेड्डी को दोषी ठहराया था

शीर्ष अदालत ने कहा कि सबूतों से जहर से मौत साबित होती है. अपील करने वाले आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का जुर्म नहीं बनता. अब यह आरोप लगाना मुश्किल है कि मौत का कारण दुष्कर्म और गला घोंटना था. आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने 2011 में जी सिद्धार्थ रेड्डी की पांच साल की जेल की सजा घटाकर दो साल कर दी थी, जिसे प्रत्यूषा की मौत के मामले में दोषी ठहराया गया था।

निचली अदालत ने 2004 में रेड्डी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पांच साल की जेल की सजा सुनाई थी और 5000 रुपये का जुर्माना लगाया था. उसने आत्महत्या की कोशिश के लिए भी उसे एक और साल की जेल की सजा सुनाई थी और हजार रुपये का जुर्माना लगाया था।

क्या है पूरा मामला?

रिमांड रिपोर्ट के मुताबिक, रेड्डी और प्रत्यूषा 6 साल से एक-दूसरे से प्यार करते थे. प्रत्यूषा की मां को यह रिश्ता मंजूर था, लेकिन रेड्डी की मां इस रिश्ते के लिए राजी नहीं थीं, जिसकी वजह से दोनों ने आत्महत्या करने का फैसला किया. 23 फरवरी 2002 को दोनों एक कार में गए थे, उन्होंने एक कीटनाशक की बोतल खरीदी, उसे कोक में मिलाया और पी लिया. हालांकि, बाद में दोनों को पछतावा हुआ। इस दौरान दोनों की तबीयत बिगड़ने लगी. दोनों अस्पताल पहुंचे. कार रेड्डी ने चलाई। इलाज के बावजूद प्रत्यूषा की मौत हो गई, जबकि रेड्डी बच गया।

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा, वही दिखेगा

स्वतंत्र प्रभात के राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक अखबार, पत्रिका एवं ऑनलाइन चैनल में काम करने हेतु अनुभवी लोगों की आवश्यकता है।

जिला, तहसील एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरोचीफ, संवाददाता और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आवश्यकता है। इच्छुक एवं अनुभवी व्यक्ति संपर्क करें।

अपना बायोडाटा भेजे : 9511151254

www.swatantraprabhat.com | www.epaper.swatantraprabhat.com

संक्षिप्त खबरें

दहेज हत्या में तीन दोषियों को सजा, एक को 14 वर्ष व दो को 10 वर्ष की सजा

बस्ती। बस्ती जिले में'ऑपरेशन कन्विक्शन' के तहत पैरवी सेल बस्ती एवं थाना सोनहा पुलिस की प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप दहेज हत्या के एक मामले में न्यायालय ने तीन अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए कठोर दंड सुनाया है। प्रकरण में 15 जून 2023 को थाना सोनहा में वादी की तहरीर पर मु0अ0सं0 127/2023, धारा 498ए/304बी भारतीय दंड संहिता व 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत केशवराम पुत्र नोखई, मुन्नू देवी पत्नी केशवराम तथा सुरजीत पुत्र केशवराम निवासी दरियापुर जंगलटोला, थाना सोनहा, जनपद बस्ती के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया था। विवेचना पूर्ण कर आरोप पत्र न्यायालय प्रेषित किया गया। पुलिस अधीक्षक बस्ती के निर्देशन में की गई सशक्त पैरवी के फलस्वरूप 16 फरवरी 2026 को प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश, कक्ष संख्या-01, बस्ती द्वारा अभियुक्त सुरजीत को 14 वर्ष के सश्रम कारावास तथा केशवराम व मुन्नू देवी को 10-10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई। तीनों अभियुक्तों पर प्रत्येक को 15,000 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया।

यूपी बोर्ड परीक्षा को लेकर एडीएम सहित अन्य अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

बस्ती। बस्ती जिले के अपर जिलाधिकारी बस्ती, अपर पुलिस अधीक्षक बस्ती द्वारा उपजिलाधिकारी सदर के साथ हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा को सकुशल/ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के दृष्टिगत शहर क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न विद्यालयों/ कॉलेजों का निरीक्षण कर शासन-प्रशासन से निर्गत आदेशों-निर्देशों के संबंध में अवगत कराते हुए संबंधित अधिकारी/ कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया अपर जिलाधिकारी बस्ती, अपर पुलिस अधीक्षक बस्ती श्री श्यामकांतद्वाराउपजिलाधिकारी सदर के साथ दिनांक 17.02.2026 को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा को नकलविहीन, शांतिपूर्ण, सकुशल, निष्पक्ष, सुरक्षा व सुचारू रूप से संपन्न कराने के दृष्टिगत शहर क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न सरकारी विद्यालयों/ कॉलेजों/ परीक्षा केंद्रों यथा 1-राजकीय इंटर कॉलेज, 2- राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, 3- खैर इण्टर कॉलेज, 4- बेगम खैर इण्टर कॉलेज, 5-ए0पी0एन0 कॉलेज आदि का निरीक्षण कर शासन-प्रशासन से निर्गत आदेशों-निर्देशों के संबंध में अवगत कराते हुए संबंधित अधिकारी/ कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

मर्दन सिंह इंटर कॉलेज में छात्रों को कराया गया शैक्षिक भ्रमण

एसडीएम अभिजीत सिंह ने दिखाई हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

तालबेहट। श्री मर्दन सिंह इंटर कॉलेज, तालबेहट के छात्र-छात्राओं को शनिवार को शैक्षिक भ्रमण के तहत झांसी स्थित स्पेस म्यूजियम ले जाया गया। पहली बार आयोजित एजुकेशन टूर को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में एसडीएम अभिजीत सिंह, प्रबंधक मनोज कुमार भट्ट, प्रबंध समिति सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता मनोहर लाल शर्मा तथा प्रधानाचार्य रामप्रकाश अनंत सहित शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीएम अभिजीत सिंह ने कहा कि कक्षा शिक्षण के साथ प्रैक्टिकल लर्निंग बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अधिक प्रभावी होती है। शैक्षणिक यात्रा पर गए बच्चों ने स्पेस म्यूजियम पहुंचकर न्यूटन के ब्लैक होल थ्योरी, सौरमंडल, ग्रह-नक्षत्र, तारामंडल और उल्कापिंडों की गतिविधियों की आभासी जानकारी प्राप्त की। पहली बार ऐसे भ्रमण पर पहुंचे छात्रों के चेहरे उत्साह से खिले नजर आए। प्रधानाचार्य रामप्रकाश अनंत ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन छात्रों को राजकीय स्कूलों की भांति समान अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी ऐसे एक्सपोजर विजिट आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी छात्रों की सुरक्षा के लिए साथ रहे।

बस्ती में बिजली कर्मियों का आंदोलन 11वें दिन भी जारी, अधीक्षण अभियंता अपने तुगल की फरमान पर कायम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के बैनर तले चल रहा आंदोलन मंगलवार को 11वें दिन भी जारी रहा। अधीक्षण अभियंता, विद्युत वितरण मंडल बस्ती के विरुद्ध कर्मचारियों ने हठधर्मिता और समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए धरना प्रदर्शन जारी रखा है। धरने को संबोधित करते हुए संघ के अध्यक्ष कामरेड अशर्फीलाल ने कहा कि विद्युत वितरण मंडल बस्ती और संगठन के बीच मुख्य विकास अधिकारी की मौजूदगी में यह सहमति बनी थी कि वर्तमान निविदा प्रक्रिया में आउटसोर्स संविदा श्रमिकों की नियुक्ति वरिष्ठता के आधार पर की जाएगी। लेकिन आरोप है कि अधीक्षण अभियंता द्वारा समझौते का पालन न करते हुए कनिष्ठ कर्मियों को वरीयता देकर अंतिम सूची जारी कर दी गई, जो पूर्व सहमति के विपरीत है। संघ ने यह भी आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा जारी आदेश संख्या 295, दिनांक 15 मई 2017 में स्पष्ट मानक निर्धारित हैं कि प्रति फीडर एक गैंग में एक कुशल और दो अकुशल कर्मी (कुल तीन सदस्य) होने चाहिए। कर्मचारियों का कहना है कि निर्धारित मानकों से कम संख्या में निविदा अनुबंध किया गया है, जो कॉरपोरेशन के आदेशों का उल्लंघन है।

आरोप यह भी लगाया गया कि अधिशासी अभियंता (सदर, रूधौली ग्रामीण एवं हर्रैया) द्वारा अधीक्षण अभियंता के सहयोग से सूची में अनियमितताएं की गई हैं। संगठन ने जिला प्रशासन से मांग की है कि आउटसोर्स श्रमिकों की जारी सूची की वरिष्ठता मानकों के अनुसार निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से समाधान निकालकर धरना समाप्त कराया जाए। धरने में मुख्य रूप से सुधीर कुमार, रमेश कुमार, अमरपाल गौतम, बाल गोविंद, संजय राही, नीरज कुमार और नितेश श्रीवास्तव सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। इस पूरे मामले को लेकर फ़ोन पर अधीक्षण अभियंता से बात करने की कोशिश की गई लेकिन संपर्क नहीं हो पाया।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने बनाई आन्दोलन की रणनीति

●शिक्षकों की एकजुटता से मिलेगी सफलता -चन्द्रिका सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में प्राथमिक शिक्षक को टीईटी अनिवार्यता के विरोध में प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर शिक्षकों ने आर- पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को शिक्षकों ने प्रेस क्लब सभागार में बैठक कर विस्तृत रणनीति बनाई। साथ ही ब्लाक अधिवेशन की तिथियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने कहा कि टीईटी अनिवार्यता के विरोध में पूरे देश में आन्दोलन के लिए टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया का गठन किया गया है। जिसमें चरणबद्ध आन्दोलन की तिथियों का निर्धारण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में शिक्षकों के अस्तित्व पर संकट है। इस संकट की घड़ी में यदि हम सभी एकजुट होकर लड़ाई लड़ेंगे तो निश्चित है सफलता मिलेगी। चरणबद्ध आन्दोलन की तिथियों की जानकारी देते हुए जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि 22 फरवरी को अपराह्न 2 बजे से 4 बजे तक ट्विटर पर हैशटैग अभियान, 23 फरवरी से 25 फरवरी तक काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य, 26 फरवरी को बीएसए कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करके जिलाधिकारी कार्यालय तक पैदल मार्च करते हुए प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन, मार्च के तीसरे सप्ताह में दिल्ली के जंतर मंतर पर विशाल धरना प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने शिक्षकों से उक्त कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने का आह्वान किया। पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष विष्णु दत्त शुक्ल ने कहा कि टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले हम सभी को एकजुट होकर लड़ाई लड़नी है। यदि हम सभी एकजुट होकर पूरे मन से लड़ाई लड़े तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देश के क्रम में ब्लॉक स्तरीय अधिवेशन को सम्पन्न कराना है। उन्होंने कहा कि सभी ब्लॉक कार्यकारिणी तत्काल सदस्यता सूची और शुल्क जमा कर दें। कहा कि जिन ब्लॉकों की सदस्यता 30: से कम है अथवा संघर्ष शुल्क नहीं जमा किया है उन्हें स्पष्टीकरण जारी किया जाएगा। उन्होंने ब्लाकों के पदाधिकारियों से अधिवेशन की तिथि निर्धारित करके सूचित करने की बात कही।

बैठक में मुख्य रूप से उमाकान्त शुक्ल, प्रताप नारायण, राजकुमार तिवारी, रवीश कुमार मिश्र, प्रवीन श्रीवास्तव, शिल्पी पाण्डेय, रीना कन्नौजिया, रेहाना परवीन, सविता पाण्डेय, राजकुमारी, शशि सिंह, सुरेश गौड़, अशोक यादव, अनिल पाठक, अनीश अहमद, मंगला मौर्य, मनीष मिश्र, गिरजेश सिंह, अविनाश दुबे, सुशील गहलोत, सुधीर तिवारी, शिवप्रकाश सिंह, हरेंद्र यादव, प्रताप नारायण, उमाकांत शुक्ल, राजीव सिंह, राजेश गिरि, संतोष मिश्र, अखिलेश पाण्डेय, संजय चौधरी, बृजेश त्रिपाठी, प्रमोद सिंह, अटल उपाध्याय, शत्रुजीत यादव, विनोद यादव, विवेक सिंह, नवीन सिंह, रामभवन यादव, अमित सिंह, रमेश चौधरी, शेषनारायण, मुस्तकीम, धर्मराज यादव, अशोक पाण्डेय, अजय पाल, माखनलाल , रवि सिंह, सत्य प्रकाश कन्नौजिया, देवेंद्र सिंह, रंजन सिंह, दिनेश सिंह, हरीओम यादव, आनंद, जूनियर शिक्षक संघ के सच्चिदानंद शुक्ल, गौरव द्विवेदी, रुद्र प्रताप चौधरी आदि शामिल रहे।

बाल विवाह के खिलाफ बालपुर में जागरूकता कार्यक्रम, ग्रामीणों ने ली रोकथाम की शपथ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। बलरामपुर जनपद के विकासखंड बलरामपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बालपुर में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना तथा बच्चों के सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को बाल विवाह से होने वाले सामाजिक, शैक्षिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों की जानकारी दी गई। साथ ही बाल विवाह रोकथाम से जुड़े कानूनी8 प्रावधानों और शिकायत की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया गया। अधिकारियों ने कहा कि बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन है और इसे रोकना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं–मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मिशन शक्ति, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना एवं निराश्रित महिला पेंशन योजना–की जानकारी देते हुए पात्र परिवारों को इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा हेतु महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1090 (वूमेन पावर लाइन), 112 (आपातकालीन सेवा) तथा 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन) की जानकारी साझा की गई और जरूरत पड़ने पर तत्काल संपर्क करने का आह्वान किया गया। जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला सशक्तिकरण से जुड़े अधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में ग्रामीणों ने बाल विवाह रोकने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों को बाल विवाह न करने और न होने देने की शपथ दिलाई गई। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारतीय किसान यूनियन (भानू) ने 8 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन, समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। नगर क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर आज भारतीय किसान यूनियन (भानू) के पदाधिकारियों ने तहसील उपाध्यक्ष आलम खान के नेतृत्व में नगर कार्यालय पहुंचकर अधिशाषी अधिकारी अवनीश कुमार सिंह को 8 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नगर की मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों, मांगों एवं लंबित समस्याओं के समाधान की मांग की गई। किसान यूनियन ने आरोप लगाया कि नगर क्षेत्र में ठेकेदार निर्माण कार्य शुरू करने से पहले नियमानुसार सूचना बोर्ड नहीं लगाते हैं, जिससे पारदर्शिता प्रभावित होती है। संगठन ने सभी निर्माण स्थलों पर अनिवार्य रूप से इंफॉर्मेशन बोर्ड लगवाने की मांग की। इसके साथ ही वार्डों में नियमित कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराने की आवश्यकता भी बताई गई।

ज्ञापन में जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने में अनावश्यक देरी तथा तैयार प्रमाण पत्रों को गृहकर और जलकर से जोड़कर रोके जाने की शिकायत उठाई गई। यूनियन ने इसे तत्काल बंद कर नागरिकों को समय पर प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने की मांग की। वार्ड नंबर 15 में ईदगाह और कब्रिस्तान के पास बनी सीसी रोड के किनारे नाली निर्माण न होने से जलभराव की समस्या बनी रहती है, जिसे शीघ्र पूरा कराने की मांग की गई। वहीं वार्ड नंबर 13 में स्टेशन मार्ग से मंजूर आलम के घर तक सड़क निर्माण को अत्यंत आवश्यक बताते हुए कहा गया कि वर्ष 2012 से मांग के बावजूद अब तक कार्य नहीं हुआ, जिससे बरसात में आवागमन बाधित हो जाता है। इसी वार्ड में जल निगम द्वारा डाली गई पाइपलाइन को अब तक कनेक्ट न किए जाने का मुद्दा भी उठाया गया।

बरगदवा और सिसहानियां-बरगदही वार्ड को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर स्ट्रीट लाइट न होने से नागरिकों को रात में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यूनियन ने शीघ्र स्ट्रीट लाइट लगवाने की मांग की। इसके अतिरिक्त वार्ड नंबर 8 में आलम बाबा मुहावर के घर से हाजी अब्दुल बारी के घर तक बनी पुरानी नाली के ध्वस्त होने और कूड़े से पट जाने की समस्या को उठाते हुए उसकी सफाई एवं मरम्मत कराने की मांग की गई। अधिशाषी अधिकारी ने ज्ञापन में उठाए गए सभी बिंदुओं पर संबंधित विभागों को तत्काल आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए और समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। अधिकारियों की इस सकारात्मक पहल से किसान यूनियन के पदाधिकारी संतोष जताते हुए प्रसन्न नजर आए।

राघव ने गुनगुनाया देशगान, बजी तालियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। एकता महोत्सव में विधायक आराधना मिश्रा मोना के पुत्र राघव मिश्र का भी गायन लोगों को भाया। राघव ने तेरी मिट्टी में मिल जावां की भावपूर्ण प्रस्तुति दी तब मंच व दीर्घाएं तालियों से गूंज उठी। वहीं भोजपुरी स्टार रितेश व अभिनेत्री आस्था ने भी राघव को सराहे देकर हौसला बढ़ाया। राघव की सुमधुर आवाज को लेकर मंच पर मौजूद कलाकारों को भी मुग्ध देखा गया।

बस में छात्रा से छेड़छाड़ का आरोप चालक व परिचालक पर एफआईआर

ललितपुर। जनपद के जखौरा थाना क्षेत्र में एक बस यात्रा के दौरान छात्रा से छेड़छाड़ का गंभीर मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़िता के पिता की तहरीर पर थाना जखौरा में बस चालक और परिचालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 74 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि उनकी पुत्री उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए इंदौर (मध्य प्रदेश) में पढ़ाई करती है और समय-समय पर बस से घर आती-जाती रहती है। बीते 7 फरवरी 2026 की शाम करीब 6 बजे वह जखौरा से बस संख्या यू.पी. 78 टी 2451 में सवार हुई थी। आरोप है कि रात्रि करीब 3.30 बजे बस चालक और परिचालक ने गलत नीयत से उसकी पुत्री के साथ छेड़छाड़ की। पीड़िता ने साहस दिखाते हुए अन्य यात्रियों की मदद से स्वयं को बचाया। बाद में इस घटना की सूचना थाना जखौरा में दी गई, लेकिन तत्काल कार्रवाई न होने पर पीड़िता के पिता ने लिखित शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोपी गिरफ्तार

●रेहरा बाजार पुलिस की कार्रवाई, न्यायालय भेजा गया अभियुक्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर- थाना रेहरा बाजार पुलिस ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय भेज दिया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी उतरौला के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक थाना रेहरा बाजार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए संबंधित मुकदमे के आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार थाना रेहरा बाजार में पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 46/2026, धारा 87/137(2) बीएनएस से जुड़े मामले में वांछित चल रहा अभियुक्त सचिन वर्मा पुत्र रक्षाराम वर्मा, निवासी जनकपुरवा मौजा बैरिया सुर्जनपुर, को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक पूछताछ कर उसे माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया। गिरफ्तारी कार्रवाई में उपनिरीक्षक प्रभात पाल, हेड कांस्टेबल आदित्य राय तथा महिला कांस्टेबल अर्चना दीक्षित की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि नाबालिगों से संबंधित अपराधों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने विधान परिषद में उठाया परिषदीय शिक्षकों के लंबित वेतन विसंगतियों को दूर कराने का मुद्दा

●शिक्षकों में प्रसन्नताः एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह की पहल सराहनीय- अभय सिंह यादव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में विधान परिषद सदस्य देवेन्द्र प्रताप सिंह ने प्रदेश के परिषदीय शिक्षकों के लंबित वेतन विसंगतियों को दूर कराने के मामले में विधान परिषद उठाते हुए सरकार से मांग किया कि 30 नवंबर 2008 के बाद पदोन्नति प्राप्त सभी शिक्षकों को न्यूनतम वेतन 17140 का लाभ प्राप्त नहीं हो रहा है जो विसंगति पूर्ण है इसको 9 जून 2014 के शासनादेश का पालन कराते हुए शिक्षकों के वेतन विसंगति को दूर कराया जाए। पुनरीक्षित वेतन प्राप्त होने से वंचित सभी शिक्षकों को उस लाभ से लाभान्वित किया जाए एक ही संवर्ग में दोहरा मापदंड नहीं रह सकता है।

वेतन विसंगति को दूर कराने के सदन में पुरजोर तरीके से रखने के लिए उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जिला अध्यक्ष उदय शंकर शुक्ला की पहल पर एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने विप में जो प्रश्न उठाया वह सराहनीय है। शिक्षक राघवेन्द्र प्रताप सिंह, राजकुमार सिंह, सूर्य प्रकाश शुक्ला, चंद्रशेखर शमा, शैल शुक्ला, मंजेश राजभर, रवि प्रताप सिंह, आदित्यनाथ तिवारी, आशा त्रिपाठी, हिंदू बाला त्रिपाठी, चंद्रभान चौरसिया, देवेंद्र वर्मा, उमाशंकर मणि त्रिपाठी, संतोष शुक्ला, इंद्रसेन मिश्रा, मारूफ खान, नवीन चौधरी, दीपक चौरसिया, अजीत जायसवाल, नीलम, ध्रुव नारायण दुबे, अवनीश चौरसिया, विजयलक्ष्मी श्रीवास्तव, संध्या त्रिपाठी, रामायण प्रसाद शुक्ला, मुकेश चौधरी, अभिषेक यादव, अंकुर यादव, अश्विनी यादव, आराधना यादव, गंगा प्रसाद यादव, घनश्याम यादव, संतोष यादव, मोहम्मद कामरान, प्रीति मिश्रा, रामरेखा चौधरी, कृष्ण बिहारी पाण्डेय, अभिमन्यु, उमराव, गिरजेश प्रसाद चौधरी, रवि शंकर शुक्ला, राघवेन्द्र उपाध्याय, रामचंद्र शुक्ला, सुदर्शन प्रसाद त्रिपाठी, महेश कुमार, त्रिलोकी नाथ, रीता शुक्ला, योगेश्वर शुक्ला, रामपाल चौधरी, दिवाकर सिंह, विनोद यादव, मुकेश, बिंदु, सत्येन्द्र यादव, रामू यादव, विवेक तिवारी, आदित्य पाण्डेय, मारकाण्डेय मिश्रा, अतुल कृष्ण राज, दुर्गेश राव, राम अक्षैबर चौधरी आदि ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुये एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह के पहल का स्वागत किया है।

कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं में लाठी चार्ज दुर्भाग्यपूर्ण, सवालों से डर गयी है योगी सरकार- विश्वनाथ चौधर

●जनहित के सवालों को लेकर जारी रहेगा संघर्षयोगी सरकार पर बरसे कांग्रेसी, कहा तानाशाह जनता देगी जबाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जिले मेंमनरेगा के नाम में प्रस्तावित बदलाव के विरोध में प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में शांतिपूर्ण तरीके से विधानसभा घेराव करने जा रहे कांग्रेसजनों पर किए गए लाठीचार्ज की कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी, देवेंद्र श्रीवास्तव, ज्ञानेंद्र पाण्डेय ज्ञानू, बृजेश आर्य, अनिल भारती, कौशल त्रिपाठी, जयंत चौधरी, संदीप श्रीवास्तव, शौकत अली नन्हू, अलीम अख्तर ने कड़े शब्दों में निन्दा करते हुये कहा कि लोकतंत्र का दमन बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।लखनऊ के प्रदर्शन में शामिल जिला अध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जाएगा। शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने जा रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकना और उन पर बल प्रयोग करना सरकार की घबराहट को दर्शाता है।वरिष्ठ नेता देवेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि गरीब, मजदूर और किसान की आवाज उठाने वाली कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं पर किया गया लाठीचार्ज अंग्रेजी शासनकाल की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि योगी सरकार की तानाशाही और अन्याय के खिलाफ उत्तर प्रदेश कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता डटकर खड़ा है।पूर्व जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ज्ञानू ने कहा कि चाहे मनरेगा का मामला हो, अहिल्याबाई होलकर के सम्मान का प्रश्न हो, शंकराचार्य जी के अपमान का मुद्दा हो, किसानों की जमीन का मामला हो या लखनऊ की पुरानी मजारों को तोड़ने का अन्याय, कांग्रेस पार्टी अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी।

शहर अध्यक्ष शौकत अली नन्हू ने कहा कि सरकार पूरी तरह संवेदनहीन हो चुकी है और तानाशाही रवैया अपना रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश भर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को लखनऊ जाने से बलपूर्वक रोका गया तथा जो कार्यकर्ता लखनऊ पहुंचे, उन पर प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज किया गया। यह दर्शाता है कि सरकार जनता के हितों से जुड़े मुद्दों से बचना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार हमें जेल भेज सकती है, लेकिन हमारे हौसलों को नहीं तोड़ सकती। भ्रष्टाचार में डूबी इस सरकार का सच जनता के सामने आकर रहेगा। लखनऊ के प्रदर्शन में बस्ती से उक्त नेताओं के साथ ही नर्वदेश्वर शुक्ला, राहुल चौधरी, अमरदेव सिंह, सुनील पाण्डेय, लक्ष्मी यादव, राजेश भारती, अजय सिंह, राज कपूर, शुभम गांधी आदि शामिल रहे।

सुल्तानपुर में सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

●एक छात्रा घायल, पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर - एक सड़क दुर्घटना में 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि एक छात्रा घायल हो गई। यह घटना गोसाईगंज थाना क्षेत्र के द्वारिकागंज के पास हुई। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान परसपुर बल्दीराय निवासी रामजीत यादव पुत्र कल्लू यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद रामजीत गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसके दोस्त और परिजन सूचना मिलते ही मौके पर और फिर राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचे। रामजीत के दोस्त लोकेश यादव ने बताया कि रामजीत सुबह घर से बाइक लेकर 'घूमने जाने' की बात कहकर निकला था। करीब डेढ़ घंटे बाद ही परिजनों को उसके दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली। इस दुर्घटना में चाँदपुर सैदोपट्टी निवासी माधुरी नामक एक छात्रा भी घायल हुई है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि टक्कर किस वाहन से हुई। प्रत्यक्षदर्शियों या परिजनों को टक्कर मारने वाले वाहन के बारे में कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिल सकी है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को कब्जे में लेकर थाने में खड़ा करवा दिया है। गोसाईगंज थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। पुलिस प्रशासन ने घायल की स्थिति और आगे की विधिक कार्रवाई की बात कही है।

गैस डिलीवरी कर्मी पर हमले का खुलासा, 7 गिरफ्तार

देवरिया। गैस सिलेंडर की होम डिलीवरी के दौरान हुए जानलेवा हमले का भलुअनी पुलिस ने खुलासा करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 12 फरवरी को बरहज मार्ग पर अज्ञात हमलावरों ने वाहन का शीशा तोड़कर चालक पर चाकू से वार किया था। जांच में सामने आया कि घटना के पीछे जमीनी रंजिश की पृष्ठभूमि थी। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर करौंदी मोड़ से सभी आरोपियों को दबोचा। एक आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद हुआ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कुछ आरोपियों का पूर्व आपराधिक इतिहास भी है। मामले में पूछताछ जारी है और अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

पीएमश्री विद्यालय के वार्षिकोत्सव में झलकी प्रतिभा बच्चों को दी गई भावुक विदाई

लालगंज (रायबरेली)। ब्लॉक संसाधन केंद्र परिसर स्थित पीएम श्री विद्यालय राजकीय में वार्षिकोत्सव का आयोजन हुआ। इस मौके पर पूरा परिसर तालियों से गूंज उठा। बच्चों के चेहरों पर उत्साह साफ दिखा। कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी राजीव कुमार ओझा मुख्य अतिथि रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में शैल शुक्ल, एआरपी गैरवदीय यादव, विभव तिवारी और आशीष पटेल मौजूद रहे। हेडमास्टर महेंद्र यादव ने अतिथियों का स्वागत किया। रंगारंग कार्यक्रम में शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। गीत, नृत्य और नाटक ने सभी का मन मोह लिया। अतिथियों ने खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कक्षा आठ के बच्चों को भावुक माहौल में विदाई भी दी गई। मुख्य अतिथि ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों के बच्चे अब निजी स्कूलों के बराबर अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं। शिक्षा का स्तर लगातार बेहतर हो रहा है। यह शुभ संकेत है। शैल शुक्ल ने भी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की सराहना की। कहा कि सरकारी स्कूलों में भी बच्चों के सपनों को पंख मिल रहे हैं। हेडमास्टर महेंद्र यादव ने विद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की और सभी का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन मनोज मिश्रा और ज्योति वर्मा ने किया। इस मौके पर विद्यालय स्टाफ अमिता, जोशीफ, सीता, कविता, मिधी सहित बड़ी संख्या में अभिभावक मौजूद रहे।

शोहरतगढ़ विधायक ने मंदिर निमार्ण गुणवत्ता पर सवाल उठाया

पर्यटन मंत्री से मिलकर पल्टादेवी मंदिर निमार्ण कार्य जांच कि मांग की

सिद्धार्थनगर, प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह से विधायक विनय वर्मा ने भेंट अपने विधानसभा क्षेत्र शोहरतगढ़ अंतर्गत पलटा देवी मंदिर में कराए गए कार्य की अत्यंत गुणवत्ता विहीन एवं स्थानीय जनता में व्याप्त रोष के विषय में अवगत कराया। इसके साथ ही, समय माता मंदिर में सरकार द्वारा स्वीकृत धनराशि के बावजूद अब तक कार्य में अपेक्षित प्रगति न होने पर भी चर्चा की गई एवं आगे होने वाले सभी कार्यों में गुणवत्ता एवं मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित कराया जाए, किसी भी स्तर पर लापरवाही या समझौता न हो।

प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री ने विषय को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में चल रहे सभी विकास कार्यों में गुणवत्ता एवं मानकों से किसी प्रकार का समझौता न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी भी कार्य में कमी पाई गई तो ठेकेदार एवं कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगी, उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाएगा तथा उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्काउट गाइड प्रतिभागियों ने सीखा टेन्ट पिचिंग, गाँठ और बंधन

बस्ती। बस्ती जिले में स्काउट गाइड प्रतिभागियों ने सीखा टेन्ट पिचिंग, गाँठ और बंधन, कैम्प के औजार आदि के बारे में प्रशिक्षकों ने विस्तार पूर्वक जानकारी दी, यह जानकारी देते हुए प्राचार्या डॉ अमिता सक्सेना ने बताया कि तीन दिवसीय स्काउट गाइड सोपानों का प्रशिक्षण वाकई में प्रतिभागियों में काफी परिवर्तन लाने वाला होता है, आगे के प्रशिक्षण के लिए भी सभी जरूरी औपचारिकता का पूरी तरह से प्रशिक्षकों द्वारा ध्यान रखा जा रहा है, यह विचार वह पीएमश्री नवोदय विद्यालय रुधौली के परिसर में चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों द्वारा बनाये गए टेन्ट, गैजेट्स और रंगोली आदि का निरीक्षण करते हुए व्यक्त किया, लीडर ट्रेनर डॉ कुलदीप सिंह, लीडर ट्रेनर सत्या पाण्डेय, सहायक लीडर ट्रेनर प्रताप शंकर पाण्डेय और एडवांस स्काउट मास्टर विजय कश्यप ने बच्चों को गाँठ बंधन गैजेट्स, स्काउट गाइड वर्दी, बिना बर्तन का भोजन बनाना, ध्वजारोहण, ध्वज की जानकारी, बीपी सिक्स, मीनार आदि बनाने के बारे में जानकारी दी, इस अवसर पर उप प्राचार्य राकेश शर्मा, स्काउट इंचार्ज आलोक कुमार सिंह, गाइड इंचार्ज सुनीता देवी, साक्षी मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

मलिहाबाद स्वतंत्र प्रभात के पत्रकार की जबरदस्त पहल! भ्रष्ट अफसर सोए रहे, राहुल कुमार ने खुद नाला साफ करा जनता को दी राहत - शर्म से डूब मरो प्रशासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। (लखनऊ) स्वतंत्र प्रभात की पहल: पत्रकार राहुल कुमार ने जनता के हित में कराया रोड पर बहता नाला साफ, भ्रष्ट प्रशासन की पोल खोल दी : स्थानीय स्तर पर जनता की समस्याओं को उठाने और उनका समाधान कराने में स्वतंत्र प्रभात समाचार पत्र की सक्रिय भूमिका एक बार फिर सामने आई है। दतली- पहाड़पुर मार्ग पर अटौरा गांव में सड़क पर सालों से बह रहा नाला अब साफ हो गया है। यह सराहनीय कार्य स्वतंत्र प्रभात के पत्रकार राहुल कुमार ने जेसीबी मशीन लगवाकर कराया, जिसमें करीब 3 घंटे से अधिक समय लगा।इस दौरान पत्रकार राहुल कुमार ने न केवल रोड पर बहते नाले को पूरी तरह साफ कराया, बल्कि करीब 30 मीटर हल्का गहरा कच्चा नाला भी खुदवाया और लगभग 60 मीटर क्षतिग्रस्त नाले की सफाई भी सुनिश्चित की। पूर्व प्रधान दिनेश कुमार तथा क्षेत्र के समस्त ग्रामीणों की मांग पर यह कार्य जनता के हित में किया गया, जिससे अब स्थानीय लोगों को आवागमन में काफी राहत मिलेगी।यहां सवाल यह उठता है कि मलिहाबाद के अंधे-बहरे और भ्रष्ट अधिकारी-कर्मचारी इस काम को क्यों नहीं करा रहे थे? न तो खबर चलने से उन्हें कोई फर्क पड़ता है और न ही लिखित आवेदन देने पर कोई कार्रवाई होती है। पुरवा से पहाड़पुर तक पूरी सड़क पहले से ही क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिससे ग्रामीणों को रोजाना परेशानी झेलनी पड़ती है। ऐसे में जो जिम्मेदारी शासन-प्रशासन और स्थानीय अधिकारियों की थी, वह एक जागरूक पत्रकार ने निभाई।पत्रकार राहुल कुमार का यह प्रयास न केवल सराहनीय है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सच्ची पत्रकारिता सिर्फ खबर दिखाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि समस्या का समाधान भी कराती है। मलिहाबाद के शासन-प्रशासन को शर्मिंदगी महसूस करनी चाहिए कि एक पत्रकार को वह काम करना पड़ रहा है, जो उनकी ड्यूटी है। स्वतंत्र प्रभात हमेशा जनता के साथ खड़ा रहेगा और ऐसी समस्याओं को उजागर कर उनका निदान कराने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। स्थानीय ग्रामीणों ने इस पहल की जमकर सराहना की है और उम्मीद जताई है कि आगे भी ऐसे कार्य होते रहेंगे।

पुलिस ने दो शातिर बाइक चोरों को किया गिरफ्तार, दो बाइकें बरामद

कोंच (जालौन)- कोतवाली पुलिस दो शातिर बाइक चोरों को चोरी की दो मोटरसाइकिलों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस उपलब्धि पर जिले के पुलिस कप्तान डॉ दुर्गेश कुमार ने पुलिस टीम को शाबाशी दी है। जनपद में अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश बहादुर सिंह पुलिस टीम चेकिंग पर थे तभी मुखबिर की सूचना पर दो शातिर वाहन चोरों को चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में वाहन चोर विनोद कुमार पुत्र सुखई निवासी ग्राम खैरी थाना कैलिया ने बताया कि उसने नवंबर 2025 में कस्बे की बल्दाऊ धर्मशाला के पास से एचएफ डीलक्स नंबर यूपी 92 एए 3823 की चोरी की थी। दूसरे आरोपी महेश कुमार पुत्र दयाल सिंह निवासी ग्राम खैरी थाना कैलिया ने बताया है कि उसने वर्ष 2022 में मप्र के थाना डबरा क्षेत्र से बाइक बजाज प्लैटिना नंबर एमपी 07 एनजे 1337 को चोरी किया था। इस संबंध में कोतवाली पुलिस द्वारा थाना डबरा सूचना दे दी है। अभियुक्तगणों के खिलाफ नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की गई है।

कोतवाली में ई रिक्शा चालकों को सख्त हिदायत

● निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। नगर में बढ़ती जाम की समस्या और टप्पेबाजी की घटनाओं पर लगाम कसने के लिए को कोतवाली परिसर में मंगलवार को ई-रिक्शा चालकों की बैठक बुलाई गई। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने चालकों को सख्त निर्देश दिए। उन्हें साफ कहा गया कि सवारियां केवल निर्धारित स्टैंड से ही बैठाएं। सड़क किनारे या बाजार के बीच वाहन खड़ा कर सवारी न बैठाएं। इससे जाम लगता है और अव्यवस्था फैलती है। पुलिस ने अज्ञात और नकाबपोश सवारियों पर विशेष नजर रखने को कहा। कोई भी व्यक्ति संदिग्ध लगे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। छोटी सी सूचना बड़ी घटना को रोक सकती है। प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि एक साथ झुंड बनाकर चलने वाले वाहनों पर कार्रवाई होगी। इससे यातायात बाधित होता है। आम लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि नगर में यात्रियों के साथ टप्पेबाजी की शिकायतें मिल रही हैं। इन घटनाओं की रोकथाम के लिए चालकों का सहयोग जरूरी है। बैठक में जलील, सोमेश कटियार, रामखेलावन, अशोक, आशीष द्विवेदी, राहुल, विकास और प्रसन्न कुमार सहित कई चालक मौजूद रहे।

डंपर से भिड़ी पिकअप, चालक समेत चाचा-भतीजे की दर्दनाक मौत

● कटर मशीन से काटकर पिकअप सवार तीनों को बाहर निकाला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। बांदा से टांडा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार देर रात बदई का पुरवा गांव के पास गिट्टी लदे डंपर और पिकअप वाहन की आमने सामने भीषण टक्कर हो गई। हादसा इतना भयावह था कि पिकअप वाहन डंपर के अगले हिस्से में बुरी तरह फंस गया और उसके परखच्चे उड़ गए। हादसे में चाचा भतीजा समेत तीन वाहन चालक की मौत हो गई। डंपर हमीरपुर के कबरई से गिट्टी लादकर बनारस की ओर जा रहा था जबकि पिकअप जौनपुर से दिल्ली लौट रही थी। बदई का पुरवा के पास रात करीब साढ़े बारह बजे दोनों वाहन आमने सामने टकरा गए। टक्कर इतनी तेज थी कि तीनों लोग वाहन के अगले हिस्से में बुरी तरह फंस गए। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद ग्राइंडर से वाहन को काटकर तीनों को बाहर निकाला। लेकिन तब तक पिकअप चालक रोहित (26) पुत्र जवाहरलाल निवासी मूर्ति बिहार चौक, शिकारपुर, बुलंदशहर, वाहन स्वामी विपिन (36) पुत्र प्रेमचंद्र निवासी विश्वास नगर, संजय अमर कॉलोनी, शाहदरा, दिल्ली तथा उनके चाचा अखिलेश सरोज (45) पुत्र फूलचंद्र निवासी कुंवरपुर पवारा, जौनपुर की मौके पर ही मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक विपिन के चाचा बालचंद्र सरोज की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप

ललितपुर। कोतवाली ललितपुर क्षेत्र में नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने एक युवक के खिलाफ बीएनएस की धारा 137(2) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी महिला ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उनकी नाबालिग पुत्री 16 फरवरी 2026 की रात करीब 10.30 बजे घर पर थी। इसी दौरान बड़ापुरा निवासी युवक राजीव नाम का युवक उनकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ कहीं ले गया। पीड़िता की मां ने बताया कि घटना की जानकारी होते ही उन्होंने अपनी पुत्री की काफी खोजबीन की, रिश्तेदारों और परिचितों से भी पूछताछ की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। आरोपी युवक को कई बार फोन किया गया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया, जिससे परिजन और अधिक चिंतित हो गए। शिकायत में यह भी बताया गया है कि लापता किशोरी के पहनावे और हुलिए की जानकारी पुलिस को दी गई है, ताकि तलाश में सहायता मिल सके। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल एफआईआर दर्ज कर ली है।

'अरावली पर नया संकट' का अग्रेजी संस्करण अमेरिका से प्रकाशित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के अरावली पर्वतमाला पर मंडरा रहे गंभीर और बहुआयामी संकट पर लिखी गई महत्वपूर्ण पुस्तक 'अरावली पर नया संकट' का अग्रेजी संस्करण का प्रकाशन 16 फरवरी 2026 को लूलू पब्लिकेशन अमेरिका द्वारा किया गया है जिसका आई एस.बी.एन. : 978-1-105-67866-0 है। इस पुस्तक के लेखक भारत के सुप्रसिद्ध जल-संरक्षण कार्यकर्ता एवं जलपुरुष डॉ. राजेन्द्र सिंह (तरुण भारत संघ, जयपुर, राजस्थान) हैं तथा पुस्तक का संपादन पर्यावरणविद् एवं महानिदेशक (तकनीकी), स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज़, लखनऊ-226501 के प्रो. (डॉ.) भरत राज सिंह द्वारा किया गया है। यह पुस्तक अरावली पर्वतमाला के समक्ष उपस्थित नए संकटों का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करती है। खनन-आधारित तथाकथित विकास, पर्यावरणीय कानूनों के शिथिलीकरण तथा नीतिगत असंतुलन ने अरावली के जलस्त्रोतों, वन आच्छादन और पारिस्थितिक संतुलन को गंभीर खतरे में डाल दिया है। इस पुस्तक में स्पष्ट किया गया है कि अरावली केवल पर्वत-शृंखला नहीं, बल्कि उत्तर और पश्चिम भारत की जलवायु एवं वर्षा-चक्र का प्राकृतिक सुरक्षा-कवच है। इसका क्षरण भूजल स्तर में गिरावट, कृषि संकट, युवाओं में बेरोज़गारी तथा सामाजिक अस्थिरता जैसे व्यापक प्रभाव उत्पन्न कर रहा है। लेखक और संपादक ने इस तथ्य को सशक्त रूप से स्थापित किया है कि अरावली का संकट

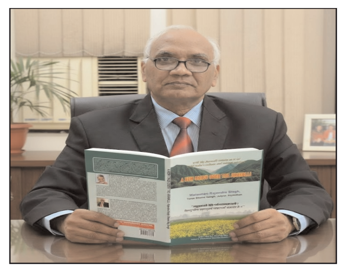

केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि जल-सुरक्षा, खाद्य-सुरक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों तथा भावी पीढ़ियों के अधिकारों से जुड़ा राष्ट्रीय प्रश्न है। अतः अरावली का संरक्षण हम सभी का सामूहिक और राष्ट्रीय दायित्व है। यह पुस्तक नीति- निर्माताओं, पर्यावरणविदों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों एवं जनसामान्य के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज सिद्ध होगी।

कूड़े को समाधान में बदला, हरियाली को पहचान दिलाई: डॉ. अरविंद कुमार राव का ग्रेटर लखनऊ जनकल्याण महासमिति ने किया सम्मान!

● शिवरी कचरा निस्तारण प्लांट से रूफ टॉप गार्डनिंग तक, लखनऊ मॉडल को मिली राष्ट्रीय स्तर पर पहचान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। शहर में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और शहरी नवाचार को नई दिशा देने वाले वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अरविंद कुमार राव का शुक्रवार को नागरिक संगठन ग्रेटर लखनऊ जनकल्याण महासमिति द्वारा सम्मान किया गया। महासमिति के अध्यक्ष रूप कुमार शर्मा, महासचिव विवेक शर्मा, उपाध्यक्ष रितेश श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष सौरभ सिंह तथा जितेन्द्र सिंह ने डॉ. राव से शिष्टाचार भेंट कर अभिनंदन पत्र सौंपा और उनके कार्यों को लखनऊ के लिए मील का पत्थर बताया। डॉ. राव के कार्यकाल में नगर निगम लखनऊ ने पर्यावरणीय चुनौतियों को अवसरों में बदला। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर अपनाए गए नवाचारों के चलते शहर को वर्षों से चली आ रही कचरा समस्या से बड़ी राहत मिली। शिवरी कूड़ा निस्तारण प्लांट और C&D प्लांट के माध्यम से लाखों मीट्रिक टन कचरे का वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण कर लखनऊ को स्वच्छता की दिशा में नई पहचान दिलाई गई। शहर की हरियाली और सौंदर्यीकरण के प्रयासों का असर प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी-2026 में भी दिखा। इस प्रदर्शनी में नगर निगम लखनऊ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पार्कों के बेहतर रखरखाव के लिए प्रथम तथा रूफ टॉप गार्डनिंग मॉडल के लिए द्वितीय पुरस्कार हासिल किया। ये पुरस्कार महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा प्रदान किए गए। डॉ. राव की कार्यशैली की गूंज प्रदेश के बाहर तक पहुंची। शिवरी प्लांट के जरिए किए गए कचरा निस्तारण की प्रशंसा बॉम्बे हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति ने की, वहीं बृहन्मुंबई महानगर निगम को लखनऊ नगर निगम के मॉडल से सीख लेने की सलाह दी गई। यह उपलब्धि लखनऊ के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान के समान मानी जा रही है। केवल स्वच्छता ही नहीं, बल्कि निराश्रित गोवंश की देख-रेख में भी डॉ. राव के प्रयासों की सराहना हो रही है। कान्हा उपवन गौशाला के कायाकल्प के माध्यम से पशु-कल्याण और जीव-सेवा की दिशा में ठोस कदम उठाए गए, जिससे शहर में मानवीय और संवेदनशील प्रशासन की मिसाल कायम हुई। सम्मान समारोह के दौरान महासमिति पदाधिकारियों ने कहा कि डॉ. अरविंद कुमार राव का कार्यकाल दिखाता है कि यदि प्रशासनिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो शहर की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली जा सकती हैं। कार्यक्रम के अंत में डॉ. राव ने नागरिक संगठनों के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वच्छ और हरित लखनऊ की दिशा में यह सामूहिक प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य समस्याओं में होम्योपैथी की भूमिका विषय पर एक महत्वपूर्ण तकनीकी व्याख्या का आयोजन किया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) उत्तर प्रदेश राज्य केंद्र लखनऊ द्वारा दिनांक 17 फरवरी 2026 को सायं 4:00 बजे इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स भवन, आई.ई.आई., रिवर बैंक कॉलोनी, लखनऊ में 'वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य समस्याओं में होम्योपैथी की भूमिका' विषय पर एक महत्वपूर्ण तकनीकी व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. नीरज वर्मा, पूर्व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (होम्योपैथी), वाराणसी मंडल, उत्तर प्रदेश ने सहभागिता की। अपने व्याख्यान में उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों में प्रचलित स्वास्थ्य समस्याओं जैसे जोड़ों का दर्द, घुटनों एवं कमर का दर्द, बार-बार खांसी व श्वसन संबंधी समस्याएं (दमा), पाचन संबंधी विकार जैसे कब्ज एवं गैस, मूत्र संबंधी समस्याएं, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, अनिद्रा, अवसाद, स्मरण शक्ति में कमी (Memory Loss) तथा अन्य अपक्षयी (Degenerative) रोगों में होम्योपैथी की प्रभावी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. वर्मा ने बताया कि होम्योपैथी उपचार पद्धति शरीर की प्राकृतिक रोग-प्रतिरोधक क्षमता को सुदृढ़ करती है तथा न्यूनतम दुष्प्रभावों के साथ दीर्घकालिक लाभ प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह उपचार पद्धति सुरक्षित, किफायती एवं विश्वसनीय विकल्प के रूप में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि सही निदान एवं योग्य चिकित्सकीय परामर्श के साथ होम्योपैथी अनेक दीर्घकालिक रोगों में सकारात्मक परिणाम देती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता The Institution of Engineers (India) के उत्तर प्रदेश राज्य केंद्र, लखनऊ के अध्यक्ष इं. वी. पी. सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य संरक्षण, जागरूकता एवं समुचित मार्गदर्शन के लिए इस प्रकार के व्याख्यान अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था भविष्य में भी ऐसे जनोपयोगी एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी।इस अवसर पर इं. वी. बी. सिंह, आईपी प्रेसिडेंट भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त संस्था के वरिष्ठ सदस्य एवं गणमान्य अतिथि कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. जसवंत सिंह (आईपी मानद सचिव) ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय संस्था के मानद सचिव इं. एन. के. निषाद द्वारा किया गया। उन्होंने सभी उपस्थित अभियंताओं, चिकित्सकों एवं गणमान्य सदस्यों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

सोनभद्र कलेक्ट्रेट में टीडीएस कटौती पर कार्यशाला जिलाधिकारी ने दिए वेतन से नियमित टैक्स कटौती के निर्देश

● वेतन से एकमुश्त नहीं, किस्तों में कटेगा टैक्स

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र। 17 फरवरी, 2026 सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के आयकर प्रबंधन को सुगम बनाने तथा टीडीएस (TDS) कटौती में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी श्री बी.एन. सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में आयकर विभाग के विशेषज्ञों ने आहरण एवं वितरण अधिकारियों (DDOs) को आवश्यक तकनीकी दिशा-निर्देश दिए। बैठक में आयकर अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों के वेतन से टीडीएस की कटौती वित्तीय वर्ष के अंत में एकमुश्त करने के बजाय नियमित रूप से की जानी चाहिए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि। टीडीएस की कटौती को आवश्यकतानुसार लगभग 12 किस्तों में विभाजित किया जाए। इससे वित्तीय वर्ष के अंत में कर्मचारियों पर अतिरिक्त कर भार (Ta& Burden) की स्थिति उत्पन्न नहीं होगी। सभी डीडीओ यह सुनिश्चित करें कि जिन कर्मचारियों की आय कर योग्य श्रेणी में है, उनकी कटौती अनिवार्य रूप से की जाए। इनकम टैक्स विभाग के अधिकारियों ने टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स (TDS) रिटर्न की फाइलिंग को लेकर कड़े निर्देश दिए। टीडीएस रिटर्न की फाइलिंग तय समय के भीतर और नियमित रूप से की जाए। प्रत्येक तिमाही में कटौती का मिलान (Reconciliation) संबंधित विवरणों से अवश्य किया जाए ताकि डेटा में कोई विसंगति न रहे। संबंधित कार्यालय कर्मचारियों से आवश्यक निवेश प्रपत्र (Investment Proofs) समय पर प्राप्त कर लें। कार्यशाला में बताया गया कि आयकर अधिनियम में हालिया परिवर्तनों के अनुसार आयकर दरों और कुछ प्रावधानों में संशोधन किए गए हैं। हालांकि, टीडीएस कटौती और रिटर्न फाइलिंग की मूल प्रक्रिया पहले की तरह ही रहेगी। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को इन निर्देशों का

अक्षरश पालन करने की चेतावनी दी है। इस सेमिनार में आयकर विभाग और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। संजीव कुमार पांडे (डिप्टी कमिश्नर ऑफ इनकम टैक्स, इलाहाबाद) अंसल पांडे (इनकम टैक्स ऑफिसर, टीडीएस, इलाहाबाद) इन्द्रभान सिंह (वरिष्ठ कोषाधिकारी, सोनभद्र) शिव कुमार पांडे (इनकम टैक्स इंस्पेक्टर) मिथुन कुमार, आलोक कुमार मिश्रा एवं अन्य संबंधित कर्मचारीगण। जिलाधिकारी का संदेश वित्तीय अनुशासन बनाए रखने के लिए समय पर टीडीएस कटौती और फाइलिंग अनिवार्य है। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता के लिए संबंधित डीडीओ जि मेदार होंगे।

गठन सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम: बस्ती में भाजपा की जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

● संगठन सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम: बस्ती में भाजपा की जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला

● आयोजितकार्यकर्ता निर्माण ही संगठन की शक्ति: पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान की जिला कार्यशाला सम्पन्न

● बूथ स्तर तक प्रशिक्षित कार्यकर्ता तैयार करेगा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियानविचार, व्यवहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले मेंभारतीय जनता पार्टी द्वारा जनपद बस्ती में प्रारंभ किए जा रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला मंगलवार को भाजपा कार्यालय सभागार में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रशिक्षण महाभियान की रूपरेखा, उद्देश्य एवं कार्यपद्धति से कार्यकर्ताओं को अवगत कराना रहा। प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत प्रदेश स्तर पर तीन दिवसीय, जिला स्तर पर दो दिवसीय, मंडल स्तर पर 24 घंटे तथा बूथ स्तर पर दो सत्रों में प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जाएंगे। कार्यशाला में पार्टी के जिला प्रभारी डा. समीर सिंह एवं जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने उपस्थित प्रतिनिधियों को प्रशिक्षण अभियान को लेकर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यशाला का संचालन पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं प्रशिक्षण महाभियान के जिला संयोजक प्रत्युष सिंह ने किया। पार्टी द्वारा यह निर्णय लिया गया कि प्रशिक्षण वर्ग बूथ स्तर तक आयोजित किए जाएंगे, जिससे संगठन की जड़ें और अधिक सुदृढ़ हों। डा. समीर सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यकर्ता को तराशने की प्रक्रिया है। व्यक्ति निर्माण से ही संगठन का निर्माण होता है। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान को संगठन सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह अभियान कार्यकर्ताओं को विचार, व्यवहार और नेतृत्व के स्तर पर समृद्ध करेगा। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और एकात्म मानववाद के दर्शन को भाजपा की कार्यसंस्कृति की आधारशिला बताया।

जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि यह प्रशिक्षण महाभियान कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त, अनुशासित और सेवा भाव से ओत-प्रोत बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन 'एक देश, एक विधान' का संदेश देता है, जबकि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानववाद राजनीति को अंतिम पंक्ति के व्यक्ति से जोड़ता है। उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा एक संगठन आधारित, कार्यकर्ता आधारित और विचारधारा आधारित राजनीतिक दल है।

श्री मिश्र ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे स्व. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों को अपने आचरण में उतारते हुए संगठन एवं राष्ट्र सेवा के पथ पर आगे बढ़ें। कार्यशाला में जिले में निवास करने वाले प्रदेश व क्षेत्र पदाधिकारी, जिला एवं मंडल प्रशिक्षण टोली, मण्डल प्रभारी एवं मण्डल अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी, जिला मोर्चा अध्यक्ष एवं महामंत्री, प्रकोष्ठ, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा, निवर्तमान विधानसभा प्रत्याशी, नगर पालिका एवं नगर पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख, प्रदेश एवं जिला, सहकारी संघ एवं बैंक के अध्यक्ष सम्मिलित हुए।

माँ काली के भक्त से परमहंस तक का सफ़र

रामकृष्ण परमहंस का जीवन भारतीय आध्यात्मिक इतिहास की एक अमूल्य धरोहर है। 18 फरवरी 1836 को पश्चिम बंगाल के हुगली नदी के किनारे बसे छोटे से ग्रामीण क्षेत्र कामारपुकुर में एक साधारण ब्राह्मण परिवार में उनका जन्म हुआ था। उनके पिता खुदीराम चट्टोपाध्याय एक गरीब लेकिन धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति थेए जो गाँव में पूजा.पाठ और धार्मिक कार्यों से जुड़े रहते थे। माता चंद्रमणि देवी भी परम भक्तिमयी स्त्री थींए जिनकी गोद में बालक गदाधरकृरामकृष्ण का बाल नामकृको बचपन से ही ईश्वरीय ज्योति प्राप्त हुई। गदाधर बचपन से ही असामान्य थे। वे सामान्य बाल लीला में कम रुचि रखते थे और अधिकतर वन.उपवन में भगवान के दर्शन में लीन रहते। गाँव के लोगों को अक्सर देखते कि वे पेड़ों की डालियों पर चढ़कर नाचते.गाते या मिट्टी के रूप में देवी.देवताओं की मूर्तियाँ बनाकर उनकी पूजा करते। एक बार होली के अवसर पर वे श्रीकृष्ण भक्ति में इतने तल्लीन हो गए कि नाचते.नाचते सामाधि की अवस्था में चले गएए जिससे गाँव वाले आश्चर्यचकित रह गए। इस घटना ने उनके आध्यात्मिक गुणों का प्रारंभिक परिचय दिया। कामारपुकुर से मात्र छह वर्ष की आयु में वे पिता के निधन के बाद भी आनंदमय रहते। किशोरावस्था में वे भाई रामकुमार के साथ पश्चिमी बंगाल के दक्षिणेश्वर पहुँचे। दक्षिणेश्वर काली मंदिरए जो रानी रासमणि द्वारा निर्मित एक भव्य स्थल थाए हुगली नदी के तट पर स्थित है। यहाँ नवनिर्मित काली मंदिर में रामकुमार पुजारी थे। गदाधर ने भी पूजा.अर्चना में सहायता की। धीरे.धीरे वे मंदिर के मुख्य पूजारी बन गए। माँ काली के प्रति उनकी भक्ति अथाह थी। वे मंदिर में पहुँचते ही माँ के चरणों में सिर झुकाते और घंटों भजन.कीर्तन में लीन हो जाते। एक बार उन्होंने माँ काली से भोजन माँगा तो माँ ने स्वयं भोजन परोस दिया। ऐसी अनेक लीलाएँ उनके जीवन में घटित हुई जो सिद्ध संत के प्रमाण हैं। रामकृष्ण को माँ काली के दर्शन हुए। वे कहतेए ष्माँ काली मेरी माँ हैंए वे मुझे भोजन कराती हैंए स्नान कराती हैं।ष् उनकी साधना इतनी तीव्र थी कि वे रात.दिन माँ के चिंतन में रहते। कभी.कभी वे मंदिर छोड़कर जंगल में चले जाते और पेड़ों पर चढ़कर माँ को पुकारते। इस तीव्र साधना से वे शारीरिक रूप से दुर्बल हो गएए लेकिन आध्यात्मिक ऊँचाइयों को छू लिया। रामकृष्ण की आध्यात्मिक यात्रा विविध मार्गों से होकर गुजरी। प्रथम वे शाक्त साधना में लीन हुए। भैरवी ब्राह्मणी नामक एक विदुषी साधिका उनके पास पहुँचीं और उन्हें तंत्र साधना का उपदेश दिया। उन्होंने चण्डी पाठए देवी महात्म्य का पाठ किया और श्मशान साधना में प्रवेश किया। श्मशान में साधना करते हुए उन्हें अनेक सिद्धियाँ प्राप्त हुईंए किंतु वे कभी उनका उपयोग नहीं किया। इसके पश्चात् उन्होंने वैष्णव साधना अपनाई। राधा.कृष्ण भक्ति में वे इतने तल्लीन हुए कि स्वयं को राधा समझने लगे। वे कहतेए मैं राधा हूँए गोपियों में एक गोपी।ष् इस साधना से उन्हें विराट रास का दर्शन हुआ। तत्पश्चात् उन्होंने इस्लाम धर्म का अभ्यास किया। एक सूफी संत के मार्गदर्शन में उन्होंने अल्लाह का स्मरण किया और अल्लाह का दर्शन प्राप्त किया। ईसाई धर्म की साधना में बाइबिल पढ़ी और जीसस क्राइस्ट का दर्शन हुआ। अंत में तोतापुरी नामक नगा साधु उनके पास आए। तोतापुरी ने उन्हें अद्वैत वेदांत का उपदेश दिया। रामकृष्ण ने पंचवटी में निराकार ब्रह्म की साधना की। तोतापुरी ने कहाए ष्यह काली रूपी अज्ञान को काट डालो।ष् रामकृष्ण ने नेत्र बंद कर निराकार सत्य को देखा। परंतु माँ काली के प्रति प्रेम के कारण नेत्र खुलते ही माँ दिखीं। तोतापुरी ने 6 दिनों तक प्रयास किया और अंत में रामकृष्ण को समाधि प्राप्त हुई। इस प्रकार उन्होंने सभी धर्मों का साधना कर एक ही परम सत्य की प्राप्ति की। उनका प्रसिद्ध कथन हैए ष्जितने मतए तितने पथ। अर्थात् जितने मत हैंए उतने ही मार्ग ईश्वर तक पहुँचने के। वे कहते जैसे विभिन्न नदियाँ समुद्र में मिल जाती हैंए वैसे सभी धर्म ईश्वर तक पहुँचाते हैं।

रामकृष्ण का व्यक्तिगत जीवन भी आध्यात्मिकता से परिपूर्ण था। उनका विवाह सारदा देवी से हुआए जो मात्र 5 वर्ष की थीं। विवाह मात्र नाममात्र का था। सारदा देवी बाद में उनकी आध्यात्मिक सहधर्मिणी बनीं और रामकृष्ण मिशन में माँ शारदा के रूप में पूजनीय हुईं। रामकृष्ण कहतेए ष्सारदा मेरी शक्ति हैं।ष् वे गृहस्थ जीवन में रहते हुए संन्यासी के समान ब्रह्मचर्य का पालन करते। उनके भतीजे हृदय ने उनके दैनिक कार्यों में सहायता की। रामकृष्ण को भक्तों के बीच भवसमाधि की अवस्था आ जाती। भवसमाधि में वे ईश्वरानुभूति में डूब जाते। केशव चंद्र सेन जैसे ब्रह्म समाज के विद्वान उनके दर्शन को आते। रामकृष्ण ब्रह्म समाज को प्रेम पूर्वक उपदेश देते। वे कहतेए ष्भगवान भक्ति के बिना ज्ञान नहीं।ष् उनके उपदेश सरलए ग्रामीण भाषा में होतेए किंतु गहन अर्थपूर्ण। वे कहानियोंए दृष्टांतों से समझाते। जैसे ष्मछली जाल में फँस जाती हैए किंतु पानी को कभी नहीं छोड़ती। वैसे भक्त संसार के जाल में फँसकर भी ईश्वर को नहीं छोड़ता। रामकृष्ण के जीवन में विवेकानंद का आगमन एक महत्वपूर्ण घटना थी। नरेंद्रनाथ दत्त नामक युवाए जो ब्रह्म समाज से जुड़े थेए उनके पास संशय लेकर आए। रामकृष्ण ने कहाए ष्हाँए ईश्वर हैं।ष् धीरे.धीरे नरेंद्र उनके प्रमुख शिष्य बने। रामकृष्ण ने उन्हें संन्यास का उपदेश दिया। अन्य शिष्य जैसे राकहलए बाबुरामए निरंजनानंद आदि भी उनके चरणों में बैठे। रामकृष्ण ने कहाए ष्मेरे शिष्य जगत के कल्याण के लिए जन्मे हैं। 1885 में उन्हें गले का कर्करोग हुआ। वे कोसिपुर उद्यान बारी में रहे। वहाँ भक्तों ने सेवा की। अंतिम दिनों में वे शिष्यों को उपदेश देते रहे। 16 अगस्त 1886 को वे महासमाधि को प्राप्त हुए। मृत्यु से पूर्व उन्होंने विवेकानंद को मिशन का उत्तराधिकारी बनाया।

रामकृष्ण की विरासत रामकृष्ण मिशन के रूप में आज विश्वव्यापी है। स्वामी विवेकानंद ने 1897 में इसकी स्थापना की। मिशन शिक्षाए चिकित्साए आपदा राहतए ग्रामीण विकास में सक्रिय है। रामकृष्ण मठ विश्व भर में हैं। उनके उपदेश श्श्री रामकृष्ण कथामृतश् में संकलित हैंए जो महेंद्रनाथ गुप्त ;श्रीमद्ध द्वारा लिखित है। यह ग्रंथ उनके संवादों का संग्रह है। रामकृष्ण ने वेदांत को आधुनिक रूप दिया। वे कहतेए ष्नर से नारायण बनना।ष् अर्थात् मनुष्य को ईश्वर प्रकट करना। उनके विचार सभी धर्मों के प्रति समावेशी हैं। आज के विभाजित समाज में उनकी एकता का संदेश अत्यंत प्रासंगिक है। महात्मा गांधीए रवींद्रनाथ टैगोर जैसे महापुरुष उनके अनुयायी रहे। विवेकानंद ने शिकागो धर्म संसद में रामकृष्ण के संदेश को विश्व पटल पर पहुँचाया। रामकृष्ण का जीवन प्रमाणित करता है कि सच्ची साधना सीमाओं से परे होती है। वे न तो विद्वान थेए न लेखकए किंतु उनके हृदय से निकले वचन अमर हैं। उनके कुछ प्रमुख वचन हैंरू ष्भगवान को पाने के लिए भूखे श्वान की भाँति रोओ।ष् ष्ईश्वर भजन के बिना नहीं मिलते।ष् ष्स्त्री जाति को देवी समझो।ष् ष्जो कामना रहित हैए वही सच्चा भक्त।ष् रामकृष्ण का जीवन एक दर्पण हैए जो हमें आध्यात्मिकता की ओर ले जाता है। वे कहतेए ष्मैं कोई अवतार नहींए केवल भक्त हूँ।ष् किंतु उनके अनुयायी उन्हें अवतार मानते। दक्षिणेश्वर काली मंदिर आज तीर्थस्थल है। वहाँ उनके चित्र से दर्शन होते हैं। कामारपुकुर में जन्मभूमि मंदिर है। विश्व भर में रामकृष्ण जयंती धूमधाम से मनाई जाती। उनके जीवन से हम सीखते हैं कि भक्तिए ज्ञानए कर्म सभी मार्ग ईश्वर तक ले जाते। आज के भौतिकवादी युग में रामकृष्ण का संदेश आध्यात्मिक जागरण का माध्यम है। उनका जीवन सिद्ध करता है कि साधारण मनुष्य भी परम सत्य प्राप्त कर सकता है। रामकृष्ण परमहंस अमर हैं।

महेन्द्र तिवारी

संपादकीय

किम सत्ता का उत्तराधिकार परिवार शक्ति और भविष्य की राजनीति

उत्तर कोरिया की राजनीति एक बार फिर उत्तराधिकार के सवाल पर केंद्रित हो गई है। 42 वर्षीय नेता किम जोंग-उन की सेहत को लेकर समय-समय पर उठने वाले प्रश्नों और उनकी 13 वर्षीय बेटी किम जू-ऐ की बढ़ती सार्वजनिक उपस्थिति ने अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों का ध्यान आकर्षित किया है। वहीं उनकी छोटी बहन किम यो-जोंग भी सत्ता समीकरण में एक मजबूत दावेदार मानी जाती हैं। ऐसे में यह बहस तेज है कि यदि अचानक सत्ता परिवर्तन की स्थिति बनती है तो उत्तर कोरिया की बागडोर किसके हाथ में जाएगी। उत्तर कोरिया में सत्ता हस्तांतरण की परंपरा कोई नई नहीं है। देश के संस्थापक किम इल-सुंग के बाद उनके पुत्र किम जोंग-इल और फिर उनसे आगे किम जोंग-उन ने नेतृत्व संभाला। इस वंशानुगत व्यवस्था ने कम्युनिस्ट ढांचे के भीतर भी एक राजवंशीय मॉडल स्थापित कर दिया। इसलिए जब किम जोंग-उन अपनी बेटी को सैन्य परेडों और रणनीतिक कार्यक्रमों में साथ लाने लगे तो इसे एक प्रतीकात्मक संदेश के रूप में देखा गया।

किम जू-ऐ पहली बार 2022 में अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण के दौरान सार्वजनिक रूप से सामने आई थीं। इसके बाद वह कई महत्वपूर्ण सैन्य और राजनीतिक आयोजनों में दिखाई दीं। विशेषज्ञों का मानना है कि इतनी कम उम्र में इस तरह की मौजूदगी केवल पारिवारिक प्रदर्शन नहीं बल्कि दीर्घकालिक राजनीतिक संकेत हो सकता है। हालांकि उनकी उम्र और अनुभव को देखते हुए तत्काल नेतृत्व संभालना व्यावहारिक रूप से कठिन माना जाता है। दूसरी ओर किम यो-जोंग लंबे समय से सत्ता के केंद्र में सक्रिय हैं। वे कोरियाई वर्कर्स पार्टी के संगठन और मार्गदर्शन विभाग में प्रभावशाली भूमिका निभा चुकी हैं और देश की नीतिगत घोषणाओं में प्रमुख चेहरा रही हैं। 2018 के शीतकालीन ओलंपिक के दौरान दक्षिण कोरिया में उनकी उपस्थिति और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ शिखर कूटनीति की पृष्ठभूमि में उनकी भूमिका ने उनकी राजनीतिक हैसियत को वैश्विक स्तर पर स्थापित किया। उन्हें अक्सर अपने भाई की रणनीतिक सलाहकार और छवि प्रबंधक के रूप में देखा जाता है।

दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने संकेत दिया है कि यदि तत्काल सत्ता खाली होती है तो सबसे तैयार चेहरा किम यो-जोंग हो सकती हैं। उनकी उम्र अनुभव और पार्टी तथा सेना पर पकड़ उन्हें स्वाभाविक दावेदार बनाती है। विश्लेषकों का कहना है कि उत्तर कोरिया की सत्ता संरचना अत्यंत केंद्रीकृत है और शीर्ष नेता के इर्द-गिर्द ही निर्णय प्रक्रिया चलती है। ऐसे में सत्ता संघर्ष की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

उत्तर कोरिया की राजनीतिक प्रणाली में परिवार की भूमिका सर्वोपरि रही है। सत्ता केवल प्रशासनिक नियंत्रण नहीं बल्कि वैचारिक प्रतीक भी है। किम परिवार को राष्ट्र की पहचान के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसी कारण उत्तराधिकार का प्रश्न केवल व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा नहीं बल्कि शासन की स्थिरता से भी जुड़ा है। यदि बेटी को भविष्य के नेता के रूप में तैयार किया जाता है तो संभव है कि प्रारंभिक वर्षों में एक सामूहिक नेतृत्व मॉडल अपनाया जाए जिसमें किम यो-जोंग जैसी वरिष्ठ हस्तियां मार्गदर्शक की भूमिका निभाएं।

अंतरराष्ट्रीय संदर्भ भी इस बहस को प्रभावित करता है। 2018 में सिंगापुर और हनोई में हुई शिखर वार्ताओं ने उत्तर कोरिया और अमेरिका के रिश्तों में नई दिशा दी थी। ट्रम्प और किम जोंग-उन की मुलाकातों ने दशकों पुराने तनाव को कुछ हद तक कम किया। हालांकि परमाणु निरस्त्रीकरण पर ठोस प्रगति नहीं हुई, फिर भी संवाद की राह खुली। कोविड-19 महामारी के बाद उत्तर कोरिया ने अपनी सीमाएं लगभग बंद कर लीं जिससे देश और अधिक अलग-थलग हो गया। अमेरिका में प्रशासन परिवर्तन के बाद संबंधों में उतार-चढ़ाव आया। लेकिन क्षेत्रीय भू-राजनीति विशेषकर चीन और रूस के साथ उत्तर कोरिया की निकटता ने उसे कूटनीतिक संतुलन बनाने का अवसर दिया। यदि भविष्य में किम जू-ऐ नेतृत्व संभालती हैं तो उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि वे सैन्य सख्ती और आर्थिक सुधारों के बीच संतुलन स्थापित करें। वहीं यदि किम यो-जोंग सत्ता में आती हैं तो संभव है कि वर्तमान नीतियों की निरंतरता अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई दे।

किम जोंग-उन की सेहत को लेकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया में समय-समय पर अटकलें लगती रही हैं। उनका बढ़ता वजन और जीवनशैली संबंधी खबरें चर्चा का विषय बनती हैं, हालांकि प्योंगयांग से आधिकारिक जानकारी बहुत सीमित आती है। उनके पिता किम जोंग-इल की मृत्यु भी दिल का दौरा पड़ने से हुई थी, इसलिए स्वास्थ्य संबंधी चर्चाएं राजनीतिक विश्लेषण से जुड़ जाती हैं। उत्तराधिकार का प्रश्न केवल उत्तर कोरिया की आंतरिक राजनीति का विषय नहीं है। यह पूर्वी एशिया की सुरक्षा संरचना और वैश्विक शक्ति संतुलन से भी जुड़ा है। दक्षिण कोरिया, जापान, चीन और अमेरिका सभी इस संभावित परिवर्तन पर नजर रखे हुए हैं। पांच वर्षीय पार्टी सम्मेलन जैसे बड़े राजनीतिक आयोजनों में यदि किम जू-ऐ को औपचारिक भूमिका मिलती है तो यह स्पष्ट संकेत होगा कि दीर्घकालिक तैयारी शुरू हो चुकी है।

इतिहास बताता है कि उत्तर कोरिया में सत्ता परिवर्तन अचानक कम और योजनाबद्ध अधिक रहा है। किम जोंग-उन को भी अपने पिता के जीवनकाल में ही उत्तराधिकारी के रूप में स्थापित किया गया था। इसलिए यदि वे अपनी बेटी को आगे लाना चाहते हैं तो आने वाले वर्षों में उनके सार्वजनिक कद और राजनीतिक जिम्मेदारियों में क्रमिक वृद्धि देखी जा सकती है।

फिलहाल स्थिति यह संकेत देती है कि तात्कालिक परिदृश्य में किम यो-जोंग सबसे सक्षम विकल्प हैं, जबकि दीर्घकाल में किम जू-ऐ को एक प्रतीकात्मक और संभावित उत्तराधिकारी के रूप में तैयार किया जा रहा है। उत्तर कोरिया की बंद राजनीतिक व्यवस्था में अंतिम निर्णय केवल शीर्ष नेतृत्व के हाथ में होता है। इसलिए दुनिया की निगाहें प्योंगयांग पर टिकी रहेंगी कि किम परिवार की अगली पीढ़ी सत्ता की इस विरासत को किस दिशा में ले जाती है।

सीधे भारत मंडपम से... क्या AI के क्षेत्र में दुनिया को पछाड़ पाएगा भारत?

दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित हो रहे वैश्विक एआई सम्मेलन में दो दिन से चल रहे विचार मंथन से एक बात उभर कर आई है कि एआई के समक्ष खड़ी चुनौतियों के हल के लिए दुनिया भारत की ओर निहार रही है। देखना होगा कि सम्मेलन के अंत में दिल्ली डिक्लेरेशन से क्या निकल कर आता है। लेकिन यहां एक ओर बात की आवश्यकता महसूस हुई कि भारत को यदि इस क्षेत्र में नेतृत्व हासिल करना है तो बड़े निवेश और सरल तथा प्रभावी नीतियों की भी जरूरत है। देखा जाए तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई अब केवल नई तकनीक का आकर्षण नहीं रही, बल्कि यह अर्थव्यवस्था, उद्योग, ऊर्जा, नीति और वैश्विक शक्ति संतुलन का केंद्र बन चुकी है। दुनिया के बड़े देश इसे रणनीतिक साधन की तरह देख रहे हैं। डाटा, कंप्यूटिंग शक्ति और उन्नत चिप आज के दौर का नया तेल बन चुके हैं। ऐसे समय में भारत के सामने मूल प्रश्न यह है कि वह एआई की दौड़ में केवल उपभोक्ता बन कर रहेगा या निर्माता और नेता की भूमिका निभाएगा।

भारत ने पहले भी तकनीकी मोड़ पर सही फैसले लेकर इतिहास बदला है। नब्बे के दशक में सूचना तकनीक और सॉफ्टवेयर सेवाओं पर जोर देने से लाखों रोजगार बने, भारतीय कंपनियां दुनिया भर में छा गई और देश को नई पहचान मिली। आज एक वैसा ही मोड़ फिर सामने है, लेकिन इस बार दांव कहीं बड़ा है। एआई न केवल सेवाओं को, बल्कि कारखानों, आपूर्ति श्रृंखलाओं, दवा उद्योग, परिवहन और ऊर्जा व्यवस्था तक को बदल सकती है। यह समझना जरूरी है कि एआई एक ही तरह की चीज नहीं है। उपभोक्ता एआई, जैसे चैट टूल या मनोरंजन आधारित अनुप्रयोग, तेजी से लोकप्रिय होते हैं, पर इन पर अक्सर कुछ ही बड़ी कंपनियों का दबदबा हो जाता है। इसके विपरीत औद्योगिक एआई हर क्षेत्र के लिए अलग समाधान मांगती है। हर उद्योग का अपना डाटा, अपनी समस्या और अपना कामकाज होता है। इसलिए क्षेत्र विशेष मॉडल बनते हैं। यही भारत की ताकत बन सकती है, क्योंकि यहां उद्योगों की विविधता और पैमाना दोनों मौजूद हैं। उदाहरण के लिए दो पहिया वाहन उद्योग को लें। भारत दुनिया के सबसे बड़े दो पहिया बाजारों में है। यह क्षेत्र रोजगार, शहरीकरण और आय वृद्धि से जुड़ा है। अब इलेक्ट्रिक दो पहिया का चलन भी बढ़ रहा है। ऐसे में एआई आधारित मांग अनुमान, डिजाइन सुधार, गुणवत्ता जांच और आपूर्ति प्रबंधन से भारी लाभ हो सकता है। मशीन लर्निंग सिस्टम खराबी का पहले ही संकेत दे सकते हैं। इससे ठहराव घटता है, लागत कम होती है और उत्पादन तेज होता है। दवा उद्योग में भी अवसर विशाल हैं। भारत जेनेरिक दवाओं का बड़ा उत्पादक है, पर गुणवत्ता बनाए रखना चुनौती रहता है। एआई आधारित विजन सिस्टम उत्पादन के दौरान सूक्ष्म दोष पकड़ सकते हैं। डाटा विश्लेषण से प्रक्रिया स्थिर रखी जा सकती है। रोबोटिक ऑटोमेशन दोहराव वाले काम सुरक्षित और सटीक तरीके से कर सकता है। इससे भारत की विश्वसनीयता बढ़ेगी और ऊंचे मूल्य वाले बाजार खुलेंगे। लेकिन एआई की ताकत केवल सॉफ्टवेयर से नहीं आती, इसके लिए भारी कंप्यूटिंग शक्ति चाहिए, जो उन्नत चिप यानी जीपीयू से मिलती है। ये चिप बहुत महंगी होती हैं। एक उन्नत जीपीयू की कीमत लाखों रुपये तक जा सकती है। भारत ने हजारों जीपीयू लगाए हैं और डाटा केंद्र तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले वर्ष डाटा केंद्रों ने बिजली ग्रिड से भारी मात्रा में बिजली ली, जो किसी बड़े शहर की मांग के बराबर बैठती है। आने वाले वर्षों में यह मांग कई गुना बढ़ सकती है। यह भारत की बढ़ती डिजिटल क्षमता का संकेत है, पर साथ ही ऊर्जा चुनौती का भी। अगर भारत को एआई में अग्रणी बनना है तो केवल कुछ हजार जीपीयू काफी नहीं होंगे। अमेरिका आज भी इस क्षेत्र में आगे है। उसके पास विशाल डाटा केंद्र क्षमता है और वह उन्नत जीपीयू की आपूर्ति पर नियंत्रण रखता है। इसी कारण वह तकनीकी बढ़त बनाए हुए है। चीन को रोकने की रणनीति में भी चिप आपूर्ति अहम रही है। चीन ने भी इस दौड़ को बहुत पहले समझ लिया था। उसने चिप निर्माण में भारी निवेश किया। उसकी बड़ी तकनीकी कंपनियां अपने एआई चिप बना रही हैं। भले वे अभी सबसे उन्नत स्तर पर न हों, पर तेजी से आगे बढ़ रही हैं। अमेरिका में भी बड़ी तकनीकी कंपनियां खुद चिप डिजाइन में उतर चुकी हैं। ऐसे माहौल में यदि भारत केवल पुराने स्तर की चिप बनाता रह गया तो वह पीछे छूट सकता है। तो क्या समाधान है? क्या हमें अपनी आकांक्षा घटा लेनी चाहिए? कुछ लोग कहते हैं कि भारत की प्रति व्यक्ति बिजली खपत अभी विकसित देशों से कम है। जैसे जैसे लोग समृद्ध होंगे, उन्हें घरों में अधिक बिजली चाहिए होगी। अगर एआई के कारण बिजली महंगी हुई तो जीवन स्तर प्रभावित हो सकता है। यह चिंता सही है, पर इसका मतलब यह नहीं कि हम पीछे हट जाएं। दरअसल जरूरत बड़े सोच की है। भारत को एक साथ दो मोर्चों पर काम करना होगा। पहला, घरेलू चिप निर्माण और डिजाइन को बढ़ावा देना। इसके लिए नीति समर्थन, निवेश और कौशल विकास जरूरी है। दूसरा, ऊर्जा ढांचा मजबूत करना। नवीकरणीय ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा, बेहतर ग्रिड और भंडारण तकनीक पर जोर देना होगा ताकि डाटा केंद्रों की मांग पूरी हो सके। इसके साथ ही एआई का लाभ केवल बड़ी कंपनियों तक सीमित न रहे। मध्यम और छोटे उद्योगों तक भी पहुंचे। इसके लिए साझा प्लेटफॉर्म, क्लाउड ढांचा और क्षेत्र विशेष समाधान जरूरी हैं। सरकार, उद्योग और शिक्षण संस्थानों को मिल कर काम करना होगा। शोध संस्थान मॉडल विकसित करें, उद्योग वास्तविक समस्याएं और डाटा दें, और सरकार नियम, प्रोत्साहन तथा अवसंरचना दे। भारत को ऐसे नेतृत्व की भी जरूरत है जो अलग अलग पक्षों को जोड़ सके और भरोसा बना सके। एआई को नौकरी छीनने वाली नहीं, बल्कि नई क्षमता देने वाली तकनीक के रूप में समझाना होगा। कौशल प्रशिक्षण, पुनः प्रशिक्षण और शिक्षा सुधार पर जोर देना होगा। बहरहाल, अब सवाल यह है कि एआई की दिशा कौन तय करेगा? अगर भारत ने समय रहते साहसिक फैसले लिए, चिप निर्माण, ऊर्जा ढांचा और औद्योगिक एआई पर जोर दिया, तो वह केवल तकनीक का बाजार नहीं रहेगा, बल्कि दिशा देने वाला देश बन सकता है। आईटी क्रांति ने भारत को विश्व मंच पर जगह दी थी। एआई और उन्नत कंप्यूटिंग भारत को आर्थिक शक्ति और तकनीकी आत्मनिर्भरता के नए दौर में पहुंचा सकती है। अवसर हमारे सामने है। अब निर्णय और क्रियान्वयन हमारी जिम्मेदारी है।

कांग्रेस में अनुशासन संकट और नेतृत्व पर उठते सवाल

भारतीय राजनीति में दलों के भीतर मतभेद कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब ये मतभेद सार्वजनिक मंचों से तीखे व्यक्तिगत हमलों में बदल जाएं, तो उनका असर केवल पार्टी की छवि तक सीमित नहीं रहता बल्कि व्यापक राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित करता है। हाल के दिनों में मणिशंकर अय्यर, पवन खेड़ा और जयराम रमेश के बीच चला बयानबाजी का दौर इसी प्रवृत्ति का उदाहरण है। इस विवाद ने कांग्रेस के भीतर अनुशासन, नेतृत्व और वैचारिक स्पष्टता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।

विवाद की पृष्ठभूमि केरल की राजनीति से जुड़ी है, जहां वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री पिनराई विजयन की संभावित वापसी को लेकर बयान सामने आया। कांग्रेस लंबे समय से केरल में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा के माध्यम से सत्ता में वापसी का प्रयास करती रही है। ऐसे में पार्टी के वरिष्ठ नेता द्वारा सार्वजनिक रूप से प्रतिद्वंद्वी मोर्चे के नेता की प्रशंसा और उनके दोबारा मुख्यमंत्री बनने की भविष्यवाणी करना स्वाभाविक रूप से विवाद का कारण बना। पार्टी प्रवक्ता की ओर से यह कहा जाना कि संबंधित नेता व्यक्तिगत क्षमता में बोल रहे हैं और उनका पार्टी से औपचारिक संबंध सक्रिय नहीं है, आग में घी डालने जैसा साबित हुआ।

इसके बाद जिस तरह से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई, उसने राजनीतिक असहमति को व्यक्तिगत कटाक्षों में बदल दिया। किसी को कठपुतली या तोता कहना, पार्टी सहयोगियों को राउडी बताना या सार्वजनिक रूप से यह कहना कि यदि निकाला गया तो प्रतिशोध लेंगे, यह सब उस राजनीतिक संस्कृति को दर्शाता है जिसमें संयम और संवाद की जगह उत्तेजना और आक्रोश ले लेते हैं। लोकतांत्रिक दलों में असहमति स्वाभाविक है, परंतु असहमति की अभिव्यक्ति का भी एक मर्यादित तरीका होता है। जब वरिष्ठ नेता ही मर्यादा की सीमाएं लांघते दिखें, तो कार्यकर्ताओं और समर्थकों को क्या संदेश जाता है, यह विचारणीय है।

कांग्रेस एक ऐतिहासिक दल है जिसने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आधुनिक भारत के निर्माण तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और डॉ. राजेंद्र प्रसाद जैसे नेताओं की विरासत का दावा करने वाला दल यदि अपने ही नेताओं के बीच सार्वजनिक कटुता से जूझता दिखे, तो मतदाताओं में भ्रम और निराशा स्वाभाविक है। आज जब भारतीय राजनीति अत्यंत प्रतिस्पर्धी और ध्रुवीकृत हो चुकी है, तब किसी भी दल के लिए आंतरिक एकजुटता उसकी सबसे बड़ी ताकत होती है।

नेतृत्व का प्रश्न भी इस पूरे विवाद के केंद्र में है। पार्टी के भीतर यह धारणा बनना कि कौन गांधीवादी है, कौन नेहरूवादी है और कौन किस नेतृत्व के प्रति प्रतिबद्ध है, यह वैचारिक बहस का विषय हो सकता है। लेकिन जब यह बहस सार्वजनिक मंच से चुनौती और कटाक्ष के रूप में सामने आए, तो वह संगठनात्मक अनुशासन को कमजोर करती है। किसी भी राजनीतिक दल में नेतृत्व के प्रति असहमति दर्ज कराने के औपचारिक मंच होते हैं–कार्यसमिति, समन्वय बैठकें, आंतरिक संवाद। यदि इन मंचों की बजाय मीडिया और सार्वजनिक सभाओं को माध्यम बनाया जाए, तो संदेश यही जाता है कि पार्टी के भीतर संवाद की प्रक्रिया कमजोर है।

इस प्रकरण का एक व्यापक राजनीतिक आयाम भी है। विपक्षी दल ऐसे बयानों को तुरंत लपकते हैं और यह संदेश देने का प्रयास करते हैं कि पार्टी के भीतर नेतृत्व पर भरोसा नहीं है। इससे न केवल पार्टी की साख पर असर पड़ता है, बल्कि गठबंधन राजनीति में भी उसकी स्थिति कमजोर होती है। केरल जैसे राज्यों में जहां बहुकोणीय मुकाबला है, वहां विपक्षी एकता और स्पष्ट रणनीति की आवश्यकता और भी अधिक होती है। यदि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ही अलग-अलग सुर में बोलते दिखें, तो कार्यकर्ताओं का मनोबल गिरना स्वाभाविक है। कांग्रेस के सामने चुनौती केवल चुनाव जीतने की नहीं है, बल्कि संगठन को पुनर्गठित करने और कार्यकर्ताओं में विश्वास जगाने की भी है। पिछले वर्षों में कई वरिष्ठ नेताओं का पार्टी छोड़ना या निष्क्रिय हो जाना यह संकेत देता है कि भीतर कहीं संवाद और संतुलन की कमी रही है। अनुशासन केवल दंडात्मक कार्रवाई से स्थापित नहीं होता, बल्कि पारदर्शी संवाद, स्पष्ट जिम्मेदारी और सामूहिक निर्णय प्रक्रिया से बनता है। यदि कोई नेता पार्टी लाइन से अलग बयान देता है, तो पहले आंतरिक स्तर पर बात होनी चाहिए। सार्वजनिक फटकार या सार्वजनिक अपमान स्थिति को और बिगाड़ता है।

राजनीति में शब्दों का महत्व बहुत बड़ा होता है। एक कठोर टिप्पणी क्षणिक संतोष दे सकती है, लेकिन दीर्घकाल में वह संगठन की छवि को नुकसान पहुंचाती है। मतदाता केवल नीतियों और घोषणाओं को नहीं देखते, बल्कि नेताओं के व्यवहार और भाषा को भी परखते हैं। जब मंच से अभद्रता या व्यक्तिगत हमले दिखाई देते हैं, तो आम नागरिक यह सोचने पर मजबूर होता है कि क्या यही राजनीतिक संस्कृति देश को दिशा देगी।

कांग्रेस के लिए यह समय आत्ममंथन का है। उसे यह तय करना होगा कि क्या वह व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं और सार्वजनिक बयानबाजी के आधार पर आगे बढ़ेगी या सामूहिक नेतृत्व और अनुशासन के आधार पर। संगठन के भीतर मतभेदों को स्वीकार करते हुए भी एक साझा सार्वजनिक रुख अपनाना आवश्यक है। पार्टी को अपने प्रवक्ताओं और वरिष्ठ नेताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा, ताकि संदेश स्पष्ट और एकसमान रहे।

अंततः किसी भी राजनीतिक दल की मजबूती उसके विचार, संगठन और अनुशासन से तय होती है। यदि कांग्रेस को अपने गिरते जनाधार को पुनर्जीवित करना है, तो उसे शांत चित्त से सोचकर संगठनात्मक सुधार, नेतृत्व की स्पष्टता और संवाद की संस्कृति को मजबूत करना होगा। सार्वजनिक मंचों से कटाक्ष और आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति अल्पकालिक सुर्खियां तो दिला सकती है, परंतु दीर्घकाल में वही दल सफल होता है जो संयम, एकजुटता और स्पष्ट दिशा के साथ आगे बढ़ता है। कांग्रेस के सामने आज यही सबसे बड़ी परीक्षा है।

कांतिलाल मांडोत

भारतीय ज्ञान परंपरा और विज्ञान शिक्षा: सोच-समझकर आगे बढ़ने की आवश्यकता

भारतीय शिक्षा जगत में 'भारतीय ज्ञान परंपरा' का पुनरुत्थान निश्चय ही एक स्वागतयोग्य पहल है। यह केवल अतीत के गौरव का स्मरण नहीं, बल्कि बौद्धिक आत्मविश्वास के पुनर्निर्माण का प्रयास भी है। किंतु इसकी सार्थकता इस बात पर निर्भर करेगी कि श्रद्धा और तर्क के बीच संतुलन किस प्रकार स्थापित किया जाता है। विज्ञान शिक्षा का उद्देश्य किसी परंपरा को भावनात्मक आग्रह से स्वीकार करना नहीं, बल्कि परीक्षण, प्रमाण और तार्किक सुसंगति के आधार पर सत्य की खोज करना है। अतः विरासत का सम्मान तभी सार्थक होगा, जब उसे वर्तमान संदर्भ में विवेकपूर्ण ढंग से पुनर्जीवित किया जाए। आज मूल प्रश्न यह नहीं है कि भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रम में स्थान मिले या नहीं, बल्कि यह है कि उसका स्वरूप, मानक और सीमाएँ क्या हों। भारतीय ज्ञान परंपरा एक बहुस्तरीय अवधारणा है, जिसमें गणित, खगोल, आयुर्वेद, कृषि, पर्यावरण, वास्तुकला और अर्थशास्त्र जैसे विज्ञान-सम्मत विषय भी सम्मिलित हैं; साथ ही दर्शन, परा-चेतना और जीवन-शैली संबंधी चिंतन भी इसका हिस्सा है। इस समग्र ज्ञान को बिना विवेक के 'विज्ञान' के एक ही साँचे में ढालना न तो अकादमिक दृष्टि से उचित है और न ही शिक्षा की गुणवत्ता के लिए हितकर। इसलिए विषय-वस्तु का श्रेणीबद्ध वर्गीकरण अनिवार्य प्रतीत होता है। विज्ञान शिक्षा की दृष्टि से भारतीय ज्ञान संपदा को पाँच श्रेणियों में समझा जा सकता है। पहली श्रेणी में वह ज्ञान और खोजें आती हैं, जो आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर पूर्णतः प्रमाणित हैं। इसमें आर्यभट्ट से लेकर आधुनिक भारत के वैज्ञानिकों–जैसे जगदीश चंद्र बसु, सी. वी. रमन, सत्येंद्र नाथ बोस, मेघनाद साहा, होमी भाभा, विक्रम साराभाई, श्रीनिवास रामानुजन, वेंकटरमन रामकृष्णन और ए. पी. जे. अब्दुल कलाम–के वैज्ञानिक योगदान सम्मिलित हैं। इनके प्रमाणित शोधों को पाठ्यक्रम में प्रमुखता देना न केवल न्यायसंगत होगा, बल्कि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक आत्मविश्वास भी विकसित करेगा। दूसरी श्रेणी में वे प्राचीन भारतीय अवधारणाएँ रखी जा सकती हैं, जिन्हें आधुनिक विज्ञान प्रत्यक्ष रूप से स्वीकार नहीं करता, किंतु जिनसे वैज्ञानिक चिंतन को वैचारिक प्रेरणा मिलती है। सांख्य दर्शन का प्रकृति-परिवर्तन सिद्धांत, उपनिषदों का ऊर्जा-चेतना संबंध, रस-शास्त्र की धातु अवधारणाएँ अथवा दशावतार में विकास की प्रतीकात्मक कल्पना–इन सभी को ऐतिहासिक और दार्शनिक संदर्भ में प्रस्तुत किया जाना चाहिए, न कि स्थापित वैज्ञानिक सत्य के रूप में। तीसरी श्रेणी में वे विषय आते हैं, जो प्रथम दृष्टया विज्ञान-सम्मत प्रतीत होते हैं, किंतु जिनका वैश्विक प्रमाणीकरण अभी शेष है, जैसे आयुर्वेद के कुछ उपचार, पारंपरिक कृषि प्रणालियाँ अथवा प्राचीन ग्रंथों में वर्णित कुछ वैज्ञानिक-तकनीकी दावे। इन्हें अंतिम सत्य के रूप में नहीं, बल्कि संभावित अनुसंधान विषय के रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए, जिससे विद्यार्थी अंधानुकरण के बजाय वैज्ञानिक परीक्षण की ओर प्रवृत्त हों। यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि विश्व के अनेक विश्वविद्यालय भारतीय ग्रंथों में निहित विज्ञान-सम्मत तथ्यों को समझने और प्रमाणित करने में लगे हैं–ऐसे में भारत का पीछे रह जाना दुर्भाग्यपूर्ण होगा। चतुर्थ श्रेणी दार्शनिक और प्रतीकात्मक चिंतन की है, जैसे सांख्य और वैशेषिक दर्शन। इनका उद्देश्य जीवन-दृष्टि प्रदान करना रहा है, अतः इन्हें विज्ञान की पाठ्य-पुस्तकों के बजाय 'विज्ञान का इतिहास और दर्शन' जैसे पाठ्यक्रमों में स्थान देना अधिक उपयुक्त होगा। पाँचवीं श्रेणी में भारतीय वैज्ञानिकों के जीवन-संघर्ष और प्रेरक कथाएँ सम्मिलित की जानी चाहिए, जिससे यह संदेश मिले कि भारत में रहते हुए भी विश्वस्तरीय शोध संभव है। यह भी स्मरणीय है कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल प्राचीन काल तक सीमित नहीं है। आधुनिक भारत के वैज्ञानिकों और शोध संस्थानों ने भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहनीय अनुसंधान किए हैं। इन्हें पाठ्यक्रम में सम्मिलित कर देशज अनुसंधान को प्रोत्साहित किया जा सकता है। विशेष ध्यान देने योग्य पहलू है कि भारतीय ज्ञान परंपरा के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए अनेकों लेखकों ने इस परंपरा से जुड़े हुए विभिन्न विषयों पर न केवल पुस्तकें, अध्याय एवं शोध-लेख आदि का लेखन किया है(जिनका वैज्ञानिक कसौटी पर परीक्षण अभी शेष है)बल्कि इन्हें पाठ्यक्रम में सम्मिलित करवाने के लिए भी निरंतर प्रयासरत रहे हैं, कुछ को सफलता भी मिली है। मेरा ऐसा मानना है कि ऐसी किसी भी लेखन को पाठ्यक्रम, संदर्भ-ग्रंथ या पाठ्य-पुस्तक में तभी स्थान मिले, जबकि वह आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर पूर्णतः खरी उतरती हो। अंततः आवश्यकता इस बात की है कि भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़े विज्ञान-सम्मत तत्वों का आधुनिक वैज्ञानिक मानकों पर परीक्षण और प्रमाणीकरण किया जाए। वैज्ञानिकों और संस्कृत विद्वानों के संयुक्त प्रयास, समर्पित शोध पीठों और दीर्घकालिक परियोजनाओं के माध्यम से परंपरा को भावनात्मक बहस का नहीं, बल्कि वैज्ञानिक अन्वेषण का विषय बनाया जाए। यही संतुलित दृष्टि भारतीय शिक्षा को वैज्ञानिक भी बनाएगी और बौद्धिक रूप से परिपक्व भी।

डॉ. मनमोहन प्रकाश

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

राजनीतिक शुचिता के लिए कर्पूरी का अनुशरण आवश्यकः चंद्रभूषण

देवरिया। जनपद के रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र के डुमरी स्थित सपा जनसंपर्क कार्यालय पर भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के स्मृति दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण यादव ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा थे, जिनका अनुशरण आज की राजनीति में शुचिता और सामाजिक न्याय के लिए आवश्यक है। कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए कर्पूरी ठाकुर ने सामाजिक न्याय और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए कई ऐतिहासिक निर्णय लिए। उस दौरान उन्हें विधानसभा से लेकर सड़कों तक विरोध और अपमान का सामना करना पड़ा, लेकिन वे अपने सिद्धांतों से नहीं डिगे। यादव ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर ने जीवन भर सामाजिक विषमता के खिलाफ संघर्ष किया और सादगीपूर्ण जीवन जिया। कार्यक्रम में व्यास यादव, रामाशीष यादव, श्यामराज कन्नौजिया, रामअसरे यादव, सुरेश नारायण सिंह यादव, रामप्यारे यादव, संतोष मद्धेशिया, अयोध्या वर्मा, नाजिर अंसारी, शंकर गोंड, नारायण प्रसाद, विनोद यादव, इकबाल अहमद, संतोष कुमार सिंह और राम नगीना यादव सहित अनेक लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर चुल्लाहाभारी में कैंसर एवं टीबी स्क्रीनिंग कैंप का सीएमओ ने किया निरीक्षण

बलरामपुर। जनपद में संचालित कैंसर एवं टीबी स्क्रीनिंग अभियान के अंतर्गत विकास खण्ड बलरामपुर स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर चुल्लाहाभारी में आयोजित विशेष स्क्रीनिंग कैंप का मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने कैंप में उपलब्ध व्यवस्थाओं तथा कार्य की गुणवत्ता का जायजा लिया और उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि कैंप में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समुचित जांच कर संदिग्ध मरीजों को समय से उच्च चिकित्सा इकाई पर रेफर किया जाए, ताकि शीघ्र उपचार सुनिश्चित हो सके। कैंप में तैनात चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऋषि श्रीवास्तव द्वारा निरीक्षण के समय तक कुल 19 मरीजों की कैंसर एवं टीबी की स्क्रीनिंग की जा चुकी थी। सीएमओ ने स्क्रीनिंग की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए लक्ष्य के अनुरूप अधिक से अधिक लोगों को जांच के लिए प्रेरित करने पर बल दिया। डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने कहा कि टीबी एवं कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान ही प्रभावी उपचार की कुंजी है। उन्होंने आशा एवं एएनएम कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि वे व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को स्क्रीनिंग कैंप में लाया जाए।

गोला पशु अस्पताल बना चिकित्सक विहीन

गोलाबाजार गोरखपुर। तहसील गोला मुख्यालय का पशु अस्पताल केंद्र इस समय उधार के डाक्टर और फार्मासिस्ट के भरोसे चल रहा है। जिससे पशुपालकों में काफी असंतोष है। प्राप्त विवरण के अनुसार यहां डॉक्टर के स्थानांतरण के 6 माह बाद से डाक्टर का स्थान रिक्त पड़ा हुआ है। फार्मासिस्ट का स्थान भी रिक्त है। यहां की व्यवस्था चलाने के लिए पशुचिकित्सालय डडी खास के डाक्टर जियाउल्लाह सिद्धकी और फार्मासिस्ट शैलेन्द्र को भेजा गया है। दोनों लोग यहां भी बैठते हैं और डड़ी खास पशु अस्पताल पर भी बैठते हैं। अब सवाल उठता है कि जिस दिन डा गोला बैठते हैं उस दिन डडी खास का अस्पताल सूना पड़ जाता है। यदि वहां कोई पशु पालक अपने बीमार पशु की दवा लेना चाहे तो वहां कोई नहीं मिल पाता। यही स्थिति गोला पशु अस्पताल की भी हो जाती है जब डाक्टर और फार्मासिस्ट नहीं रहते हैं। यदि फार्मासिस्ट ही रहते तब भी वहां के पशुपालकों को राहत मिल जाती। पशु अस्पताल गोला पर कहने मात्र एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मोहम्मद हसन ही तैनात हैं। इस समय एस आई आर का काम चल रहा है। जिसमें डाक्टर की ड्यूटी भी लगाई गई है। उस दिन दोनों स्थान पर डॉक्टर नहीं मिलते। पशुपालकों ने जिला मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी से गोला पशु अस्पताल पर शीघ्र पशु चिकित्सक भेजने की मांग की है। जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी धर्मेंद्र पांडेय का कहना है कि डाक्टरों की नियुक्ति शासन स्तर से की जाती है। वैसे शासन स्तर से गोला और बांसगांव पशु चिकित्सालय के लिए डाक्टरों की नियुक्ति कर दी गई है। वह लोग शीघ्र ही अपने स्थान पर जाकर ज्वाइन कर लेंगे।

खोड़ारे थाना क्षेत्र अंतर्गत के चार मासूम रहस्यमय ढंग से लापता, पुलिस की सक्रियता से सकुशल बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मनकापुर, गोण्डा। मनकापुर के खोड़ारे थाना क्षेत्र अंतर्गत ढढ़ुवा कुतुबजोत के बड़का डीह गांव में सोमवार की शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब मंदिर के पास खेल रहे चार मासूम बच्चे अचानक रहस्यमय ढंग से लापता हो गए। परिजनों और ग्रामीणों की बेचैनी रात भर बनी रही, लेकिन मंगलवार दोपहर पुलिस और एसओजी टीम की मुस्तैदी से सभी बच्चे सकुशल बरामद कर लिए गए।

मंदिर के पास खेलते-खेलते गायब

सोमवार शाम लगभग 6 से 7 बजे के बीच विश्व प्रताप विश्वकर्मा (7 वर्ष), रितेश शर्मा (6 वर्ष), रीवान्शु उर्फ शिव शांत (6 वर्ष) और कृष्णा उर्फ गोलू (10 वर्ष) गांव के मंदिर के पास खेल रहे थे। देर शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की, मगर बच्चों का कोई सुराग नहीं मिला। देखते ही देखते पूरे गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। ग्राम प्रधान पेशकार ने तत्काल डायल 112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही खोड़ारे थानाध्यक्ष यशवंत सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और खोज अभियान शुरू कराया। उच्चाधिकारियों को भी सूचित किया गया।

पुलिस व एसडीआरएफ की संयुक्त कार्रवाई

घटना की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी तरबगंज यूपी सिंह तथा एसडीआरएफ टीम भी मौके पर पहुंची। गांव और आसपास के खेतों में रात भर तलाश जारी रही। मंगलवार दोपहर करीब 1 बजे गांव के दक्षिण दिशा में लगभग 100 मीटर दूर सरसों के खेत में खोजबीन के दौरान पुलिस और एसओजी टीम को चारों बच्चे बैठे हुए मिले। बच्चों के सकुशल मिलने की खबर मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। मौके पर मौजूद लोगों ने खोड़ारे पुलिस और एसओजी टीम की तत्परता और सराहनीय कार्यों की प्रशंसा की।

स्वास्थ्य परीक्षण के बाद परिजनों को सौंपे गए

बरामद बच्चों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुक्कनपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया और सभी को स्वस्थ पाया। इसके बाद विनीत जायसवाल (पुलिस अधीक्षक, गोण्डा) स्वयं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और बच्चों का हालचाल लिया। बाद में गौरा चौकी बाजार चौकी पर बच्चों को फल व चॉकलेट देकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

पुलिस अधीक्षक का बयान

पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने मीडिया को बताया कि खोड़ारे पुलिस और एसओजी टीम की सक्रियता से चारों बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया गया है। पूछताछ में 10 वर्षीय कृष्णा उर्फ गोलू ने बताया कि खिलौना टूट जाने के डर से वे अपने साथियों के साथ छिप गए थे।

ग्रामीणों में संतोष, पर अभिभावकों के लिए सीख

घटना ने जहां कुछ घंटों के लिए पूरे गांव को चिंता में डाल दिया, वहीं पुलिस की तत्परता से सुखद अंत हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मामलों में बच्चों की मनोवैज्ञानिक समझ और अभिभावकों की सतर्कता बेहद जरूरी है। यह घटना इस बात की भी याद दिलाती है कि छोटी-सी बालसुलभ भूल कभी-कभी बड़े संकट का रूप ले सकती है। सौभाग्य से इस बार प्रशासन की मुस्तैदी और ग्रामीणों के सहयोग से चारों मासूम सुरक्षित घर लौट आए।

खजनी में लाखों कीमत के सागौन के तीन पेड़ काट ले गए चोर

●खजनी पुलिस रात में सोती है चोर क्षेत्र में ग्रस्त कर चोरी को देते हैं अंजाम

वेसकिमती सागौन के वृक्ष भी नहीं सुरक्षित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी -थाना क्षेत्र के गाजर वंशमन गांव में चोरी की एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसने इलाके के किसानों में चिंता बढ़ा दी है। गांव के एक किसान के खेत से चोर रात के अंधेरे में करीब 50 वर्ष पुराने सागौन के तीन कीमती पेड़ काट कर ले गए। पीड़ित का कहना है कि इन पेड़ों की कीमत लगभग 60 से 70 हजार रुपये थी। घटना के बाद ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, गाजर वंशमन गांव निवासी हेमंत कुमार त्रिपाठी के खेत में

गांव के दक्षिण दिशा में कुछ दूरी पर सागौन के कई पेड़ लगे हुए थे। बताया जा रहा है कि ये पेड़ लगभग आधी सदी पुराने थे और अच्छी गुणवत्ता की लकड़ी के कारण काफी मूल्यवान माने जाते थे। बीती रात चोरों ने सुनियोजित तरीके से खेत में घुसकर तीन पेड़ों को काट लिया और लकड़ी को मौके से उठा ले गए। सुबह जब किसान खेत पर पहुंचे तो वहां पेड़ों के ठूंठ और कटाई के निशान देखकर उनके होश उड़ गए।

पीड़ित किसान का कहना है कि पहले भी उनके खेत से पेड़ काटे जाने की घटना सामने आई थी और अब दोबारा चोरी होने से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। उनके अनुसार, शेष पेड़ अभी भी खेत में खड़े हैं, जिससे आगे भी चोरी की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि इलाके में रात के समय गश्त पर्याप्त नहीं होने के कारण ऐसे अपराध बढ़ रहे हैं। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। हालांकि किसान का कहना है कि पुलिस ने सिर्फ रसीद देकर औपचारिक कार्रवाई पूरी कर ली और मौके पर ठोस जांच या सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई खास कदम नहीं उठाया गया। इससे ग्रामीणों में नाराजगी भी देखी जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सागौन जैसे कीमती पेड़ों की चोरी बिना योजना के संभव नहीं है, इसलिए पुलिस को आसपास के लकड़ी कारोबारियों और संदिग्ध वाहनों की जांच करनी चाहिए। ग्रामीणों ने रात में गश्त बढ़ाने और चोरी की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच की बात कह रही है, लेकिन गांव के किसानों में भय का माहौल बना हुआ है। लोग सवाल कर रहे हैं कि अगर खेतों में लगे पेड़ भी सुरक्षित नहीं हैं, तो ग्रामीण आखिर किस पर भरोसा।

महराजगंज सीमा पर बड़ा हादसाः दबिश से लौट रही पुलिस टीम की कार दुर्घटनाग्रस्त, दरोगा की मौत, दो घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर-महाराजगंज बॉर्डर पर मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब भटहट क्षेत्र के पास कतरारी चौकी के निकट एक तेज रफ्तार कार भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई। हादसे में थाना रामगढ़ताल में तैनात एक दरोगा की मौत की सूचना है, जबकि महिला दरोगा समेत दो पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहगीरों में अफरा-तफरी मच गई तथा तत्काल राहत कार्य शुरू किया गया। जानकारी के मुताबिक, यह घटना जनपद महराजगंज के श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र अंतर्गत कतरारी पुलिस चौकी के पास हुई। पुलिस टीम रात में दबिश देकर लौट रही थी, तभी रास्ते में उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक दुर्घटना की आवाज दूर तक सुनाई दी, जिसके बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकालने में मदद की। सूत्रों के अनुसार, मृतक दरोगा की पहचान रामगढ़ताल थाने में तैनात सब-इंस्पेक्टर संतोष कुमार के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि टीम जालसाजी के एक मामले में दबिश देने गई थी और कार्रवाई पूरी कर वापस लौट रही थी। शुरुआती जांच में वाहन चालक को नींद आने और वाहन का नियंत्रण खोने की बात सामने आ रही है, हालांकि पुलिस अधिकारी तकनीकी कारणों और सड़क की स्थितियों की भी जांच कर रहे हैं। हादसे में घायल महिला दरोगा और अन्य पुलिसकर्मियों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार, दोनों की हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जांच के निर्देश दिए। इस दर्दनाक हादसे ने पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ा दी है। साथी पुलिसकर्मी घटना को बेहद दुखद बता रहे हैं और मृतक दरोगा को ईमानदार व कर्मठ अधिकारी के रूप में याद कर रहे हैं। हादसे के बाद सड़क सुरक्षा और लंबी ड्यूटी के दौरान थकान को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। फिलहाल पुलिस दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच में जुटी हुई है, वहीं मृतक दरोगा के पार्थिव शरीर को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। क्षेत्र में इस हादसे की चर्चा पूरे दिन बनी रही और लोगों ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

सलेमपुर थाने का वार्षिक निरीक्षण, एसपी ने कसे पेंच

देवरिया। कानून-व्यवस्था को और चुस्त बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने मंगलवार को सलेमपुर थाने का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान अभिलेखों, मालखाना, हवालात, शस्त्रागार और महिला सहायता कक्ष की स्थिति की बारीकी से समीक्षा की गई। एसपी ने लंबित विवेचनाओं को समयबद्ध ढंग से निस्तारित करने, वारंटों की तामील तेज करने और बीट पुलिसिंग मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने साफ-सफाई, बैरक व्यवस्था और भोजन की गुणवत्ता पर भी ध्यान देने को कहा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को स्पष्ट संदेश दिया कि जनता से संवाद और पारदर्शिता ही पुलिस की साख मजबूत करती है। पुलिस-जन सहयोग को अपराध नियंत्रण की कुंजी बताते हुए नियमित गश्त और ग्राम चौपालों के माध्यम से संवाद बढ़ाने पर जोर दिया।

डिग्री या दस्तावेज़ों का जाल? नगवा खास स्कूल में नियुक्ति पर संगीन सवाल, शिक्षा तंत्र की साख दांव पर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। रुद्रपुर ब्लॉक के नगवा खास स्थित प्राथमिक विद्यालय से उठा विवाद अब शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सीधा प्रहार बनता दिख रहा है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक पर कथित फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के सहारे नौकरी हासिल करने का आरोप लगा है। शिकायतकर्ता सुजीत कुमार राव ने शपथपत्र के माध्यम से दावा किया है कि संबंधित शिक्षक के हाईस्कूल, इंटरमीडिएट और बीएड के अभिलेखों में गंभीर असंगतियां हैं, जो साधारण त्रुटि नहीं बल्कि सुनियोजित गड़बड़ी की ओर इशारा करती हैं। बताया जा रहा है कि मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड दस्तावेजों में अंकपत्रों का वर्ष, विश्वविद्यालय का नाम और मान्यता संबंधी तथ्य आपस में मेल नहीं खाते। सबसे चौंकाने वाली बात यह कि जिस विश्वविद्यालय से डिग्री दर्शाई गई है, वह कथित तौर पर उस समय मान्यता प्राप्त नहीं था। यदि यह आरोप प्रमाणित होते हैं, तो यह केवल एक व्यक्ति की जवाबदेही का मामला नहीं रहेगा, बल्कि नियुक्ति और सत्यापन तंत्र की पूरी प्रक्रिया कठघरे में होगी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि बेसिक शिक्षा विभाग से सत्यापन की मांग के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे विभागीय उदासीनता और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इस तरह की लापरवाही न केवल नियमों की अनदेखी है, बल्कि विद्यार्थियों के भविष्य के साथ जोखिमपूर्ण खिलवाड़ भी है। मामले के तूल पकड़ने के बाद जनपद में चर्चा तेज है और शिक्षा तंत्र की साख दांव पर नजर आ रही है। बेसिक शिक्षा अधिकारी शालिनी श्रीवास्तव ने कहा है कि प्रकरण संज्ञान में है और जांच कराई जाएगी। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी होगी या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जायेगा यह भविष्य के गर्त में है।

जमीनी रंजिश में वांछित आरोपी गिरफ्तार

देवरिया। जमीनी विवाद में हुई हिंसक झड़प के मामले में थाना बघौचघाट पुलिस को अहम सफलता मिली है। धूस देवरिया में 17 जनवरी को दो पक्षों के बीच मारपीट और जानलेवा हमले के मामले में नामजद चल रहा आरोपी भोला उर्फ हृदय प्रकाश को पुलिस ने मंगलवार को हीरामती माता मंदिर के पास से दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी काफी समय से फरार चल रहा था। उसके खिलाफ पहले भी विभिन्न धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे न्यायालय भेजते हुए आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। स्थानीय स्तर पर यह कार्रवाई इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि मामला जमीनी विवाद से जुड़ा था और दोनों पक्षों के बीच पहले से तनाव की स्थिति बनी हुई थी। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष अनिल तिवारी का कहना है कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर सख्ती जारी रहेगी।

भूमाफियों के खिलाफ न्यायालय में चार्टशीट दाखिल

●कब्जा हटाने पहुंची राजस्व टीम और पुलिस बल पर किया था हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवां-गोरखपुर जिले के सहजनवां थाना क्षेत्र के चांदबारी में भू माफियाओं द्वारा दलितों के नाम से हुए आवासीय पट्टे की भूमि को अवैध कब्जा कर लिया गया था। अवैध कब्जा हटाने गई राजस्व टीम और पुलिस बल पर भू माफियाओं द्वारा हमला कर दिया गया था। जिसमें पुलिस ने प्रधान प्रदीपलाल श्रीवास्तव की तहरीर पर नौ भूमाफियाओं के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था। जिसकी जांच पुलिस द्वारा पूरी कर लेने के बाद नौ आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में चार्टशीट दाखिल कर दिया गया है। बताते चले कि एसडीएम सहजनवां के आदेश पर 18 नवंबर 2025 को राजस्व निरीक्षक भानु प्रसाद, लेखपाल सुजीत कुमार ,आशीष सिंह, संजीव सिंह, सतेंद्र प्रताप और पुलिस बल के साथ अवैध कब्जा हटाने चांदबारी पहुंची थी। उस दौरान भूमाफियाओं ने राजस्व टीम और पुलिस बल पर हमला कर दिया था। पुलिस ने 20 नवंबर 2025 को प्रधान की तहरीर पर नरसिंह यादव, अमरपाल यादव, बबलू यादव उर्फ विजय यादव, गब्बर यादव उर्फ विकास,शंभू यादव, संदीप कुमार यादव, अभिषेक यादव, पंचम यादव, इंद्रजीत यादव के खिलाफ विभिन्न अपराधिक धाराओं में केस दर्ज कर जांच कर रही थी। विवेचक उपनिरीक्षक दिनेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ जांच पूरी हो चुकी है। सभी आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में भेजा चुका है।

ईंट भट्ठे पर ईंटों से निर्मम पिटाईः मजदूर नियाज की रास्ते में दर्दनाक मौत, सैकड़ों श्रमिक शव लेकर थाने पर पहुँचे - मुख्य आरोपी आकाश निषाद हिरासत में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर - जिले के खजनी थाना क्षेत्र में एक छोटे-से विवाद ने एक गरीब मजदूर की जान ले ली। ईंट भट्ठे पर काम करने वाले नियाज (उम्र करीब 43 वर्ष) को स्थानीय युवक आकाश निषाद और उसके साथियों ने ईंटों से जमकर पीटा, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए। इलाज के दौरान रास्ते में उनकी मौत हो गई। मौत की खबर फैलते ही सैकड़ों आक्रोशित मजदूर शव को लेकर एम्बुलेंस से थाने पहुंचे और न्याय की जोरदार मांग की। थाने पर अफरा-तफरी मच गई, पुलिस ने मुख्य आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है। घटना का क्रम बीते शुक्रवार (13 फरवरी 2026) को खजनी के डोडो चौराहे के पास शाहिदाबाद मार्ग पर स्थित एक ईंट भट्ठे पर नियाज और आकाश निषाद के बीच मामूली बात पर विवाद हो गया। विवाद तेजी से बढ़ा और आकाश ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर नियाज पर ईंटों से बेरहमी से हमला कर दिया। सिर, छाती और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं। साथी मजदूरों ने उन्हें तुरंत उनके मूल जनपद बस्ती ले जाकर जीएस हॉस्पिटल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान हालत बिगड़ती गई। मंगलवार (17 फरवरी 2026) सुबह डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही नियाज ने दम तोड़ दिया। उनकी मौत ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी। मृतक के परिजनों और आसपास के कई ईंट भट्ठों पर काम करने वाले सैकड़ों श्रमिकों में भारी रोष फैल गया। उन्होंने शव को लेकर खजनी थाने पहुंचकर गिरफ्तारी की मांग की। थाने पर तनावपूर्ण माहौल बना रहा। वादी फिरोज (पुत्र निजामुद्दीन, ग्राम राजाजोत कला, थाना कप्तानगंज, जिला बस्ती) ने थाने पर प्रार्थना पत्र दिया। इसमें बताया गया कि उनका भाई नियाज ग्राम राउत डाड़ी के भट्ठे पर काम करता था। 13 फरवरी को आकाश निषाद और साथियों ने मारपीट की, गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। 15 फरवरी को बस्ती में भर्ती कराया गया, लेकिन 17 फरवरी को लखनऊ जाते समय मौत हो गई।

पुलिस कार्रवाई

इसके आधार पर थाने में मु0अ0सं0 43/2026 दर्ज किया गया है। धाराएं: 105 (हत्या), 352, 351(3), बीएनएस। शव का पंचनामा भरकर बीआरडी मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मुख्य आरोपी आकाश निषाद को हिरासत में ले लिया गया है। जांच जारी है। खजनी के एसएचओ जयंत सिंह ने कहा, 'पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में स्थिति नियंत्रण में है।' यह घटना ईंट भट्ठों में मजदूरों की असुरक्षा को एक बार फिर उजागर करती है। छोटी बात पर क्रूर हमले और मौत जैसी वारदातें बढ़ रही हैं। परिवार अब इंसाफ की आस में है। उम्मीद है कि जांच तेज होगी और दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी।

सिंकरीगंज में मारपीट से हुई मौत का मामलाः हत्या के आरोपी की गिरफ्तारी, वारदात में प्रयुक्त बांस का बेत बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर- जनपद में सिंकरीगंज क्षेत्र में मारपीट के बाद युवक की मौत के सनसनीखेज मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ के निर्देशन और पुलिस अधीक्षक दक्षिणी दिनेश कुमार पुरी व क्षेत्राधिकारी खजनी कमलेश कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में थाना सिकरीगंज पुलिस ने हत्या के एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी को मुखबिर की सूचना पर 17 फरवरी 2026 को हरदत्तपुर लिंक एक्सप्रेसवे मोड़ के पास से दबोचा गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान सत्येन्द्र चौहान पुत्र फन्नेलाल चौहान निवासी हरिहरपुर थाना सिकरीगंज के रूप में हुई है, जिसकी उम्र लगभग 20 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त आला कत्ल, यानी बांस का बेत, भी बरामद किया गया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमा संख्या 35/2026 में संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए उसे माननीय न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार घटना उस समय की है जब इलाके में डीजे बज रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया और विपक्षीगण ने वादिनी के भाई मुनीब चौहान पर हमला कर दिया। आरोप है कि युवक को लाठी और घूंसे से बुरी तरह पीटा गया। मारपीट के बाद हमलावर उसे गंभीर हालत में छोड़कर फरार हो गए। घायल युवक को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया था, लेकिन पुलिस की सक्रियता से माहौल नियंत्रण में बना रहा। थानाध्यक्ष आशीष कुमार तिवारी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को ट्रेस कर गिरफ्तार किया। पुलिस टीम में कांस्टेबल नरेंद्र यादव और कांस्टेबल उपेन्द्र सिंह यादव की भी अहम भूमिका रही। फिलहाल पुलिस अन्य संभावित आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है और अभियुक्त के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

खेल जीवन में अनुशासन, स्वास्थ्य और सहयोग की भावना जागते हैं - कुलपति प्रोफेसर रविशंकर सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय का दो दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव वीरेंद्र सिंह स्टेडियम में सोमवार को शुरू हुआ। खेल महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि माँ पाटेश्वरी देवी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रविशंकर सिंह व विशिष्ट अतिथि सुआकाट अध्यक्ष डॉ. शशिकांत राव एवं समाज सेवी श्याम जायसवाल ने मार्चपास्ट सलामी व ध्वजारोहण, मशाल जलाकर किया। पहले दिन के खेल प्रतियोगिता में 400 मीटर दौड़ में महेश शर्मा (बीए तृतीय वर्ष) प्रथम, जितेंद्र मौर्य (बीए तृतीय वर्ष) द्वितीय और राम तीरथ (बीए प्रथम वर्ष) तृतीय स्थान पर रहा। लंबी कूद में सत्यम यादव (बीए प्रथम वर्ष) प्रथम, कुशहर चौधरी (बीए तृतीय वर्ष) एवं मनीष कुमार मिश्रा (बीएड प्रथम वर्ष) संयुक्त रूप से द्वितीय, जबकि रामतीर्थ (बीए प्रथम वर्ष) तृतीय स्थान पर रहे। ऊँची कूद में सत्यम यादव (बीए प्रथम वर्ष) ने प्रथम, रमेश यादव (बीए तृतीय वर्ष) ने द्वितीय और देवभूषण मलिक (बीएड प्रथम वर्ष) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

चक्र क्षेपण प्रतियोगिता में छात्रों में देवभूषण मणि (बीएड द्वितीय वर्ष) प्रथम, नियाज अहमद (बीएड प्रथम वर्ष) द्वितीय और मनीष मिश्र (बीएड द्वितीय वर्ष) तृतीय स्थान पर रहे। महिला वर्ग में प्रीति सिंह (एमए द्वितीय वर्ष) प्रथम, सविता (बीए तृतीय वर्ष) द्वितीय और इंदु (बीएड प्रथम वर्ष) तृतीय स्थान पर रहीं। मुख्य अतिथि माँ पाटेश्वरी देवी विश्वविद्यालयके कुलपति प्रोफेसर रविशंकर सिंह ने कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, स्वास्थ्य और सहयोग की भावना जगाते हैं। बुद्धिजीवियों, पुरातन छात्र उद्योग जगत,चिकित्सा जगत से जुड़े लोगों का सहयोग खेल के संसाधनों की कमी पूरा करने में लिया जाये, सिर्फ सरकार द्वारा दी जा रही व्यवस्था पर निर्भर न हों। कहा कि खेल एक साधना है, इस शरीर के साधना से अपने को कुंदन की भांति निखारा जा सकता है। खेल प्रतियोगिता में जीत ,हार की अपेक्षा प्रतिभागिता महत्वपूर्ण होती है। जिस खेल में खिलाड़ियों को रुचि हो, उसके बारे में, उसके उपयोगिता, महत्व को भी समझकर उस खेल विधा से जुड़ें। कई लोग खेल जगत में शामिल होकर देश व समाज का नाम बढ़ा रहे हैं। मनुष्य के

कार्यों का समाज में योगदान से आंकलन करना चाहिए, न कि जाति पाति, धर्म से। कुलपति ने कहा कि भारत ए आई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) एक सशक्त हस्ताक्षर की तरफ बढ़ रहा है। युवाओं के सहभागिता और भारत के ज्ञानशील समाज से विश्व का नेतृत्व कर सकेगा। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं से पढ़ाई के साथ रुचि वाले खेलों में सहभागिता करने को कहा। इस दौरान महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अरविंद कुमार सिंह, धनुर्धर प्रताप सिंह,खेल अधीक्षक डॉ. ए. के. सिंह,प्रो मुकेश कुमार, डॉ धर्मेंद्र सिंह, शमसीरुल इस्लाम आदि लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

पलिया में सक्रिय हुआ बैट्री चोरों का गिरोह, मैक्सिमो से बैट्री पार

पालिया कलां खीरी पलिया नगर में इन दिनों बैट्री चोरों का गिरोह तेजी से सक्रिय होता दिखाई दे रहा है। आए दिन खड़े वाहनों से बैट्री चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे वाहन स्वामियों में दहशत का माहौल है। बीती रात्रि नगर के दुधवा रोड के पास खड़ी नगर निवासी महेश गुप्ता की मैक्सिमो गाड़ी को चोरों ने निशाना बना लिया। सुबह जब वाहन स्वामी मौके पर पहुंचे तो गाड़ी की बैट्री गायब मिली। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों में भी हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि घटना स्थल के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे में संदिग्ध व्यक्ति की गतिविधियां कैद हुई हैं। फुटेज के आधार पर चोर की पहचान कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी नगर के विभिन्न मोहल्लों से कई वाहनों की बैट्रियां चोरी हो चुकी हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं से लोगों में आक्रोश है। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते गिरोह पर अंकुश नहीं लगाया गया तो चोरी की घटनाएं और बढ़ सकती हैं।

पैसों के चलते निजी स्कूलों ने नहीं दिया बच्चे का प्रवेश पत्र

पलिया कलां खीरी। कल बच्चों का बोर्ड एग्जाम है और 40 किलोमीटर दूर जाना है पैसों के चलते निजी स्कूल द्वारा प्रवेश पत्र न दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पलिया कला के एक संपूर्णानगर रोड पर प्रख्यात स्कूल ने बोर्ड एग्जाम वाले बच्चों का रोका प्रवेश पत्र। सूत्र बताते हैं9 साल से लगातार बच्चे उसी स्कूल में पढ़ रहे हैं और कुछ फीस बाकी होने के कारण बच्चों के बोर्ड एग्जाम के प्रवेश पत्र देने से मना किया गया। अपनी समस्या को लेकर बच्चों के परिजन पहुंचे स्कूल में 4 घंटे तक हाथ पैर जोड़ते रहे किंतु उन्होंने प्रवेश पत्र देने से साफ मना कर दिया।उनका कहना है कि पहले आप पेमेंट करिए या किसी गारंटी वाले आदमी को लाइए जो आपकी जिम्मेदारी ले कि प्रवेश पत्र लेने के बाद आप फीस देंगे 'जबकि बच्चों के परिजन पीडीसी चेक तक स्कूल को दे रहे थे। जबकि विगत वर्ष पहले फीस के मामले को लेकर अजमानी इंटरनेशनल स्कूल में बड़ा विवाद हुआ था 'प्रशासन ने जारी किए थे शख्स निर्देश।किंतु इतना कुछ होने के बाद भी निजी स्कूल अपने मनमानी कर रहे हैं प्रशासन के आदेशों को धता बता रहे हैं निजी स्कूल साक्ष्य के रूप में इलेक्ट्रॉनिक एविडेंस मौजूद हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन ऐसे मनमानी करने वाले स्कूलों पर क्या शख्त कार्रवाई करता है।

वन विभाग के मुकदमे में वांछित प्रधान प्रतिनिधि गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात पुलिस 112 आपात सेवाएं

निघासन खीरी। दक्षिण निघासन रेंज क्षेत्र में वन विभाग की नोटिसों के बाद हाजिर न होने पर वन विभाग ने प्रधानप्रतिनिधि आजाद पर की बड़ी कार्यवाही। जंगल से सटी ग्राम पंचायत बंगलहा तकिया के प्रधानप्रतिनिधि आजाद खां को वन क्षेत्राधिकारी मोबिन आरिफ ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, बीते कई दिनों से जंगल के पास वन विभाग की भूमि पर जेसीबी मशीन से खुदाई कर ट्रैक्टर-ट्रालियों के माध्यम से मिट्टी और बालू गांवों में डलवाई जा रही थी। इस अवैध खनन की जानकारी वन विभाग को नहीं हो सकी थी। मामला तब सामने आया, जब खनन से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो संज्ञान में आने के बाद दक्षिण निघासन रेंज के वन क्षेत्राधिकारी मोबिन आरिफ ने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच की। ग्रामीणों से पूछताछ के बाद मंगलवार को ग्राम प्रधानप्रतिनिधि आजाद खां को उनके घर से पकड़कर रेंज कार्यालय लाया गया। वन क्षेत्राधिकारी मोबिन आरिफ ने बताया कि आरोपी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि कई मामलों में वांछित चल रहा है। उसे पहले भी कई बार पूछताछ के लिए बुलाया गया, लेकिन वह हर बार बहाने बनाकर बचता रहा। आरोपी के खिलाफ दर्ज मुकदमों का विवरण जुटाया जा रहा है।खनन मामले में जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद दोषी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कहीं जांच में फंसने के डर से तोनहीं बिना एजेंडा बुलाई गई अध्यक्ष के घर बैठक

● एक ही कलम से चार चार बैठक चढा लेने के आरोप

न एजेंडा और न मुनादी, और न ही सांसद, विधायक और एम.एल. सी को दी सूचना, और पास कर लिए गए बैंक डेट में कई प्रस्ताव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी मामला नगर पंचायत खीरी टाउन का है जहां पर नगर पंचायत प्रतिनिधि फहीम अहमद और अधिशासी अधिकारी विनीत कुमार के जुगलबंदी से नियम कानून को ताक पर रखकर जमकर भ्रष्टाचार किए जाने के कई मामले अखबारी सुर्खियां बने हुए हैं। इन करोड़ों के घोटालोके विरुद्ध वार्ड मेंबरों द्वारा मोर्चा खोल रखा है। कई बार धरना प्रदर्शन हो चुका है और दर्जनों शपथ पत्र और प्रार्थना पत्र के माध्यम से शिकायतें शासन प्रशासन तक की गई पर आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई, ऐसा शिकायतकर्ता गणो का आरोप है ।बताया जाता है कि नगर पंचायत अध्यक्ष और उनके पति फहीम अहमद तथा अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत खीरी के गठजोड़ से घोटाले की बाढ़ सी आ गई है। सूत्रों के अनुसार चाहे वह ठेलिया घोटाला हो चाहे लोहा खरीद घोटाला, स्ट्रीट लाइट खरीद घोटाला हो या फिर नाला निर्माण घोटाला हो और चाहे रामलीला पार्क निर्माण के जमीन घोटाले का मामला हो नगर पंचायत हमेशा से अखबारी सुर्खियों में बनी है ।नगर पंचायत में हुए करोड़ों के घोटाले की जांच व कार्यवाही के लिए कई सभासदों ने उच्च न्यायालय खंडपीठ लखनऊ में याचिका योजित की जिसमें मामले को प्रमुख सचिव नगर विकास विभाग के समक्ष शिकायत प्रस्तुत करने को निर्देशित किया गया। बताया जाता है कि उसके बाद पांच सभासदों ने शपथ पत्र के साथ प्रमुख सचिव नगर विकास उत्तर प्रदेश शासन से शिकायत कर मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की। जिसमें शासन द्वारा प्रकरण की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश जिला अधिकारी खीरी को दिए। पर आज तक जांच नहीं की गई सूत्र बताते हैं कि जिला अधिकारी ने खीरी नगर पंचायत में हुए भ्रष्टाचार की जांच के लिए नायब तहसीलदार खीरी को जांच अधिकारी नामित करते हुए जांच कर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए थे। अपने खिलाफ जांच की आहट मिलते ही अध्यक्ष पति फहीम अहमद और अधिशासी अधिकारी विनीत कुमार ने भ्रष्टाचार और घोटाले को ढकने के लिए 14 सभासदों को लालच देकर अपने पक्ष में कर लिया और उनसे शपथ पत्र ले लिया कि वह जांच नहीं चाहते हैं ऐसा आरोप शिकायतकर्ता जहीरुल हसन और मकसूद अली का है ।घटना दिनांक 16 फरवरी 2026 की है जब शिकायतकर्ता गण एसडीएम सदर और नायब तहसीलदार से जांच में विलंब होने की पूनःशिकायत दी जिसकी जानकारी अध्यक्ष उजमा बी व उनके पति फहीम अहमद तथा अधिशासी अधिकारी को हुई तो उक्त लोगों ने बिना देर किए 10-11 वार्ड मेंबरों को अपने घर पर बुला लिया और बगैर किसी एजेंडा और मुनादी कराए एक ही दिन में एक ही कलम से चार-चार मीटिंग चढ़ा ली गई और सभासदों को लालच की लपसी परोसकर मनमाने तरीके से गलत ढंग से बैक डेट में प्रस्ताव पास कर लिए जाने के आरोप लगाते हुए सभासद मकसूद अली और सभासद जहीरुल हसन ने जिला अधिकारी और अपर जिलाधिकारी खीरी से शिकायत करते हुए मामले की जांच कराए जाने की मांग की है। विश्वास सूत्रों का तो यहां तक कहना है की बैक डेट में प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने और एक ही दिन में चार-चार मीटिंग चढ़ने के एवज में प्रत्येक वार्ड मेंबर को प्रति मीटिंग के हिसाब से 5000 प्रति बैठक का भत्ता दिए जाने की बात बताई गई है ।नगर पंचायत सभागार में बैठक क्यों नहीं बुलाई गई? क्या कारण था की नगर पंचायत सभागार में बोर्ड बैठक बुलाने की बजाय अध्यक्ष के घर में बैठक बुलाई गई चर्चा का विषय बना है? शिकायतकर्ता गणो का स्पष्ट कहना है कि यदि मामले की साक्ष्यों आधारित निष्पक्ष जांच हुई तो एक बड़े घोटाले का पर्दाफाश होना तय है और कई अपने कोई ईमानदार बताने वाले चेहरे भी बेनकाब होंगे।

मार्ग दर्शक मुस्लिम राष्ट्रीय के जन्म दिन के अवसर पर दरगाह पर चादर पेश कर लंबी उम्र के लिए दुआ मांगी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी। डॉक्टर इंद्रेश कुमार साहब का जन्मदिन 18 फरवरी को है जिसमें जन्म दिन के शुभ अवसर पर पूरे भारत में सद्भावना सप्ताह मनाया जाता है इसी करम में उत्तर प्रदेश के जनपद लखीमपुर खीरी में स्थित दरगाह मथना शरीफ हजरत सैयद इसरारउल हक, उर्फ मस्तान मियां, की दरगाह पर, प्रांत संयोजक शेर अली खान, अपने काफिले के साथ पहुंचे जहां पर दरगाह के मुतवल्ली हकीम मोहम्मद जलीस हाशमी व मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के दर्जनों कार्यकर्ता ने फूल मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया प्रांत संयोजक शेर अली खान ने दरगाह के मुतबल्ली हकीम मोहम्मद जलीश हाशमी को अंग वस्त्र भेंठकर स्वागत कर दरगाह पहुंचकर चादर पेश की और गुरुवर डॉक्टर इंद्रेश कुमार साहब की लंबी उम्र के लिए दुआ मांगी और उन्होंने कहा कि भाई साहब का साया हम सभी पर बना रहे और हमारे मुल्क हिंदुस्तान में अमनो अमान कायम रहे दुआ के बाद दरगाह प्रांगण में लंगर खिलाया गया जिसमें हजारों लोगों को लंगर में भाग लिया। इस कार्यक्रम में सभी धर्मो के लोगों ने भाग लिया दरगाह परिसर में गंगा जमुनी तहजीब देखने को मिली जहां पर सभी धर्म के लोग मौजूद थे, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच की टीम में जिला संयोजक अज्जू खान, उस्मान अंसारी, छोटे खान, हाफिज, इश्तियाक खान, अकील खान, रौतास खान, राशिद अल्वी, मुंशी रहीस, लाल अलीमुद्दीन, राम मूर्ति, नवाब खान जहूर अंसारी, सोहराब खान, हाफिज दाउद अहमद,चांद अंसारी, बबलू हुसैन, सावन, अजय कुमार, सहित दर्जनों मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि पर त्रयोदश महारुद्राभिषेक एवं पार्थिव पूजन का भव्य आयोजन

251 जोड़े यजमान रूप में रहे उपस्थित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर त्रयोदश महारुद्राभिषेक एवं पार्थिव पूजन का भव्य, दिव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन श्रद्धा और वैदिक परंपराओं के अनुरूप सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस पवित्र धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन रामदेव मिश्र शास्त्री के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में तथा मां कात्यायनी सेवा समिति के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में 251 श्रद्धालु जोड़े यजमान रूप में विधिवत आचार्यों के निर्देशन में आसनस्थ हुए और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव का त्रयोदश महारुद्राभिषेक एवं पार्थिव पूजन संपन्न कराया। यजमानों द्वारा सामूहिक रूप से किए गए इस अभिषेक से संपूर्ण वातावरण 'हर-हर महादेव' एवं'नमः शिवाय' के जयघोष से गुंजायमान हो उठा और वातावरण पूर्णतः शिवमय बन गया।

अनुष्ठान के अंतर्गत पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर विधि-विधानपूर्वक पूजन किया गया, जिसमें सभी यजमान जोड़ों ने परिवार, समाज एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की। यह आयोजन श्रद्धालुओं के लिए एक दुर्लभ आध्यात्मिक अनुभव रहा, जिसमें सामूहिक साधना एवं भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। महारुद्राभिषेक एवं पार्थिव पूजन के पश्चात श्रद्धालुओं के लिए रुद्राक्ष वितरण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों को प्रसाद स्वरूप रुद्राक्ष प्रदान किए गए। श्रद्धालुओं ने इसे भगवान शिव की विशेष कृपा मानते हुए श्रद्धा भाव से ग्रहण किया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों का उद्देश्य समाज में धर्म, संस्कार, सेवा और आध्यात्मिक चेतना का प्रसार करना है। कार्यक्रम को सफल बनाने में मां कात्यायनी सेवा समिति के कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों एवं श्रद्धालुओं का विशेष योगदान रहा। अंत में आयोजकों द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी यजमानों, श्रद्धालुओं, सहयोगियों एवं सेवाभावी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी इस प्रकार के धार्मिक एवं जनकल्याणकारी आयोजनों को निरंतर आयोजित करने का संकल्प लिया गया।

नवाबगंज की ओसवाल चीनी मिल चालवाने को लेकर पूर्व विधायक कमिश्नर से मिले

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली/और विधायक मास्टर छोटेलाल गंगवार ने नवाबगंज की ओसवाल चीनी मिल के नीलाम होने किसानों का गन्ना भुगतान न होने जैसी समस्या को लेकर उन्होंने आयुक्त बरेली मंडल बरेली भूपेंद्र एस चौधरी से भेंट कर बंद पड़ी चीनी मिल को नीलम न करने के साथ सरकार इसको अधिग्रहण कर ले। और इसे सुचारु रूप से चलाया जाए साथ ही किसानों का गन्ना भुगतान भी कराया जाए और विधायक ने खेद व्यक्त करते हुए कहा है चीनी मिल देश के प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह एवं उद्योग मंत्री चौधरी अजीज सिंह के कार्यकाल में सदस्य विधान परिषद जयदीप सिंह बरार के अनुरोध पर स्वीकृत हुई थी।

जो नवाबगंज के लिए उद्योग के रूप में प्राप्त हुई इस चीनी मिल पर अनेकों किसानों का गन्ना आता था यह चीनी मिल नवाबगंज के औरंगाबाद में स्थित बनी हुई है इस चीनी मिल में काम करने वाले अधिकारी कर्मचारी से लेकर फोर्थ कर्मचारी तक पर संकट गहरा गया है इसलिए उन्होंने आयुक्त बरेली मंडल को ज्ञापन देकर मांग की है कि इस चीनी मिल को सरकार अपने कब्जे में ले करके इसे चलाया जाए। किसानों का फस 2 वर्ष का भुगतान सरकार दिलाए उन्होंने बिना नाम लिए निशान सदा नवाबगंज के लिए यह एक काला अध्याय है जो यहां पर लगा उद्योग बंद हो गया इसके लिए कौन जिम्मेदार है यह सब जानते हैं क्षेत्र में उद्योग को लगवाना बड़ी बात होती है परंतु बंद करवाना कोई बात नहीं है इसलिए क्षेत्र के हित में देखते हुए इस चीनी मिल को प्रदेश सरकार अपने अधिग्रहण मे लेकर इसे संचालित करें।

और किसानों का गन्ना बकाया भुगतान शीघ्र कराया जाए क्षेत्र में उद्योग लगने से क्षेत्र का विकास होता है साथ ही उद्योग बंद होने पर क्षेत्र रसातल को चला जाता है जो आज नवाबगंज में हुआ है यह किसी से छुपा नहीं है इसके लिए कौन जिम्मेदार है इसे जानता खूब जानती है इस पर कुछ कहने की आवश्यकता नहीं इसलिए उन्होंने प्रदेश सरकार से मांग की गई है चीनी मिल को नीलाम होने से रोका जाए सरकार किसानों का गन्ना भुगतान कारण इसका ज्ञापन देने में पूर्व विधायक मास्टर छोटेलाल गंगवार के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल आज आयुक्त बरेली से मिला इसमें कांग्रेस नेता बंशीधर गंगवार पंडित घनश्याम शर्मा साजिद अब्बासी धर्मपाल गंगवार मोहम्मद सलीम राजकुमार धर्मेंद्र कुमार आदि मौजूद थे आयुक्त ने इस प्रकरण को संदर्भित करने का आश्वासन शिष्टमंडल को दिया।

भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दूसरी बार पश्चिम बंगाल प्रवास हेतु रवाना

बरेली/नवाबगंज के पूर्व अध्यक्ष पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष कुवर रविंद्र सिंह राठौड़ भाजपा हाई कमान के निर्देश पर पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा की रणनीति के तहत वह आज दूसरी बार पुनः पश्चिम बंगाल के लिए रवाना हुए हैं भाजपा नेतृत्व ने उन्हें पश्चिम बंगाल में कार्य करने के लिए दायित्व सोपा गया है यह 10 दिन के प्रवास के दौरान मा भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें कर भाजपा में ऊर्जा प्रदान करने के लिए इनका वाहन का दायित्व सोपा गया है जिसके तहत आज पश्चिम बंगाल के लिए रवाना हुए हैं।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत फिरोजाबाद में जिला कार्यशाला आज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

फिरोजाबाद- पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी की जिला कार्यशाला का आयोजन आज बुधवार को पूर्वान्ह 11 बजे भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय, फिरोजाबाद पर किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, इस जिला कार्यशाला में पार्टी के संगठनात्मक प्रशिक्षण को मजबूती देने के उद्देश्य से विभिन्न स्तरों के पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। कार्यशाला में जिला प्रशिक्षण टोली, मंडल प्रशिक्षण टोली, सभी मंडल अध्यक्ष व मंडल प्रभारी, विभिन्न मोर्चों के जिलाध्यक्ष एवं महामंत्री, प्रकोष्ठ व विभाग के संयोजक, पूर्व जिलाध्यक्ष, सांसद प्रत्याशी 2024, विधायक प्रत्याशी 2022, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला सहकारी अध्यक्ष, नगरपालिका व नगर पंचायत अध्यक्ष तथा ब्लॉक प्रमुखों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का आह्वान किया गया है। इस कार्यशाला के माध्यम से पार्टी की विचारधारा, संगठनात्मक ढांचे और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की जाएगी, जिससे कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण के माध्यम से और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

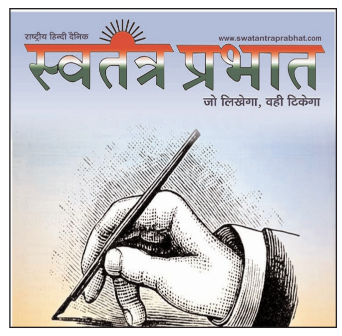

अमेजिंग वर्ल्ड सिरसागंज में अश्वनी जैन का हुआ अमेजिंग सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिरसागंजः- जनपद फिरोजाबाद के श्री महावीर दिगम्बर जैन इंटर कॉलेज, सिरसागंज के नागरिक शास्त्र के प्रवक्ता अश्वनी कुमार जैन को मानविकी वर्ग में महामहिम राज्यपाल द्वारा राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए चयन होने पर उनका सम्मान समारोह अमेजिंग वर्ल्ड, सिरसागंज में विद्यालय के निदेशक अंशुल खंडेलवाल एवं प्रधानाचार्या ललिता वशिष्ठ के संयोजन में किया गया। अंशुल खंडेलवाल ने विद्यार्थियों को बताया कि अश्वनी कुमार जैन का राज्य अध्यापक पुरस्कार में चयन नगर के लिए गौरव का पल है।उनको यह पुरस्कार विद्यालय में अपने विषय में विद्यार्थियों के नामांकन बढ़ाने, नागरिक शास्त्र विषय को रुचिकर बनाने, उसमें नवाचार करने नागरिक शास्त्र मेला, भारतीय संसद का निर्माण, संविधान प्रस्तावना पाठ, संविधान क्विज, संविधान पोस्टर प्रतियोगिता, पैनल बोर्ड से वीडियो के माध्यम से अध्ययन, शैक्षिक भ्रमण, टी एल एम से विद्यार्थियों को अध्ययन, विद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं में योगदान, महापुरुषों की जयंती एवं राष्ट्रीय पर्वो पर मंच संचालक की भूमिका का निर्वहन, नगर पालिका परिषद सिरसागंज के स्वच्छ भारत अभियान के ब्राण्ड एम्बेसडर की भूमिका में स्वच्छता संबंधी विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन, विज्ञान प्रदर्शनी एवं सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका प्रदान करने के लिए दिया गया है।

ललिता वशिष्ठ ने बताया कि अश्वनी जैन को इस पुरस्कार में चयन होना जनपद फिरोजाबाद के लिए गौरव का विषय है । वे विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को मार्गदर्शन भी प्रदान किया।

अश्वनी कुमार जैन ने विद्यालय संस्थापक कृष्ण कुमार खंडेलवाल, निदेशक अंशुल खंडेलवाल, एकेडमिक निदेशक डॉ रुचि खंडेलवाल, प्रधानाचार्या सुश्री ललिता वशिष्ठ के साथ समस्त जनप्रतिनिधियों, समस्त प्रशासनिक अधिकारियों, जनपद के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक साथी, विद्यालय की प्रबन्ध समिति, समस्त विद्यालय परिवार, समस्त मीडिया वर्ग का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि काम ही पहचान है, उनका प्रयास सदैव यह रहा है कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ प्रायोगिक और सृजनात्मक अनुभव मिल सके। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित करने के साथ धैर्यवान बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर गुँजन चतुर्वेदी, शिवानी, गणेश गुप्ता, जवाहरलाल, रहिसुद्दीन आदि उपस्थित रहे।

मासूम से छेड़छाड़ के आरोपी को भेजा गया जेल

● दुकान पर चला बुलडोजर, प्रशासन ने दिखाई सख्ती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पलिया में छह साल की मासूम बच्ची से छेड़छाड़ के मामले में प्रशासन ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए आरोपी को जेल भेज दिया है। मंगलवार को प्रशासनिक टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में आरोपी की दुकान पर बुलडोजर चलाया, जिसके बाद विधिक कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायालय में पेश किया गया। मोहल्ला इकरामनगर निवासी सद्दाम पुत्र समीउल्ला ने सोमवार की रात मासूम से छेड़छाड़ की थी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आई और आरोपी को हिरासत में ले लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उसके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 65/2 एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 3 ख/4 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। आज प्रशासनिक अमला आरोपी की दुकान पर पहुंचा और उसकी दुकान पर बुलडोजर चलाया। इस दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। कार्रवाई के दौरान आसपास के लोगों की भीड़ जमा रही और पूरे घटनाक्रम पर नजर रखी गई।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। थानाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। मामले की विवेचना जारी है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की सख्ती का स्वागत करते हुए दोषी को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की है।

मोहम्मद ओवैस ने मेंनजेईई परीक्षा में 98.70 परसेंट अंक लाकर गौरव हासिल किया

बरेली/रिठौरा थाना इज्जत नगर के गांव कुम्हरा के शिक्षक मोहम्मद शकील के बेटे मोहम्मद ओवैस ने वर्ष 2026 में मेंनजेईई की परीक्षा में 98.70 प्रतिशत अंक लाकर अपने परिवार का ही गौरव नहीं बढ़ाया परंतु उन्होंने क्षेत्र और जनपद का भी नाम रोशन किया है इस सफलता के लिए ओवैस ने यह श्रेय अपने पिता मोहम्मद शकील अहमद एवं माता शबनम बहन रोज भी साहिब बीबा अपने गुरुजनों को दिया और कहा यह सब कुछ उन्होंने आज इन सभी के अपार सहयोग से प्राप्त किया है इसके लिए वह इन सभी का आभारी है।

पुलिस विभाग की शान कहे जाने वाले कलयुग के दानवीर 'अरविंद कुमार फौजी' ने समाजसेवा की पेश की मिशाल

● हर तीन महीने में रक्तदान कर बचा चुकें तीन दर्जन से ज्यादा लोगों को जिंदगी,

जाट रेजिमेंट के रिटायर्ड सैनिक ने रक्तदान कर आबाद की तीन दर्जन से अधिक जिंदगियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोला गोकर्णनाथ खीरी। भारत देश हमेशा से वीरों का देश रहा है, यहां महाराणा प्रताप जैसे बहादुर व कर्ण जैसे दानी हुए हैं जिन्होंने अपने खून के एक -एक कतरे को अपनी मातृभूमि पर न्यौछावर कर दी।भारतीय सेना का रिटायर एक सैनिक अरविंद कुमार 'फौजी' जिन्होंने उत्तर प्रदेश पुलिस में ज्वाइन हो खीरी जिले में अपनी एक अलग पहचान बनाई है।शिवभक्त कांवड़िया जिन्हें शिवदूत व पीड़ित व्यक्ति न्यायप्रिय, असहाय व्यक्ति देवदूत,निर्धन व्यक्ति दानी व अपराधी जासूस कहते हैं।

देश व समाज की रक्षा के लिए अपने खून को भी दान करने वाले अरविंद कुमार फौजी ने इस वर्ष चार बार इस वर्ष पहला 10 फरवरी को जिला अस्पताल, दूसरा 14 जून को अमर उजाला के रक्तदान शिविर जिला अस्पताल, तीसरा 17 सितंबर को जिला अस्पताल, चौथा 12 दिसंबर को जिला अस्पताल लखीमपुर खीरी में रक्तदान किया था।रक्तदान किये दो माह पूरे होते ही एक जरूरतमंद के आग्रह पर 15 फरवरी को इस वर्ष का पहला और कुल 39 वां रक्तदान कर समाज सेवा की अनूठी मिशाल पेश की है, वर्दी पहन देश सेवा और अपना खून देकर समाज सेवा कर लोगों के दिलों में वर्दी के प्रति सम्मान बढ़ाया है, साथ ही वर्दी को गौरवान्वित किया है।

देशप्रेम से लवरेज अरविंद कुमार फौजी ने अपनी मेहनत, लगन व कर्तव्यों को प्रमुखता दी,वह रात्रिगश्त हो या अपराधी का सामना, चोरों का पीछा करना हो या दंगो से निपटना सभी मे बेजोड़ रहकर सैकड़ों चोर उचक्कों को गिरफ्तार कर जेल भेजना व पांच दर्जन चोरियों का अनावरण करते हुए ट्रालियां व पशुचोरों को पशुओं सहित दूसरे जिलों से पकड़ना इनकी उपलब्धि रही।

देशभक्ति के साथ शिवभक्ति में भी बेजोड़ हैं अरविंद कुमार फौजी,जिले के थाना हैदराबाद की ढकवा चौकी में तीन वर्ष की तैनाती के दौरान पवित्र सावन माह में शिवभक्त कावड़ियों की पुलिस ड्युटी करते हुये सेवा करने की भी नींव रखने का श्रेय अरविंद फौजी को ही जाता है, बीते चार वर्षो के पांच सावन माहों के प्रत्येक रविवार व सोमवार को शीतल जल व घावों पर मरहम,के साथ फलों,बिस्किट बांटकर अपनी श्रद्धा दिखाई तो दूसरी ओर कांवड़ियों की सुरक्षा की खातिर बारिश में भी सड़कों पर खड़े देखे गये हैं।

अरविंद कुमार फौजी के साथ डियूटी कर चुके साथी बताते हैं वह अपने कर्तव्यों को बखूबी अंजाम देते हैं वह 24 घण्टों में मात्र 4 घन्टे ही सोते हैं वाकी का समय अपनी ड्यूटी व फिटनेस पर लगाते हैं, अपनी दमदार कार्यशैली के बदौलत अधिकारियों व आमनागरिकों के चहेते बन जाते हैं। हैदराबाद थाना क्षेत्र के नागरिकों के दिलों पर राज करने वाले अरविंद कुमार को पुनः हैदराबाद थाना क्षेत्र में तैनात करने की अपील कर रहे हैं। एक साल पहले हुए ट्रांसफर के बाद भी लोगों सबसे लोकप्रिय पुलिसकर्मी बने हुए हैं।

संक्षिप्त खबरें

चौरी पुलिस ने छः शातिर चोरों को दबोचा

भदोही। थाना चौरी क्षेत्र में नकबजनी कर व ताला तोड़कर की गई दो चोरी की घटनाओं का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए कुल छह अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देश पर, अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी औराई राजीव कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई। पुलिस के अनुसार 15/16 फरवरी को भाला बाजार की किराना दुकान तथा 10/11 फरवरी को जोगीपुर स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर से हुई चोरी के मामलों में मुकदमे दर्ज कर जांच चल रही थी, जिसे अब अनावरण कर लिया गया है। मुखबिर की सूचना पर वेदमनपुर परसीपुर (वन विभाग नर्सरी के पास) से अपचारी प्रथम (17), अपचारी द्वितीय (16), किशन बिन्द (18), आशीष बिन्द उर्फ अली (19), आकाश बिन्द (18) निवासी ग्राम भाला तथा नितेश दूबे निवासी जगदीशपुर को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 18,010 रुपये नकद, 20 पैकेट सिगरेट, एक बैटरी, एक इन्वर्टर, चार मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई। सीओ औराई राजीव सिंह ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और क्षेत्र में कानून- व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी तरह सतर्क है। गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली पुलिस टीम उपनिरीक्षक केदार राम, एसआई महेन्द्र कुमार राम, कांस्टेबल दिनेश कुमार गौतम, सुरेश कुमार यादव, अरविन्द कुमार, सुजीत चौधरी आदि शामिल रहें।

भदोही में रोजगार मेला कल

भदोही। जनपद के बेरोजगार युवाओं के लिए राहत भरी खबर है। जिला सेवायोजन कार्यालय, ज्ञानपुर में 19 फरवरी को कल एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। मेले में प्रदेश व प्रदेश के बाहर की निजी कंपनियां प्रतिभाग करेंगी और युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करेंगी। रोजगार मेले में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों का रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीयन व ऑनलाइन आवेदन अनिवार्य है। चयन प्रक्रिया में शामिल होने हेतु 18 से 45 वर्ष की आयु के लोगो को सभी शैक्षिक प्रमाण-पत्र साथ लाना आवश्यक होगा।

न्याय पंचायत स्तरीय शिक्षण संकुल की मासिक बैठक संपन्न

भदोही/सुरियावां। 17 फरवरी 2026 मंगलवार को प्राथमिक विद्यालय बनकट विकास खंड- सुरियावां, जनपद- भदोही में डॉ. ओमप्रकाश मिश्रा (ब्लॉक अध्यक्ष सुरियावां प्राथमिक शिक्षक संघ व प्रधानाध्यापक) की अध्यक्षता में आहूत की गई। नोडल संकुल राजेश कुमार द्वारा एजेंडा को बारी-बारी से प्रस्तुतीकरण किया गया। बैठक में वार्षिक परीक्षा पर वृहद चर्चा किया गया। सत्र 2026 -27 के नामांकन के लिए चर्चा किया गया। उपस्थित अध्यापकों के द्वारा कक्षा को गुणवत्तापूर्ण छात्र उपस्थिति एमडीएम व छात्रों के ठहराव पर चर्चा किया गया। डॉ.ओमप्रकाश मिश्रा जी ने बताया कि -छात्र उपस्थिति की बात करें, तो यह केवल विद्यालय में नाम दर्ज होने तक सीमित नहीं है, बल्कि नियमित रूप से विद्यालय आना और सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय भाग लेना ही वास्तविक उपस्थिति है। जब विद्यार्थी नियमित रूप से विद्यालय आते हैं, तभी वे पाठ्यक्रम को सही ढंग से समझ पाते हैं और उनकी सीखने की निरंतरता बनी रहती है। बैठक में शिक्षक संकुल राजन वर्मा, प्रदीप सिंह, संतोष कुमार बिंद, राजेंद्र प्रसाद, राजेश कुमार, गजेंद्र कुमार मिश्र, आदि उपस्थित रहे।

जनता दर्शन में जिलाधिकारी शैलेष कुमार सख्त, मौके पर निस्तारण के निर्देश

● वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से अधिकारियों को लगाई फटकार, आपसी सुलह से समाधान पर जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही:- जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना। विभिन्न विभागों से संबंधित भूमि विवाद, राजस्व प्रकरण, पुलिस, विकास एवं अन्य शिकायतों पर जिलाधिकारी ने तत्परता दिखाते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तहसीलदारों, खंड विकास अधिकारियों एवं अन्य संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देशित किया कि सभी शिकायतों का मौके पर जाकर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल औपचारिकता पूर्ण करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जहां संभव हो, दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर आपसी सुलह-समझौते के माध्यम से विवादों का समाधान कराया जाए, जिससे अनावश्यक मुकदमेबाजी एवं तनाव से बचा जा सके। जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि लापरवाही अथवा शिकायतों के निस्तारण में शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जनता दर्शन में आए फरियादियों ने जिलाधिकारी की सक्रियता की सराहना करते हुए निष्पक्ष सुनवाई पर संतोष व्यक्त किया। जिला प्रशासन ने दोहराया कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान ही प्रशासन की प्राथमिकता है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व कुंवर वीरेंद्र मौर्य, अपर जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण सिंह एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय वयो श्री परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा

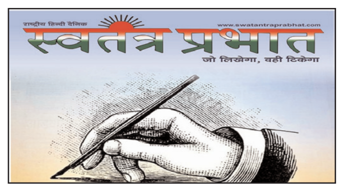

सीखड़, मीरजापुर। विकास खण्ड मुख्यालय पर 19 फरवरी को राष्ट्रीय वयोश्री परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया है, जिसमें 60 वर्ष व उसके उपर आयु के लोगों को सामाजिकता न्याय और अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के अधीन भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एलिम्को द्वारा 60 वर्ष और उससे उपर के वयोश्री,दिव्यांग का रजिस्ट्रेशन किया जायेगा। एडीओं समाज कल्याण विनोद शुक्ला ने बताया कि रजिस्ट्रेशन कराने वाले वयोश्री लोगों को उनके दैनिक जीवन में उपयोगी उपकरण जैसे छड़ी, वाकर, व्हीलचेयर ,कान की मशीन आदि का वितरण किया जाएगा, जिसकी अगली तारीख जिलाधिकारी के आदेशानुसार तय की जायेगी।उन्होंने बताया कि रजिस्ट्रेशन कराने के लिए वयोश्री को अपने साथ कुछ जरूरी कागजात लाना पड़ेगा जिसमें बी पी एल राशन कार्ड , वृद्धा पेंशन प्राप्ति की छाया प्रति तथा फोटो युक्त पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, बोटर कार्ड, बैंक पासबुक, पेन कार्ड आदि साथ में लेकर आना जरूरी है।

हाईस्कूल-इंटर बोर्ड परीक्षा आज से प्रारंभ,55,688 परीक्षार्थी होंगे शामिल

● नकलविहीन परीक्षा के लिए कड़े इंतजाम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद भदोही में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा मंगलवार से प्रारंभ हो गई है। परीक्षा को नकलविहीन, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने बताया कि शासन द्वारा निर्धारित समय सारिणी के अनुसार परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। प्रथम पाली प्रातः 8:30 बजे से 11:45 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 2:00 बजे से 5:15 बजे तक होगी।

जिलाधिकारी ने जानकारी दी कि जनपद में कुल 55,688 परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं। इनमें हाईस्कूल के 27,545 एवं इंटरमीडिएट के 28,143 छात्र-छात्राएं शामिल हैं।

परीक्षा की सघन निगरानी के लिए प्रशासन द्वारा 3 जोनल मजिस्ट्रेट, 12 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 94 स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं 94 बाह्य केंद्र व्यवस्थापक तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही 6 सचल दल भी सक्रिय रहेंगे। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से सतत निगरानी, प्रश्नपत्रों की सुरक्षित व्यवस्था एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। साथ ही विद्युत आपूर्ति, पेयजल, शौचालय, बैठने की समुचित व्यवस्था एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया है।

परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है तथा फोटोकॉपी, साइबर कैफे व कोचिंग संस्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। जिलाधिकारी ने अभिभावकों एवं विद्यार्थियों से सहयोग की अपील करते हुए परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि वे आत्मविश्वास एवं अनुशासन के साथ परीक्षा दें, जिससे उनका भविष्य उज्ज्वल हो।

औराई में पीएम विश्वकर्मा लाभार्थियों हेतु जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद के आकांक्षी ब्लॉक औराई में पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों एवं शिल्पकारों को पीएम विश्वकर्मा योजना सहित विभिन्न एमएसएमई योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें स्वरोजगार, डिजिटल लेन-देन, विपणन और वित्तीय सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जबकि अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र व पौधा भेंट कर किया गया। कार्यक्रम में सहायक निदेशक एमएसएमई संजय कुमार ने योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की, वहीं यंग प्रोफेशनल एमएसएमई नूपुर दुबे ने पीएम विश्वकर्मा योजना के प्रावधानों की जानकारी दी। खंड विकास अधिकारी दिलीप कुमार एवं सहायक आयुक्त उद्योग अशोक कुमार ने कारीगरों को सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए निदेशक एमएसएमई एल.बी.एस. यादव ने कहा कि पारंपरिक कारीगरों का कौशल देश की अमूल्य धरोहर है, जिसे आधुनिक तकनीक और डिजिटल माध्यमों से वैश्विक बाजार से जोड़ा जाना आवश्यक है। तकनीकी सत्र में विशेषज्ञों ने ऑनलाइन बिक्री, ब्रांडिंग, पैकेजिंग, वित्तीय एवं डिजिटल साक्षरता, ऋण प्रक्रिया और डिजिटल भुगतान जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में प्रश्न-उत्तर सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें लाभार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम में लगभग 110 पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों, कारीगरों एवं उद्यमियों ने सहभागिता की और इसे उपयोगी व ज्ञानवर्धक बताया।

धूमधाम से निकली शिव बारात की झांकी

चुनार, मीरजापुर। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर श्री प्रभात भजन समिति बोल बम सेवा समिति ने शिव भजन करते हुए नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए गंगातट पहुचकर स्नान आदिकरके गंगाजल लेकर शिव मंदिर पहुच कर जलाभिषेक किया। शिवभक्त डमरु दल ने भी बालूघाट से गंगा जल लेकर डमरु बजाते हुए टेकौर स्थित बूढेनाथ मंदिर पहुच कर जलाभिषेक किया। भूत भावन दिगम्बर धारी के विवाह उत्सव के महापर्व पर नगर के प्रभात भजन समिति द्वारा सायंकाल भव्य शिवबारात की झांकी निकाली गई। गाजे बाजे के साथ श्रद्धालु भजन किर्तन व फागुन की गीतो व ढोल के थापो पर नाचते गाते हुए नगर के विभिन्न मार्गो से होकर रामलीला मैदान पहुचे जहां प्रसाद वितरण कर बारात के कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रातः से लेकर शाम तक के कार्यक्रम के दौरान शान्ति ब्यवस्था के मद्देनजर सी ओ मंजरी राव, प्रभारी निरीक्षक विजय शंकर सिंह दल बल के साथ लगे रहे। इस दौरान संजय साहू, ब्रह्मानंद कुशवाहा, अमितकुमार गुप्ता, महेन्द्र साहू, लवकुश गुप्ता, पवन कुमार, सुनिल गुप्ता, मदन गुप्ता, प्रदीपकुमार, चन्द्रहाश गुप्ता आदि प्रमुख शामिल रहे।

हाईकोर्ट अधिवक्ता की सड़क हादसे में मौत

● लालानगर टोल प्लाजा के पास तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से गयी जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोपीगंज। वाराणसी प्रयागराज राजमार्ग पर स्थित लालानगर टोल प्लाजा के पास सोमवार की देर शाम सड़क हादसे में प्रयागराज निवासी हाईकोर्ट के अधिवक्ता प्रभात मिश्रा (35) की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से अधिवक्ता समुदाय सहित क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रभात मिश्रा पुत्र प्रेम नारायण मिश्रा, निवासी जुड़ापुर दादूपुर, थाना सोरांव, जनपद प्रयागराज, न्यायालयीन कार्य से अपनी ब्रेजा कार से वाराणसी गए थे। कार्य समाप्ति के बाद वे अपने तीन मित्रों के साथ वापस प्रयागराज लौट रहे थे। इसी दौरान लालानगर टोल प्लाजा पर फास्टैग रिचार्ज न होने के कारण उनकी कार टोल बूथ पर रुकी थी।

बताया जाता है कि कार से उतरकर रिचार्ज कराने जाते समय प्रयागराज से वाराणसी की ओर जा रही एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में अधिवक्ता गंभीर रूप से घायल हो गए। साथियों द्वारा उन्हें तत्काल सीएचसी गोपीगंज ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले में क्षेत्राधिकारी प्रभात राय ने बताया कि दुर्घटना में शामिल मोटरसाइकिल व चालक को कब्जे में लेकर अभियुक्त के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। बताया जाता है कि दिवंगत अधिवक्ता प्रभात मिश्रा हाल ही में बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के चुनाव में सदस्य पद के प्रत्याशी भी रह चुके थे। वे अपने पीछे पत्नी एवं एक पुत्र को छोड़ गए हैं। घटना की सूचना मिलने पर अधिवक्ताओं एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

सीडीपीओ नीलू मिश्रा को उत्कृष्ट कार्य करने के लिए किया गया सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीखड़, मीरजापुर। विकास खण्ड सीखड़ में बाल विकास परियोजना अधिकारी के पद पर कार्यरत नीलू मिश्रा को वाराणसी स्थित सांस्कृतिक संकुल चौका घाट में आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा द्वारा आईकान के रूप में सम्मानित किया गया।यह सम्मान बाल विकास परियोजना अधिकारी सीखड़ को सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम में सराहनीय योगदान करने पर दिया गया।इस अवसर पर वाराणसी के मंडलायुक्त एस राज लिंगन जिलाधिकारी सतेन्द्र कुमार मौजूद रहे। आईकान सम्मान से सम्मानित की गई बाल विकास परियोजना अधिकारी नीलू मिश्रा ने कहा कि यह सम्मान लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए किए गए जन जागरूकता प्रयासों की सराहना हैं,जो मेरे लिए अत्यंत गौरव और प्रेरणा का विषय है।इस सम्मान के लिए उन्होंने निर्वाचन विभाग के साथ साथ उच्च अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आगे भी मतदाता जागरूकता और सामाजिक सहभागिता के कार्य में पूर्ण समर्पण के साथ योगदान करती रहूंगी।

मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत महिलाओं-बालिकाओं को किया गया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-5.0 अभियान के तहत मंगलवार को जनपद भर में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों पर गठित मिशन शक्ति एवं एंटी-रोमियो टीमों ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूल-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया।

इस दौरान टीमों द्वारा सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केंद्र योजना आदि की जानकारी दी गई। साथ ही महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े हेल्पलाइन नंबरों 1090 (वीमेन पावर लाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 1076 (सीएम हेल्पलाइन), 102/108 (स्वास्थ्य व एंबुलेंस सेवा), 181 (महिला हेल्पलाइन), 1930 (साइबर क्राइम हेल्पलाइन) के बारे में पंपलेट वितरित कर विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिस ने महिलाओं से किसी भी आपात स्थिति में बिना संकोच हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करने और सतर्क रहने की अपील की।

श्री प्रभात भजन बोल बम सेवा समिति द्वारा भंडारे का हुआ आयोजन

चुनार, मीरजापुर। भूत भावन भगवान शिव के विवाह के उपलक्ष मे प्रभात भजन, बोल बम समिति ने रामलीला मैदान पर किया भण्डारे का आयोजन। फाल्गुनमास चौदस के दिन शिव विवाह के उपलक्ष्य मे मंगलवार को बृहद भण्डारे मे बड़ी संख्या में भक्तो ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान लक्ष्मी शंकर पांडे, लवकुश गुप्ता, बचाउ लाल सेठ, जगदीश गुप्ता, कौशलैश गुप्ता, ओम जायसवाल, संजय गुप्ता, सौरभ पुजारी, महेन्द्र साहू, संजय साहू, ब्रह्मानंद कुशवाहा, चन्द्रहाश गुप्ता, अमित गुप्ता, अमित सिंह पटेल, गोलू केशरी, विजय गुप्ता, पवन गुप्ता आदि सेवा भाव मे लगे रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ जिला स्वास्थ्य समिति, शासी निकाय की मासिक समीक्षा बैठक

● आयुष्मान, टीबी व मातृ-शिशु स्वास्थ्य योजनाओं की गहन समीक्षा, सुधार के सख्त निर्देश

जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए डीएम ने दिए कड़े निर्देश

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में योजनाओं की समीक्षा, लापरवाही पर कार्रवाई के आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही:- जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की मासिक समीक्षा एवं आयुष विभाग की बैठक जिलाधिकारी शैलेष कुमार की अध्यक्षता में कलेक्टेऊट सभागार में सम्पन्न हुआ। साथ ही महराजा चेतसिंह जिला चिकित्सालय सीएमएस ज्ञानपुर डॉ0 ए0के0 तिवारी के स्वास्थ्य विभाग के सभी इन्डीकेटर्स पर प्रगति खराब होने, कार्य में रूची न लेने व बेहद कार्यप्रणाली खराब होने पर कड़ी फटकार लगाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिया। क्षय रोग विभाग के लेखाकार रजनीश कुमार द्वारा पिछले 06 माह से अनुपस्थित व उनके द्वारा दायित्वों का सही निर्वहन करने पर अन्तिम नोटिस देने के साथ कड़ी कार्यवाही करने का निर्देश दिया। साथ ही पिछली अनुपालन आख्या की समीक्षा की, और कहा कि जिन इन्डीकेटर्स पर प्रगति खराब है, एमओआईसी विशेष निगरानी करते हुए प्रगति लाये। सभी चिकित्सालयों में बायो बेस्ट का निस्तारण सही ढंग से कराने का निर्देश दिया।

एमबीएस भदोही के अधीक्षक ने स्टाफ की कमी बताई तो जिलाधिकारी में मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि जहां अधिक स्टाफ है वहां से स्टाफ को भदोही भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने टीबी मरीजों को चिन्हित करने हेतु टीम बनाकर कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही पहले से चिन्हित टीबी मरीजों को शत-प्रतिशत पोषण पोटली उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। क्वालिटी एसेसमेंट कराने पर बल दिया। आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों का कार्ड बनाने हेतु निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने प्रेग्नेंट वोमेन एण्ड चाइल्ड रजिस्टेऊशन बढ़ाने परजोर दिया गया। यू0पी0 हेल्थ डैशबोर्ड के विभिन्न बिन्दुओं की समीक्षा की गयी। स्वास्थ्य विभाग के हर कार्यक्रम की कंपोजिट रिपोर्ट अगले बैठक में प्रस्तुत किया जाए। सभी एमओआईसी, आशा व एएनएम की हफ्ते में बैठक कर सघन समीक्षा करने का निर्देश दिया। यूनिसेफ, यूएनडीपी की तरह समस्त एमओआईसी अपने ब्लॉकों में जाकर स्थलीय विजिट कर अवलोकन करें। मातृत्व दर का सही डेटा प्रस्तुत किया जाए। सीएचसी, पीएचसी के इंफ्रास्ट्रक्चर पर बल देते हुए खराब स्थिति को ठीक करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने स्वास्थ विभाग की लापरवाहियों पर नाराजगी जताते हुए कड़ा निर्देश दिया कि सभी डॉक्टर जनपद में निवास करें, अन्यथा निरीक्षण में अनुपस्थित पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि बैठक की कार्यवृत्ति में सभी बिन्दुओं की समीक्षा अगले दिन तक अवश्य उनके समक्ष प्रस्तुत किया जाए। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने क्वालिटी एश्योरेंस कार्यक्रम के अन्तर्गत आयुष्मान आरोग्य मन्दिर में लैब स्लैब एवं बेसिंग उपलब्धता पर बल दिया। स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत डॉक्टरों के उपस्थिति की चेकिंग एवं कार्य के प्रति उनकी दक्षता का सतत् मूल्यांकन हो। आयुष्मान आरोग्य मंदिर में व्यक्तिगत व टीम बेस्ड इंटेंसिव बढ़ाने व सुधार करने का जिलाधिकारी ने निर्देश दिया। सभी पीएचसी, सीएचसी पर ड्यूटीरूम सहित सभी जगह साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित हो।

जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने सभी एमओआईसी को निर्देशित किया कि संस्थागत प्रसव को बढ़ाये, इस सन्दर्भ में आशा व एएनएम को प्रेरित करें। प्रसूता को कम से कम 48 घण्टे अस्पताल में रूकने हेतु प्रेरित किया जाय। राष्ट्रीय दृष्टिहीनता/दृष्टि दोष की जॉच हेतु जिलाधिकारी ने कैम्प लगाकर अभियान चलाने का निर्देश दिया। ई-कवच समरी रिपोर्ट के अन्तर्गत जिलाधिकारी ने सभी एमओआईसी को आभा आईडी जनरेट करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने जनपद में कार्यरत सभी कम्युनिटी आफिसर को निर्देशित किया कि आयुष्मान आरोग्य मन्दिर की प्रभावी क्रियाशीलता हेतु अटेन्डेंस के माध्यम से नियमित करें, लापरवाही न बरते। सभी आयुष्मान आरोग्य मन्दिर पर बिजली, पानी, दवा की उपलब्धता शत-प्रतिशत सुनिश्चित हो। जहॉ कुछ कमी है, वहॉ के चिकित्सा अधीक्षक, डीपीआरओ व सीडीओ से समन्वय स्थापित कर पूर्ण कराये। जिलाधिकारी द्वारा समीक्षा करते हुए सम्बन्धित को निर्देशित किया गया कि सभी अपने उत्तरदायित्वों व कार्यो का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी के साथ करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संतोष कुमार चक, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक यूनानी अधिकारी डॉ0 अरबिन्द कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवम पाण्डेय, समस्त जिला अस्पतालो के सीएमएस, समस्त एसीएमओ, स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारी व कर्मचारीगण, समस्त एमओआईसी आदि उपस्थित रहे। जिला सूचना कार्यालय भदोही द्वारा प्रसारित।

रेणुकूट में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब भगवान भूतनाथ की भव्य महाबारात का पूर्व चेयरमैन निशा सिंह ने किया जोरदार स्वागत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रेणुकूट, सोनभद्र। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर औद्योगिक नगरी रेणुकूट पूरी तरह शिवमय नजर आई। देवाधिदेव महादेव की भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं ने भगवान भूतनाथ की एक विकराल महाबारात निकाली, जिसका नगर में जगह-जगह भव्य स्वागत हुआ। इस क्रम में नगर पंचायत रेणुकूट की पूर्व चेयरमैन निशा सिंह के आवास पर महाबारात का अभूतपूर्व स्वागत किया गया, जहाँ उन्होंने सपरिवार भोलेनाथ का पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। हर वर्ष की परंपरा को जीवंत रखते हुए इस वर्ष भी भगवान भोलेनाथ की बारात अत्यंत भव्य और आकर्षक ढंग से निकाली गई। बारात में शामिल। शिव-पार्वती के प्रसंगों पर आधारित सुंदर झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। भूत-पिशाच, देवी-देवता और संतों की वेशभूषा में सजे कलाकारों ने जीवंत दृश्य प्रस्तुत किया। डमरू दल और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। इन दृश्यों को देखने के लिए सड़कों पर जनसैलाब उमड़ पड़ा और श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर बारात का अभिनंदन किया। जैसे ही महाबारात पूर्व चेयरमैन निशा सिंह के आवास के समीप पहुँची, वहाँ का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। निशा बबलू सिंह ने पूरे विधि-विधान के साथ भगवान शिव के स्वरूप का स्वागत किया। उन्होंने सपरिवार भगवान भूतनाथ की आरती उतारी और श्रद्धापूर्वक पुष्प अर्पित किए।इस अवसर पर उन्होंने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा भगवान शिव की इस अलौकिक महाबारात का हिस्सा बनना और भोलेनाथ का पूजन करने का सौभाग्य मिलना मेरे लिए अत्यंत गौरव की बात है। बाबा भूतनाथ नगरवासियों पर अपनी असीम कृपा बनाए रखें और सभी का जीवन खुशहाली व समृद्धि से भरा रहे, यही मेरी प्रार्थना है। पूर्व चेयरमैन की टीम ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सेवा और समर्पण के भाव से दिन-रात एक कर दिया था। बारात के स्वागत के लिए आवास पर श्रद्धालुओं और भक्तों के लिए जलपान एवं शीतल जल की विशेष व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम के दौरान बड़ी सं या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। बारात मार्ग पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, ताकि शिवभक्त सुगमता से अपने गंतव्य तक पहुँच सकें। पुलिस बल और स्वयंसेवकों की टीम पूरी मुस्तैदी के साथ व्यवस्था संभालने में जुटी रही।

संक्षिप्त खबरें

प0 राम चन्द्र शुक्ल पाण्डेय पुर छिबैया का निधन

प्रयागराज। प0 राम चन्द्र शुक्ल पाण्डेय पुर छिबैया का आज निधन हो गया। वे क्षेत्र के बहुत सम्मानित प्रतिभा थे और श्री दुवार्षा समिति ककरा दुबावल प्रयाग राज के संस्थापक सदस्य थे उनकी उम्र96 वर्ष थी उनकी शव यात्रा मे क्षेत्र के काफी सम्मानित लोग थे महर्षि दुवार्षा इन्टर कलेज के प्रबन्धक विनय कुमार मिश्र जी ने विद्यालय मे एक शोक शभा आहुति किया और कहा शुक्ल जी के निधन से क्षेत्र की बहुत क्षति हुयी सभा मे प्रमोद सोपरी जी अरुण मिश्र जी अशोक दुबे जी राम शिरोमाण मिश्र जी मौला मिश्र जी आदि शामिल हुए

प्रयागराज में गंगा नदी में नहाने गए किशोर समेत दो डूबे, एक का शव बरामद; दूसरे की गोताखोर कर रहे तलाश

संसू, झूंसी (प्रयागराज)। प्रयागराज में दर्दनाक हादसा हुआ। माघ मेला क्षेत्र में गंगा नदी में नहाने गए दो लोग गहरे पानी में जाने के कारण डूब गए। शोर मचा तो मौके पर पुलिस पहुंची। पुलिस ने तत्काल गोताखोरों को बुलवाया और डूबने वालों की तलाश कराई। इस दौरान एक किशोर का शव बरामद हो गया, हालांकि दूसरे की तलाश की जा रही है। उल्लेखनीय है कि माघ मेला का सभी स्नान पर्व महाशिवरात्रि के साथ ही समाप्त हो चुका है। अब पुलिस, पीएसी और जल पुलिस की टीमें भी वापस लौट गई हैं। माघ मेला क्षेत्र के पीपा पुल नंबर चार के निकट फूलपुर थाना क्षेत्र के पहाती गांव के रहने वाले अशोक पटेल के 15 वर्षीय पुत्र आदित्य पटेल और कटका झूंसी निवासी कार्तिक तिवारी पुत्र अजय तिवारी स्नान करने पहुंचे। कार्तिक जौनपुर का मूल निवासी है।

प्रयागराज में दर्दनाक हादसा, परीक्षा केंद्र देखने गई इंटरमीडिएट की छात्रा को ट्रक ने रौंदा, चली गई जान

बहरिया (प्रयागराज)। सरायगनी गांव के सामने धमौर मोड़ पर मंगलवार दोपहर दर्दनाक हादसा हुआ। परीक्षा केंद्र देखकर फुफेरे भाई के साथ घर लौट रही इंटरमीडिएट की छात्रा को ट्रक ने रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में उसका फुफेरा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना के बाद चालक ट्रक लेकर भाग निकला। बहरिया पुलिस उसकी तलाश कर रही है। बहरिया थाना क्षेत्र के सरायगनी निवासी शैलेंद्र कुमार मौर्य की 17 वर्षीया पुत्री वैष्णवी मौर्य उर्फ अनुपम यूपी बोर्ड की इंटरमीडिएट की छात्रा थी। वह आरएस आनंद हूबराजी संवारी संस्कार इंटरमीडिएट कालेज मैलहा में पढ़ती थी। परीक्षा केंद्र मां कौशल्या देवी रमारानी मौर्य इंटर कालेज धमौर में गया था। 18 फरवरी से परीक्षा शुरू होनी है। वह मंगलवार दोपहर परीक्षा केंद्र देखने फुफेरे भाई प्रदीप कुमार मौर्य निवासी दौलतपुर के मजरा देवरा के साथ बाइक से गई थी। वहां से दोनों घर लौट रहे थे। सरायगनी गांव के सामने धमौर मोड़ पर पीछे से तीव्र गति से आए ट्रक ने बाइक में टक्कर मारा। इससे वैष्णवी सड़क के बीच में गिरी और ट्रक उसे रौंदता हुआ आगे निकल गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। प्रदीप कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया।

AMU में पढ़ने वाली आठवीं की छात्रा ने घर में फंदा लगाकर दी जान, पारिवारिक कारणों से थी परेशान

अलीगढ़। क्वार्सी थाना क्षेत्र के धौर्रा माफी में मंगलवार को पारिवारिक तनाव से अवसाद में चल रही कक्षा आठ की छात्रा ने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्रा आज बीमार होने के कारण स्कूल नहीं गई थी और घर पर अकेली थी। दोपहर में मां जब स्कूल से लौटीं तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी आवाज देने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर दरवाजा खोलकर देखा गया तो छात्रा का शव दरवाजे की चौखट से लटका मिला। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। धौर्रा माफी निवासी 14 वर्षीय अदीबा तारी अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के एबीके हाई स्कूल में कक्षा आठ की छात्रा थी। वह अपनी मां साहिमा हसन और दो छोटे भाइयों के साथ किराये के फ्लैट में रहती थी। मां एक निजी स्कूल में शिक्षिका हैं। पुलिस के अनुसार अदीबा के पिता तारीक ने वर्ष 2018 में दूसरी शादी करने के बाद सऊदी अरब में रहने लगे थे। पिता के अलग रहने और बातचीत न होने के कारण छात्रा काफी समय से मानसिक तनाव में रहती थी।

यूएस राजदूत गोर को सेना मुख्यालय में किसने जाने दिया, विपक्ष भड़का, सेना की सफाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर की भारतीय सेना की वेस्टर्न कमांड मुख्यालय की यात्रा ने राजनीतिक हलचल मचा दी है। सोमवार को चंडीगढ़ के चंडीमंदिर स्थित मुख्यालय का दौरा करने वाले गोर की इस यात्रा को विपक्ष ने नरेंद्र मोदी सरकार की अमेरिकी हितों को प्राथमिकता देने की नीति का विस्तार बताया है। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया है कि भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हितों को अमेरिका के इशारों पर चलाया जा रहा है। वहीं, सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इस यात्रा को रेयर लेकिन अप्रत्याशित नहीं बताते हुए भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी के बढ़ते संबंधों का संकेत बताया। गोर इसके बाद अब बेंगलुरु का दौरा करने वाले हैं। जहां वे हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड कंपनी का दौरा भी कर सकते हैं। बेंगलुरु में सेना से जुड़े कई कार्यक्रम रखे गए हैं। सर्जियो गोर, जो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी सहयोगी हैं, ने पिछले महीने भारत में अमेरिकी राजदूत के

रूप में पदभार ग्रहण किया है। वे दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के लिए अमेरिकी विशेष दूत के रूप में भी कार्यरत हैं। अपनी यात्रा की जानकारी साझा करते हुए गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया: 'अभी-अभी चंडीगढ़ पहुंचा हूं। भारतीय सेना की वेस्टर्न कमांड का दौरा करने के लिए उत्सुक हूं।' उनके साथ अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के कमांडर एडमिरल सैमुअल जे. पापारो भी थे। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर की यात्रा से पहले किसी विदेशी राजदूत द्वारा भारतीय सेना के पश्चिमी कमान मुख्यालय का दौरा करने का कोई दस्तावेजी उदाहरण नहीं है। यह पहली बार है। 2014 से पहले किसी विदेशी राजदूत द्वारा भारतीय सेना कमान मुख्यालय का दौरा करने का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला है। 2016 में, हमले के बाद जांच के लिए पाकिस्तान की संयुक्त जांच टीम (जेआईटी) को पठानकोट वायुसेना अड्डे का निरीक्षण करने की अनुमति दी गई थी। वेस्टर्न कमांड ने एक्स पर इस यात्रा की जानकारी साझा करते हुए कहा: 'भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर... और कमांडर एडमिरल सैमुअल जे. पापारो... ने वेस्टर्न कमांड मुख्यालय का दौरा किया और लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, आर्मी कमांडर, वेस्टर्न कमांड के साथ भारत की पश्चिमी सीमा पर रणनीतिक सुरक्षा गतिशीलता पर गहन चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल को वेस्टर्न फ्रंट के परिप्रेक्ष्य पर व्यापक जानकारी दी गई, जिसमें परिचालन तैयारियां, विशिष्ट विरासत, ऑपरेशन सिंदूर का संचालन और राष्ट्र निर्माण तथा क्षेत्रीय स्थिरता में भारतीय सेना की महत्वपूर्ण भूमिका शामिल है। '

मनरेगा बचाओ महासंग्राम; विधानसभा घेरने निकले कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने रोका, कई नेता हिरासत में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मनरेगा योजना की बहाली की मांग को लेकर यूपी कांग्रेस ने मंगलवार को विधानसभा घेराव का ऐलान किया है. इसके बाद पुलिस एक्टिव हो गई और प्रदेशभर से कांग्रेस मुख्यालय पहुंचने वाले तमाम कार्यकर्ताओं को रास्ते में रोक लिया गया और कई नेताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया. हालांकि कांग्रेस कार्यालय पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे हैं. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, राष्ट्रीय महासचिव व यूपी प्रभारी अविनाश पांडेय के अलावा पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, सांसद और विधायक इस प्रदर्शन में मौजूद हैं. भारी संख्या में कांग्रेस मुख्यालय के बाहर पुलिस बल की तैनाती की गई है. गेट के बाहर बैरिकेडिंग की गई है. जिससे गेट के बाहर कार्यकर्ता न निकलने पाएं. कांग्रेस के सभी नेताओं ने कार्यालय के अंदर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. काफी देर बाद जबरन कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता

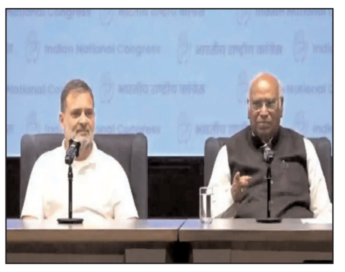

विधानसभा की तरफ कूच करने निकले, लेकिन उन्हें पुलिस ने आगे नहीं बढ़ने दिया. कार्यकर्ता बैरीकेडिंग पर चढ़कर विरोध करने लगे, लेकिन पुलिस ने सभी को वहीं पर रोक दिया. किसी को भी विधानसभा की तरफ नहीं बढ़ने दिया. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने ईटीवी भारत से कहा कि सरकार हमारे चाहे कितने नेताओं और कार्यकर्ताओं को हाउस अरेस्ट क्यों न कर ले. हमें भी विधानसभा घेरने से रोकने की कितनी भी कोशिश क्यों न कर ले, लेकिन हम मानने वाले नहीं हैं. हमारे कार्यकर्ता विधानसभा का घेराव जरूर करेंगे. कोई ताकत, कोई पुलिस बल हमें नहीं रोक सकता. कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने ईटीवी भारत से बातचीत करते हुए कहा कि मनरेगा योजना की बहाली के लिए पिछले 40 दिनों से कांग्रेस पार्टी प्रदेशभर में चौपालों-सभाओं का आयोजन कर रही है. आज विधानसभा घेरने का ऐलान किया गया था. इसी वजह से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे हुए हैं. इस सरकार में किसी को आवाज उठाना मुश्किल हो रहा है. हमारे तमाम नेता और कार्यकर्ता हाउस अरेस्ट किए गए हैं. फिर भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता यहां पर पहुंचे हैं. अविनाश पांडेय ने कहा कि चाहे जितनी पुलिस लगा ली जाए. चाहे जितनी बैरिकेडिंग की जाए, लेकिन हमारा प्रण है कि हम विधानसभा का घेराव करने जरूर निकलेंगे और घेराव करके ही रहेंगे. सरकार ने जिस तरह से पुलिस बल की तैनाती की है ऐसा लग रहा है कि यह भारत-पाकिस्तान का बॉर्डर हो, लेकिन कोई पुलिस कोई बैरिकेडिंग हमारे कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकते.।

मण्डलायुक्त ने योजनाओं में लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति न पाये जाने पर सम्बंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के दिए निर्देश

●पीएम सूर्यघर योजना के अन्तर्गत प्रगति खराब पाये जाने पर कड़ी नाराजगी।

कान्हा उपवन एवं कान्हा गौशाला केन्द्रों के निर्माण - फतेहपुर के प्रोजेक्ट मैनेजर के बैठक में अनुपस्थित रहने पर उनसे स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के दिए निर्देश।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी।

प्रयागराज। मण्डलायुक्त सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को गांधी सभागार में विकास कार्यों की मण्डलीय समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त ने पीएम सूर्यघर योजना, दशमोत्तर/पूर्वदशमोत्तर छात्रवृत्ति/प्रतिपूर्ति योजना, पीएम कुसुम योजना, एनआरएलएम योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, फैमिली आईडी, 15वां वित्त आयोग, शादी अनुदान योजना, आईसीडीएस पोषण अभियान, नई सड़कों का निर्माण, ओडीओपी टूलकिट योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना, बेसिक शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन, नमामि गंगे सहित अन्य योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति न पाये जाने पर सम्बंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। पीएम सूर्यघर योजना के की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने प्रयागराज की प्रगति खराब पाये जाने पर विद्युत विभाग से समन्वय करते हुए सोलर रूफटाफ स्थापना को शत-प्रतिशत सुनिश्चित किए जाने का वेण्डरों के साथ बैठक करते हुए कार्यों में तेजी लाये जाने के लिए कहा है। जनपद कौशाम्बी एवं प्रतापगढ़ जनपद को भी कार्यों में तेजी लाते हुए ए श्रेणी की रैकिंग प्राप्त किए जाने के लिए कहा है। दशमोत्तर/पूर्वदशमोत्तर छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति योजना की समीक्षा में जनपद

प्रयागराज व कौशाम्बी की प्रगति ठीक न पाये जाने पर मण्डलायुक्त ने समाज कल्याण, अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अधिकारियों को शिक्षण संस्थाओं के साथ बैठक करते हुए इसमें तेजी लाये जाने पीएम कुसुम योजना के तहत सोलर पम्पों की स्थापना में प्रयागराज, फतेहपुर एवं कौशाम्बी की प्रगति खराब पाये जाने पर मण्डलायुक्त ने स्वीकृत आवेदन पत्रों के सापेक्ष शत-प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया है।

मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण की समीक्षा में जनपद प्रतापगढ़ की प्रगति धीमी पाये जाने पर सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित किए जाने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए चिकित्साधिकारियों को सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर साफ-सफाई सहित सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित किए जाने। मण्डल के समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी को ब्लाकवार आशावार गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण के सापेक्ष सरकारी व निजी चिकित्सालयों में कराये जा रहे प्रसवों की समीक्षा करने शत-प्रतिशत संस्थागत सुनिश्चित किए जाने तथा लाभार्थियों को मिलने वाले इंसेंटिव का भुगतान भी समय से सुनिश्चित कराये जाने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने नवजात बच्चों एवं प्रसव से सम्बंधित होने वाली महिलाओं की मृत्यु का अनिवार्य रूप से ऑडिट कराये जाने एवं ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर पाये जाने वाले कारणों के आधार पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए व्यवस्थायें सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों को आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से जीरो से पांच वर्ष के बच्चों की होने वाली मृत्यु से सम्बंधित सूचना प्राप्त किए जाने के लिए कहा। को नियमित रूप से प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण कराये जाने एवं वहां पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए है।

मण्डलायुक्त ने पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए कान्हा उपवन एवं कान्हा गौशाला केन्द्रों के निर्माण कार्यों । जनपद फतेहपुर के ग्राम सभा जाफराबाद गोकुलपुर, नगर पंचायत किशनपुर एवं बहुआ देहात में बन रहे कान्हा गौशाला केन्द्रों के निर्माण कार्य की प्रगति धीमी पाये जाने पर उन्होंने कार्य में तेजी लाते हुए शीघ्रता से कार्य को पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने अभियान चलाकर निराश्रित गोवंशों को गौआश्रय स्थलों में संरक्षित किए जाने हेतु निर्देशित किया उन्होंने गौ आश्रय स्थलों पर भूसा-चारा, पानी, प्रकाश तथा आने वाले गर्मी के मौसम को देखते हुए छांव की समुचित व्यवस्था किए जाने के साथ-साथ सभी गौवंशों का टीकाकरण कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने हरे चारे के लिए नैपकिन घास की बोआई भी कराये जाने के लिए कहा है। मण्डलायुक्त ने मण्डल के जनपदों में 10 सबसे अधिक लागत की परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए कार्यों को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराये जाने का तेहपुर के सीएनडीएस कार्यदायी संस्था के यूनिट 55 के प्रोजेक्ट मैनेजर के अनुपस्थित पाये जाने पर उनसे स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए खराब होने वाले ट्रांसफार्मरों को निर्धारित समयसीमा में अनिवार्य रूप से बदले जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने मण्डल के सभी जिलो के अभियंताओं को अपने-अपने जिलो में पर्याप्त संख्या में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के लिए कहा हैं, जिससे कि जैसे ही कोई ट्रांसफार्मर जले, उसको तत्काल बदला जा सके तथा खराब ट्रांसफार्मर की मरम्मत भी की जा सके। कर-करेत्तर जिन विभागों के द्वारा लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित नहीं की जा सकी है, उन्हें कार्य योजना बनाकर शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा, जिलाधिकारी प्रतापगढ़ शिव सहाय अवस्थी, जिलाधिकारी फतेहप रविन्द्र सिंह के साथ-साथ मण्डल के सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

माहौल जहरीला हो रहा है': देश में भाईचारा बढ़ाएँ राजनीतिक नेता, आपसी सम्मान के आधार पर लड़े जाएँ चुनाव : सुप्रीम कोर्ट।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देश में नेताओं के भाषणों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम टिप्पणी की है। मंगलवार को एक सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि राजनीतिक नेताओं को देश में भाईचारा बढ़ाने का काम करना चाहिए। कोर्ट ने शिक्षाविद रूप रेखा वर्मा समेत 12 याचिकाकर्ताओं से राजनीतिक भाषणों पर दिशानिर्देश के लिए एक नई याचिका दाखिल करने को कहा है। चीफ जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस जयमाल्य बागची की बेंच ने मौजूदा जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिका में नेताओं और मीडिया के लिए गाइडलाइन बनाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि कुछ नेताओं के भाषण भाईचारे और संवैधानिक मूल्यों को प्रभावित करते हैं।कोर्ट ने कहा कि याचिका चुनिंदा लोगों को निशाना बना रही है और याचिकाकर्ताओं को नई याचिका दाखिल करने को कहा। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि राजनीतिक नेताओं को देश में भाईचारा बढ़ाने का काम करना चाहिए। कोर्ट ने शिक्षाविद रूप रेखा वर्मा समेत 12 याचिकाकर्ताओं से राजनीतिक भाषणों पर दिशानिर्देश के लिए एक नई याचिका दाखिल करने को कहा है। चीफ जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस जयमाल्य बागची की बेंच ने मौजूदा जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिका में नेताओं और मीडिया के लिए गाइडलाइन बनाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि कुछ नेताओं के भाषण भाईचारे और संवैधानिक मूल्यों को प्रभावित करते हैं। याचिकाकर्ताओं की तरफ से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल पेश हुए। उन्होंने कहा कि देश में माहौल जहरीला होता जा रहा है। यह याचिका असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के कथित हेट स्पीच के संदर्भ में दायर की गई थी। सिब्बल ने दलील दी कि किसी एक नेता के खिलाफ राहत नहीं मांगी जा रही है, बल्कि भाषणों में जवाबदेही तय करने के लिए गाइडलाइन बनाने का अनुरोध किया गया है। हालांकि, बेंच कपिल सिब्बल की दलील से सहमत नहीं हुई। चीफ जस्टिस ने कहा कि यह याचिका एक खास राजनीतिक दल के कुछ चुनिंदा व्यक्तियों के खिलाफ दिखती है।

उन्होंने कहा कि इसे वापस लें। एक दूसरी याचिका दायर करें जिसमें यह बताया जाए कि राजनीतिक दल कैसे नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह एक निष्पक्ष याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार है। सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने कहा, 'राजनीतिक नेताओं को देश में भाईचारा बढ़ाना चाहिए।' उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर हम गाइडलाइन बना भी दें, तो उनका पालन कौन करेगा? भाषण की उत्पत्ति विचारों से होती है। आप विचारों को कैसे नियंत्रित कर सकते हैं? हमें संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप विचारों को बढ़ावा देना होगा। कपिल सिब्बल ने चुनाव आचार संहिता का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान आचार संहिता लागू होती है, लेकिन उससे पहले दिए गए भाषण सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। उन्होंने पूछा कि ऐसे मामलों में मीडिया की क्या जिम्मेदारी है ताकि लोकतांत्रिक माहौल खराब न हो। जस्टिस बागची ने कहा कि कोर्ट केवल आदेश पारित कर सकता है, लेकिन उन्हें लागू करना एक चुनौती है। उन्होंने कहा कि हेट स्पीच को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहले ही कई सिद्धांत तय कर चुका है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि इसमें राजनीतिक दलों की भी जिम्मेदारी बनती है, क्योंकि नेता पार्टी का ही सदस्य होता है याचिकाकर्ताओं की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि स्थिति अत्यंत विषाक्त होती जा रही है और इस पर न्यायालय को हस्तक्षेप करना चाहिए। हालांकि, सीजेआई सूर्यकांत ने टिप्पणी की कि याचिका वस्तुतः एक विशेष व्यक्ति को लक्ष्य बनाकर दायर की गई प्रतीत होती है, क्योंकि इसमें मुख्यतः उन्हीं के भाषणों का उल्लेख है। सिब्बल ने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ राहत नहीं मांगी गई है और उन्होंने याचिका से संबंधित संदर्भ हटाने का आश्वासन दिया। सीजेआई ने सुझाव दिया कि याचिका वापस लेकर संवैधानिक सिद्धांतों पर केंद्रित नई याचिका दायर की जाए, ताकि किसी दल या व्यक्ति के खिलाफ पक्षपात का आभास न हो। सिब्बल ने तर्क दिया कि आचार संहिता लागू होने से पहले दिए गए भड़काऊ भाषण चुनाव अवधि में भी प्रसारित होते रहते हैं, जिन पर निर्वाचन आयोग कार्रवाई नहीं करता, इसलिए मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के लिए भी दिशानिर्देश आवश्यक हैं।

एनसीपी गुटों का विलय रद्दः विधायकों के बयान पर रोक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महाराष्ट्र में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। एनसीपी (अजित पवार) ने विधायकों के बयान देने पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया है। शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट के साथ विलय की बातचीत फिलहाल खत्म हो गई है। सुनेत्रा पवार को 26 फरवरी को अगला अध्यक्ष चुना जा सकता है। एनसीपी गुटों के विलय की अटकलों पर अब पूर्ण विराम लग गया है। पार्टी नेतृत्व ने अपने विधायकों पर सख्त 'गैग ऑर्डर' (मौन आदेश) जारी कर दिया है। इससे साफ हो गया है कि फिलहाल दोनों एनसीपी गुटों का विलय संभव नहीं है। कहा जा रहा है कि कुछ विधायक विलय की ज़ोरदार वकालत कर रहे हैं। विलय न होने की स्थिति में कुछ विधायक बीजेपी में जा सकते हैं। यह निर्देश सोमवार को उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के आधिकारिक निवास 'देवगिरि' में विधायकों की बैठक में जारी किया गया। बैठक में पार्टी ने यह भी औपचारिक रूप से तय किया कि दिवंगत पार्टी प्रमुख अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को अगला एनसीपी राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाएगा। अजित पवार की 28 जनवरी को एक विमान हादसे में मौत हो गई थी। कोर कमेटी की बैठक में सभी विधायकों ने हाथ उठाकर इस प्रस्ताव का समर्थन किया। पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने बाद में बताया कि चुनाव 26 फरवरी को मुंबई में होगा और सुनेत्रा पवार के निर्विरोध चुने जाने की संभावना है। विधायकों पर लगाए गए मौन आदेश के बारे में पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि नेतृत्व यह जानना चाहता है कि कुछ विधायकों द्वारा एनसीपी (एसपी) के साथ विलय की मांग क्यों की जा रही है। क्या यह बाहरी प्रभावों से प्रेरित है या विधायकों की अपनी मान्यता है कि विलय से उनके क्षेत्रों में स्थिति मजबूत होगी? हाल ही में इस बात के संकेत मिले थे कि अगर विलय नहीं होता है तो कुछ विधायक बीजेपी में शामिल हो सकते हैं।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में कई पंथों के साधु संतों ने अपने विचार व्यक्त किए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। दिनों दिन बढ़ता बाल भिक्षावृत्ति पेशा, देश के भविष्य को अंधेरे में धकेलता जा रहा है। भारत सरकार द्वारा बनाए गए बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन कानून का पालन कराने को सौंपी गई जिम्मेदारी का निर्वहन करने में प्रशासनिक अधिकारी अभी तक विफल साबित हुए हैं। उक्त बातें नागा संत शिरोमणि दामोदर दास महाराज ने बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन राष्ट्रीय संगोष्ठी में संत समाज के समक्ष कहीं। संत समाज ने उनकी बातों का समर्थन किया। सबने मिलकर इस प्रथा को समाप्त करने का संकल्प लिया। मंगलवार को माघ मेला में संगम अपर मार्ग पर महावीर चौराहा स्थित सेक्टर एक स्थित नागा संत शिरोमणि सती अनुसुइया आश्रम चित्रकूट धाम के शिविर में भौमा अमावस्या पर बाल भिक्षावृत्ति उन्मूलन संगोष्ठी आयोजित की गई। राष्ट्रीय संगोष्ठी में कई पंथों के साधु संतों ने अपने विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी की अध्यक्षता नागा संत दामोदरदास महाराज ने की। उन्होंने कहा कि भारत में इस्लामिक गतिविधियां संचालित करने वालों को देश से निकलने का काम साधु संत करेंगे। कहा कि भारत में बाल भिक्षावृत्ति अभिशाप बना हुआ है। इसके उन्मूलन को भारत सरकार द्वारा कानून बनाया गया है। उसका पालन नहीं हो रहा है। हम साधु संतों को एक होकर भारत के उज्जवल भविष्य को बचाना है। बिना साधु संतों के सनातन धर्म की अगुवाई करने से यह पूर्ण रूप से बंद नहीं होगा। परिवर्तन संस्था के प्रदेश अध्यक्ष मोनू गुप्ता ने कहा कि आज हम लोग अपने बच्चों को पढ़ने लिखने के लिए अच्छी शिक्षा देने का कार्य करते हैं। अगर हम लोग बच्चों का भविष्य बदलने का संकल्प लें तो भारत से बाल भिक्षावृत्ति पूर्ण रूप से बंद होगी। हम लोगों के सामूहिक प्रयास और जन जागरूकता से ही इस श्राप से मुक्ति मिलेगी। संगोष्ठी के बाद माघ महोत्सव विदाई समारोह और भंडारा प्रसाद वितरण किया गया। समापन पर पूज्य संत दामोदर दास महाराज ने कहा कि माघ मेला एक महीने का होता है। साधु संत आते हैं लेकिन कभी भी सामूहिक प्रयास नहीं करते हैं कि मां गंगा को प्रदूषण मुक्त और बाल भिक्षा को समूल रूप से खत्म किया जाए। सामूहिक प्रयास करना अति आवश्यक है। संगोष्ठी में देवेंद्र दास, ओम दास, राघव दास, महावीर दास, गोविंद दास, गणेश दास, कैलाश दास, रघुनाथ दास, ज्योतिषी गोवर्धन दास, हरिदास, कृष्ण मोहन, राधा गोविंद, ज्ञान दास आदि विद्वत संत समाज उपस्थित रहा।

साहित्यकार सत्कारः काव्य संग्रह का हुआ लोकार्पण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। मौलिक विचार एवं साहित्यिक सर्जना की प्रतिनिधि पत्रिका साहित्यांजलि प्रभा से प्रवर्तित साहित्यांजलि प्रकाशन प्रयागराज द्वारा इस माह का साहित्य रत्न सम्मान वरिष्ठ साहित्यकार जनकवि जय प्रकाश शर्मा प्रकाश दिया गया ।गोविंदपुर में अपट्रान चौराहे पर स्थित शिवासिटी मान्टेसरी स्कूल के सभागार में कल शाम सम्पन्न हुए भव्य समारोह में ख्यातिलब्ध साहित्यकार डॉ शंभूनाथ त्रिपाठी अंशुल की अध्यक्षता और माननीय न्यायमूर्ति सुधीर नारायण के मुख्य आतिथ्य में साहित्यकार सत्कार : आपके द्वार सम्मान योजना में जनकवि को साहित्य रत्न सम्मान प्रतीक चिन्ह और अंगवस्त्र देकर अलंकृत किया गया और इस अवसर पर इनकी पचपनवीं कृति क्या खोया क्या पाया का लोकार्पण भी मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया ।मां सरस्वती के चित्र पर मुख्य अतिथि द्वारा माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके सम्मान समारोह शुरू हुआ जिसमें देववाणी संस्कृत में सरस्वती वंदना गरिमा साहू ने की और डॉ राम लखन चौरसिया वागीश ने मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया । सभी का परिचय मासिक पत्रिका साहित्यांजलि प्रभा के सह सम्पादक रवींद्र कुशवाहा ने दिया और विवेक शर्मा सुमन ने मंचासीन अतिथियों सहित सभी उपस्थित कवियों को अंगवस्त्र और माल्यार्पण करके अभिनंदित कि रवीन्द्र कुशवाहा,राकेश मालवीय मुस्कान, आचार्य अनीस देहाती , अनिल बहोरिकपुरी, शिवम भगवती अभ्युदय सिंह , विमल राय , अशोक कुमार , डॉ ज्ञान सिंह, मती सुमन शर्मा, रश्मि राधे, पंक्ति प्रकाश, पं देवी प्रसाद मिश्र वेदांती, पीयूष मिश्रा ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह का संचालन डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने किया जिसमें आसपास के अन्य गणमान्य नागरिक भी शामिल रहे। सभी उपस्थित जनों को पुस्तक और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। आभार विवेक शर्मा सुमन ने व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

भाजपा समर्थित उम्मीदवार सम्पा साहा ने कोर्ट परिसर में चलाया जनसंपर्क अभियान

पाकुड़, झारखंड:- भाजपा समर्थित पाकुड़ नगर परिषद अध्यक्ष पद की उम्मीदवार सम्पा साहा ने पाकुड़ के कोर्ट परिसर में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने अधिवक्ताओं से मुलाकात कर अपने चुनाव चिन्ह बाल्टी छाप के समर्थन में सहयोग मांगा। अध्यक्ष पद की प्रत्याशी सम्पा साहा ने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र में पानी, सड़क, बिजली और सफाई जैसे बुनियादी विकास कार्यों को आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने बताया कि चांदपुर पुठीमारी से पाकुड़ तक गंगाजल आपूर्ति शुरू हो चुकी है और कई टंकियों तक पानी पहुँचा दिया गया है। कुछ इलाकों में पाइपलाइन विस्तारीकरण का कार्य शेष है, जिसे शीघ्र पूरा किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता के समर्थन से पाकुड़ के हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुँचाया जाएगा और शहर के विकास को नई गति दी जाएगी। जनसंपर्क अभियान में भाजपा जिला अध्यक्ष सरिता मुर्मू, राष्ट्रीय मंत्री मिस्फिका हसन, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनुग्राहित प्रसाद साह, पूर्व जिलाध्यक्ष बलराम दुबे सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी एवं अधिवक्ता मौजूद रहे।

गांव में शराब दुकान से बिगड़ा माहौल, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा डीएम से शिकायत, दुकान हटाने की उठी मांग

ललितपुर। जिले के ग्राम सतगता में स्थित सरकारी देशी शराब की दुकान ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। दुकान खुलने के बाद गांव की शांति व्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यहां आए दिन शराबियों की भीड़ जुटती है, जिससे गाली-गलौज, झगड़े और अश्लील हरकतों की घटनाएं बढ़ गई हैं। ग्रामीणों के अनुसार, शाम ढलते ही शराबियों का जमावड़ा लग जाता है। नशे में धुत लोग राहगीरों से अभद्रता करते हैं, कई बार मारपीट तक की नौबत आ जाती है। इससे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को घर से निकलने में डर लगने लगा है। गांव के रास्तों पर अराजकता का माहौल बन जाता है, जिससे आमजन का जीवन प्रभावित हो रहा है। स्थिति से आक्रोशित महिलाओं और ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र भेजते हुए शराब की दुकान को आबादी से दूर स्थानांतरित करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन से जनहित को सर्वोपरि रखते हुए त्वरित कदम उठाने की अपील की है, ताकि गांव में पुनः शांति, सुरक्षा और मर्यादित वातावरण बहाल हो सके।

मनरेगा बचाओ आंदोलन, लखनऊ जाते कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी, लोकतंत्र पर हमला : कांग्रेस

ललितपुर। मनरेगा बचाओ कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कार्यकर्ता ललितपुर से लखनऊ विधानसभा घेराव के लिए रवाना हुए थे। इसी दौरान ललितपुर कोतवाली पुलिस ने कांग्रेसजनों का पीछा करते हुए लखनऊ में छावनी परिषद क्षेत्र से उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार जनहित के मुद्दों पर उठने वाली आवाज को दबाने के लिए पुलिस का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि मनरेगा जैसे रोजगारपरक कार्यक्रम को कमजोर करने के खिलाफ शांतिपूर्ण ढंग से विरोध दर्ज करने जा रहे कांग्रेस जनों की गिरफ्तारी लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि इस सरकार की तानाशाही से लोकतंत्र को खत्म नहीं किया जा सकता। हम कांग्रेसी जब तक जीवित हैं और जब तक सांस है, तब तक इस तानाशाही के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे। जब-जब सरकार डरती है, तब-तब पुलिस को आगे कर देती है नेताओं ने कहा। गिरफ्तार किए गए कांग्रेस जनों में प्रदेश सचिव बलवंत सिंह राजपूत, पिछड़ा वर्ग प्रदेश महासचिव पवन विश्वकर्मा, महिला जिलाध्यक्ष नेहा तिवारी, पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष रामभरोसे कुशवाहा, सुनील कुमार राय सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि मनरेगा और आम जनता के अधिकारों पर हमले नहीं रुके, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

नगरपालिका चुनाव 2026 : विभिन्न कोषांगों के कर्मियों को मिला विशेष प्रशिक्षण, निष्पक्ष व सुव्यवस्थित मतदान पर जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार, झारखंड:- नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 को सफल, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से मतदान कार्य से जुड़े विभिन्न कोषांगों के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आज सामान्य प्रेक्षक योगेन्द्र प्रसाद की उपस्थिति में डी.आर.डी.बी सभागार में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण सत्र में निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। प्रभारी पदाधिकारी, प्रशिक्षण कोषांग अनिल मिंज द्वारा मतदान कर्मियों का पार्टी मिलान, मतदान सामग्री, मतपत्र एवं मतपेटिका वितरण, कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित करना, अंतिम नियुक्ति पत्र का वितरण तथा डिस्पैच कार्य की संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान कार्मिक कोषांग, मतपत्र एवं मतपेटिका कोषांग, सामग्री कोषांग, हेल्प डेस्क एवं मेडिकल टीम के कर्मियों को उनके दायित्वों, कार्यप्रणाली और आवश्यक सावधानियों से अवगत कराया गया, ताकि मतदान कार्य पूरी पारदर्शिता और अनुशासन के साथ संपन्न हो सके।

मतदान उपरांत की प्रक्रिया पर भी विशेष जोर दिया गया। राजकीय पॉलिटेक्निक लातेहार में स्थापित रिसीविंग सेंटर पर प्रतिनियुक्त अधिकारियों एवं कर्मियों को मतपेटियों तथा निर्वाचन अभिलेखों की सुरक्षित प्राप्ति, जांच, अभिलेखीकरण एवं वज्रगृह में सुरक्षित भंडारण की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी कर्मी आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करें तथा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप प्रत्येक कार्य सावधानीपूर्वक संपादित करें। निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, सुरक्षा और निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर विशेष बल दिया गया।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से घर क्षतिग्रस्त

अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला खिरकापुरा निवासी एक व्यक्ति ने तेज रफ्तार ट्रक द्वारा घर में टक्कर मारकर फरार हो जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित सुरेश कुशवाहा पुत्र स्व.घनश्याम कुशवाहा ने बताया कि 15 फरवरी 2026 की रात करीब 10.47 बजे अपने घर पर मौजूद थे। इसी दौरान तेज गति से आ रहे एक ट्रक ने उनके घर के गेट में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे गेट क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना तत्काल डायल 112 पर दी गई, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। प्रार्थी ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई, लेकिन ट्रक का नंबर स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे सका। पीड़ित ने पुलिस से मामले की रिपोर्ट दर्ज कर अज्ञात ट्रक चालक की पहचान कर कानूनी कार्रवाई करने तथा हुए नुकसान की भरपाई दिलाए जाने की मांग की है। इस संबंध में पुलिस द्वारा प्रार्थना पत्र के आधार पर जांच प्रक्रिया शुरू किए जाने की बात कही गई है।

हाथी शावक की रेल दुर्घटना में मौत अत्यंत दुखद : रविराज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंदवा, झारखंड:- प्रखंड अंतर्गत पुतरीटोला से चकला की ओर जाने वाले पारंपरिक हाथी आवागमन मार्ग में रेलवे लाइन पार करने के दौरान बीती रात एक दर्दनाक हादसे में हाथी के एक शावक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना न केवल अत्यंत दुखद है, बल्कि वन्यजीव सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। इस संबंध में विधायक प्रतिनिधि आदर्श रविराज ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उक्त मार्ग हाथियों का नियमित कॉरिडोर रहा है, जहां से वे वर्षों से आवाजाही करते आ रहे हैं। इसके बावजूद सुरक्षा के समुचित प्रबंध का अभाव चिंताजनक है। उन्होंने मांग की है कि रेलवे विभाग एवं वन विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर अविलंब ठोस पहल करें। हाथियों के सुरक्षित आवागमन हेतु चिन्हित स्थान पर स्थायी वन्यजीव कॉरिडोर का निर्माण किया जाए तथा अंडरपास की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि हाथियों को रेलवे लाइन पार करने में किसी प्रकार की बाधा न हो। साथ ही संवेदनशील रेलखंडों पर ट्रेनों की गति नियंत्रित करने, चेतावनी तंत्र विकसित करने तथा कुछ दूरी पर मजबूत सुरक्षा गार्डवाल/बैरियर निर्माण करने की भी आवश्यकता जताई गई है। आदर्श रविराज ने कहा कि यदि समय रहते समुचित सुरक्षा उपाय नहीं किए गए, तो भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति से इंकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने संबंधित विभागों से अविलंब संयुक्त सर्वे कर स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि वन्यजीवों की सुरक्षा के साथ-साथ मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं पर भी प्रभावी रोक लगाई जा सके।

यूजीसी एक्ट और जातिगत जनगणना के समर्थन में मूलनिवासी संघ सक्रिय

●हजारीबाग में उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन, चुनाव बाद राज्यभर में रैली की घोषणा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंड:- यूजीसी एक्ट, जातिगत जनगणना, क्रिमीलेयर हटाने और बैकलॉग बहाली की मांग को लेकर मूलनिवासी संघ ने मंगलवार को हजारीबाग उपायुक्त के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। यह कार्यक्रम देश के सभी जिलों की तरह झारखंड के 24 जिलों में आयोजित किया गया। हजारीबाग में मूलनिवासी संघ का प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता निशांत कुमार सिंह के नेतृत्व में उपायुक्त से मिला और अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में जिलाध्यक्ष अधिवक्ता रजनी वर्मा, श्रीराम कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष बसंत नारायण मेहता, जिला कोषाध्यक्ष हीरालाल साव, कार्यालय सचिव अधिवक्ता अलका कुमारी, सरजू रजक, राजेश भुईयां सहित कई सदस्य मौजूद रहे। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि विश्वविद्यालयों में भेदभाव की समस्या को देखते हुए यूजीसी एक्ट 2026 का समर्थन किया जा रहा है और देशभर के मूलनिवासी संगठन इसके पक्ष में हैं। बताया गया कि मूलनिवासी संघ द्वारा पूरे देश में आज राष्ट्रव्यापी रैली आयोजित की जानी थी, लेकिन झारखंड में नगर निगम चुनाव के कारण लागू आचार संहिता की वजह से रैली को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। संघ ने घोषणा की है कि चुनाव परिणाम के बाद 1 मार्च को झारखंड के सभी जिलों में व्यापक रैली निकाली जाएगी, जिसमें विभिन्न मूलनिवासी संगठनों को शामिल होने का आमंत्रण दिया जाएगा। संगठन ने अपनी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है।

रुद्राभिषेक एवं अखण्ड संकीर्तन से गुंजायमान हुआ तेरा

महादेव मंदिर पर हुआ कन्या भोज भंडारा

ललितपुर। ब्लॉक बिरधा अंतर्गत ग्राम तेरा में शिवरात्रि महापर्व पर महादेव बाबा मंदिर पर अखंड संकीर्तन एवं रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया, जो चौबीस घंटे ॐ नमः शिवाय महामंत्र का उच्चारण कर समापन हुआ। समापन के अवसर पर संपूर्ण ग्राम की कन्याओं का कन्या भोज भंडारा किया गया। इस दौरान सभी ने महाशिवरात्रि धूमधाम से मनाई गई। सभी लोगों ने महादेव के जयकारे लगाकर गुंजायमान कर दिया। कार्यक्रम में सभी ग्रामवासियों का सहयोग रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रमुख रूप से सुरेश सिंह, रामसिंह, जगभान सिंह, भगवत सिंह बैस, भूपेंद्र सिंह, सुखपाल सिंह, देवेंद्र सिंह, शैतान राजा, महावीर सिंह, लोकपाल सिंह, रामू राजा, जानकी, रामकिशन नामदेव, बब्लू राजा, गोरेलाल, शिव प्रसाद, चंद्रभान कुशवाहा, चंद्रपाल सिंह, बड़े राजा, पंकज राजा, मोनू राजा, बबलू, गुडकू सेन आदि उपस्थित रहे।

जननायक कर्पूरी ठाकुर की 38वीं पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

●नूरा के कर्पूरी चौक पर आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक न्याय के योगदान को किया गया याद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंड:- भारतरत्न से सम्मानित जननायक कर्पूरी ठाकुर की 38वीं पुण्यतिथि नूरा स्थित कर्पूरी चौक पर श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर लोगों ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में भारतीय नाई समाज झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश ठाकुर ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर सामाजिक न्याय के सच्चे पुरोधा थे और उन्हें दलित एवं पिछड़ा वर्ग का मसीहा माना जाता है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक योगदान देते हुए मैट्रिक परीक्षा में अंग्रेजी की अनिवार्यता समाप्त की, जिससे आम लोगों को काफी लाभ मिला। उन्होंने कहा कि कर्पूरी ठाकुर को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब आम जनता के हित में कर्पूरी फार्मूला को लागू किया जाएगा। कार्यक्रम में जेडीयू नेता अशोक सिन्हा, भारतीय नाई समाज के जिला अध्यक्ष नरेश ठाकुर, कार्यकारी अध्यक्ष सीताराम ठाकुर, केश कला बोर्ड के जिला अध्यक्ष मुना ठाकुर, जेडीयू महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष खुशबू कुमारी, बालेश्वर ठाकुर, राजेंद्र ठाकुर सहित कई समाजसेवी और कर्पूरी समर्थक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उनके आदर्शों को अपनाने और सामाजिक समानता के लिए कार्य करने का संकल्प लिया गया।

जन समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार, झारखंड:- लातेहार उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता के निर्देशानुसार मंगलवार को समाहरणालय परिसर में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर समाहर्ता रामा रविदास ने की। इस दौरान अपर समाहर्ता ने क्रमवार तरीके से पहुंचे सभी फरियादियों की शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने आश्वस्त किया कि प्राप्त आवेदनों की त्वरित जांच कराते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे, ताकि समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इस जन शिकायत निवारण कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से संबंधित कई आवेदन प्राप्त हुए। इनमें भूमि विवाद, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, राजस्व मामलों तथा अन्य प्रशासनिक समस्याओं से जुड़ी शिकायतें शामिल थीं। ज्ञात हो कि उपायुक्त के निर्देशानुसार आमजनों की समस्याओं के त्वरित निष्पादन हेतु जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय सभी कार्यालयों में प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को नियमित रूप से जन शिकायत निवारण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, ताकि जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सुलभ मंच उपलब्ध हो सके।

पाकुड़ पुलिस की बड़ी कामयाबी, प्रोजेक्ट डिवाइस के तहत 19 चोरी/गुम मोबाइल बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़, झारखंड:- पाकुड़ पुलिस ने प्रोजेक्ट डिवाइस अभियान के तहत जिले में चोरी तथा गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में संचालित इस अभियान में कुल 19 मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को वापस सौंप दिए गए। मोबाइल मिलने पर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, 07 जनवरी 2026 से चल रहे अभियान के दौरान नगर थाना, महेशपुर, लिट्टीपाड़ा और पाकुड़िया थाना क्षेत्रों से ये मोबाइल फोन तकनीकी जाँच और ट्रैकिंग के आधार पर बरामद किए गए। बरामद मोबाइलों में सैमसंग, वीवो, ओप्पो, रियलमी और पोको सहित विभिन्न कंपनियों के आधुनिक मॉडल शामिल हैं।

अभियान में शामिल पुलिस पदाधिकारियों और सीसीटीएनएस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम ने मोबाइलों के आईएमईआई नंबर के आधार पर लगातार ट्रैकिंग, सत्यापन और मैदानी जांच की, जिसके बाद सभी फोन सुरक्षित रूप से उनके मालिकों तक पहुँचाए जा सके। पुलिस ने बताया कि प्रोजेक्ट डिवाइस के तहत आगे भी लगातार कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि जिले में चोरी या गुम हुए अन्य मोबाइलों को भी जल्द से जल्द खोजकर लोगों को वापस लौटाया जा सके। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि मोबाइल गुम होने पर तत्काल संबंधित थाना में आवेदन और आईएमईआई नंबर उपलब्ध कराएँ, जिससे ट्रैकिंग प्रक्रिया को गति मिल सके। पुलिस की इस पहल से जिले में लोगों का भरोसा और मजबूत हुआ है तथा तकनीकी सहायता के माध्यम से अपराध नियंत्रण को नए आयाम मिल रहे हैं।

युवक की आत्महत्या के मामले में प्रताड़ना का आरोप, दो लोगों पर मुकदमा दर्ज

ललितपुर। कोतवाली ललितपुर क्षेत्र से एक दर्दनाक मामला सामने आया है, जहां एक युवक की मौत के बाद उसकी बहन ने कुछ लोगों पर मानसिक प्रताड़ना का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 108 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के एक मोहल्ला निवासी महिला ने थाना कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनके भाई हर्षित उर्फ चिन्टू का शव 16 फरवरी 2026 को गोविंद सागर बांध में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। मृतक बीते करीब आठ दिनों से मानसिक तनाव में था और लगातार परिवार को बता रहा था कि अजयगढ़ (जिला पन्ना, मध्यप्रदेश) निवासी लोकेश कुमार मांझी पुत्र जगदीश प्रसाद रैकवार और उसके परिजनों द्वारा उसे झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी दी जा रही थी। शिकायत में बताया गया कि आरोपी पक्ष द्वारा बार-बार धमकाने और भविष्य बर्बाद करने की बात कहने से हर्षित गहरे अवसाद में चला गया था। परिजन उसे समझाने का प्रयास करते रहे, लेकिन मानसिक दबाव के चलते उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि लोकेश कुमार मांझी और उसके परिजनों की प्रताड़ना के कारण ही उसके भाई ने अपनी जीवन लीला समाप्त की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। विवेचना उपनिरीक्षक सीमा प्रजापति को सौंपी गई है।

केंद्रीय कमेटी सदस्य उपासना मरांडी ने किया इनायत अस्पताल का उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंड:- झामुमो केंद्रीय कमेटी सदस्य उपासना मरांडी ने मंगलवार को पाकुड़िया के सिद्धू -कान्हू मोड़ से भगतपाड़ा जाने वाले सड़क पर इनायत हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। इस मौके पर उपासना मरांडी ने विधिवत रूप से फीता काटकर इनायत हॉस्पिटल का उद्घाटन किया। अपने सम्बोधन मे उपासना मरांडी ने कहा कि इस तरह के हॉस्पिटल का पाकुड़िया को आवश्यकता थी। अब पाकुड़िया प्रखंड के लोगों को इलाज के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने संचालक से हॉस्पिटल में सेवा भाव से कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि इसे व्यवसायिक रुप ना देकर सेवा भाव से कार्य करें ताकि लोगों को इस हॉस्पिटल की सेवा मिल सके। गरीबों का सेवा ही करना सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि अस्पताल के तरफ से अगर बीच बीच मे एक दिन गरीब का इलाज निःशुल्क किया जाये तो इससे बड़ा कार्य कोई नहीं है। गरीब मरीज पैसे के अभाव में अपना इलाज बेहतर तरीका से नहीं करा सकते हैं। जिससे गरीबों को इलाज कराने में काफी राहत मिलेगी। अस्पताल के व्यवस्थापक मोहम्मद मारूफ ने कहा कि एक ही छत के नीचे सभी रोगों के डॉक्टरी जांच की जाएगी। मरीजों को इलाज के लिए इधर उधर भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ व फिजीशियन की भी व्यवस्था की गई है। अनुभवी डॉक्टर द्वारा लोगों का इलाज किया जाएगा। इस अस्पताल में ऑर्थो, मेडिसिन, पैथोलॉजी और ओटी की सुविधा उपलब्ध है। डॉक्टर के रूप मे डॉ तन्मय चक्रवर्ती एम डी, डॉ. डी कर ग्यानोलॉजिस्ट, डॉ एम पाण्डेय जेनरल फिजिशियन, डॉ अब्दुल जेनरल फिजिशियन उपलब्ध हैं। इस मौके पर हाजी शौकत अली, हाजी ईसाहक अंसारी, हाजी मुंसेफुल अंसारी, अल्ताफ हसन, मारूफ अंसारी, आजाजुल अंसारी, अफ्सरुल अंसारी, साईदुर रहमान, सरफराज अंसारी समेत अन्य उपस्थित थे।

मतगणना की तैयारी पर प्रशासन सख्त, उपायुक्त व एसपी ने बज्र गृह का किया संयुक्त निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लातेहार, झारखंड:- लातेहार नगरपालिका आम निर्वाचन-2026 की तैयारियों को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में पॉलिटेक्निक कॉलेज, लातेहार स्थित प्रस्तावित बज्र गृह सह मतगणना केंद्र का जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्ट्रांग रूम, मतगणना हॉल, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का गहन जायजा लिया गया। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि मतगणना के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, विधि-व्यवस्था की मजबूती तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित की जाएं।

उपायुक्त ने कॉलेज परिसर के विभिन्न कमरों, पार्किंग व्यवस्था, पेयजल, शौचालय एवं विद्युत आपूर्ति सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की भी समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि ब्रज गृह सह मतगणना केंद्र का नियमित निरीक्षण किया जाए और किसी भी प्रकार की कमी न रहे। इस अवसर पर परियोजना निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, अपर समाहर्ता रामा रविदास, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी, उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, अनुमंडल पदाधिकारी अजय कुमार रजक, जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह पंचायती राज पदाधिकारी श्रेयांश, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रवण राम, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। नगरपालिका निर्वाचन को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तैयारी में जुटा हुआ है।

इंडियन सुपर लीग के लिए हजारीबाग के परमेश्वर गोप बने देश के चुनिंदा रेफरी

●झारखंड से एकमात्र चयनित रेफरी, 21 फरवरी को कोलकाता में कराएंगे पहला मैच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंड:- ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (AIFF) द्वारा आयोजित इंडियन सुपर लीग (ISL) फुटबॉल मैचों के लिए पूरे देश से 35 रेफरियों का चयन किया गया है। इनमें हजारीबाग के राष्ट्रीय फुटबॉल रेफरी परमेश्वर गोप का भी चयन हुआ है। खास बात यह है कि वे झारखंड से चुने गए एकमात्र रेफरी हैं। जानकारी के अनुसार, परमेश्वर गोप इससे पहले भी कई बड़े राष्ट्रीय टूर्नामेंट जैसे संतोष ट्रॉफी, डूरंड कप, आई-लीग और इंडियन सुपर लीग में रेफरी की भूमिका निभा चुके हैं। वे अब तक करीब 30 आईएसएल मैचों का संचालन कर चुके हैं। उनका पहला मैच 21 फरवरी को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में ईस्ट बंगाल और स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली के बीच खेला जाएगा। उनके चयन पर हजारीबाग जिला फुटबॉल संघ के नजरुल हसन, अशोक भट्टाचार्य, सरफराज अहमद, बहादुर राम, राजेश श्रीवास्तव, लाल किशोर प्रसाद, धनेश्वर गोप, उमेश कुमार, भोला राणा, सिकंदर यादव, नरेश मुर्मू, मनोज राम, सफीउल्लाह खान गुड्डू सहित कई खेल प्रेमियों और सदस्यों ने शुभकामनाएं दी हैं। यह जानकारी झारखंड रेफरी बोर्ड के सदस्य एवं रेफरी इंस्ट्रक्टर भैया मुरारी सिन्हा ने दी। परमेश्वर गोप का चयन हजारीबाग और झारखंड के खेल जगत के लिए गर्व की बात मानी जा रही है।

मोटर साइकिल हड़पने का आरोप

आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज

ललितपुर। थाना महरौनी क्षेत्र में मोटरसाइकिल खरीदने के बहाने ले जाकर वापस न करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, महरौनी थाना क्षेत्र के ग्राम बेरखेडी नचनवारा निवासी भजनलाल सौर ने थाना महरौनी में दी गई शिकायत में बताया कि 30 अक्टूबर 2025 को रनगांव, मड़ावरा निवासी मलखान कुशवाहा ने उसकी मोटरसाइकिल (एम.पी. 36 जेड डी 1748) को बनपुर चौराहा, महरौनी से खरीदने के उद्देश्य से लिया था। आरोप है कि इसके बाद आरोपी मोटरसाइकिल लेकर चला गया और 16 फरवरी 2026 तक भी न तो वाहन लौटाया और न ही उसकी कीमत अदा की। पीड़ित ने बताया कि उक्त मोटरसाइकिल उसके भाई रामपाल के नाम से पंजीकृत है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 316(2) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

राजपोखर पंचायत अंतर्गत श्यामसुंदरपुर प्राथमिक विद्यालय, 17 फरवरी को सुबह 9:55 बजे पाया गया बंद

●विद्यार्थियों ने बताया कि अभी तक नहीं आए हैं शिक्षक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंड:- पाकुड़िया प्रखंड अंतर्गत राजपोखर पंचायत के श्यामसुंदरपुर प्राथमिक विद्यालय में मंगलवार को 9:55 बजे तक शिक्षक के विद्यालय नहीं पहुँचने तथा कक्षा में ताला लगे होने के कारण विद्यार्थियों को बरामदे में खेलते हुए देखा गया। खेल रहे छात्र-छात्राओं से जब यह पूछा गया कि अभी 9 बजकर 55 मिनट हो रहे हैं, फिर भी शिक्षक क्यों नहीं आए, तो सभी विद्यार्थियों ने बताया कि वे लोग सुबह 8 बजे ही स्कूल आ गए थे। एक ओर सरकार विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने के लिए मध्याह्न भोजन से लेकर पोशाक तथा छात्रवृत्तियाँ प्रदान कर रही है, ताकि बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़े; वहीं समय पर शिक्षक का विद्यालय नहीं पहुँचना निराशाजनक है। हैं, किंतु विशेष परिस्थितियों में ऐसा हो सकता है, परंतु शिक्षक बच्चों के अभिभावक समान होते हैं। उन्हें अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा और लगन से करना चाहिए। विद्यार्थियों से पूछताछ करने पर यह भी ज्ञात हुआ कि इस विद्यालय में केवल एक ही शिक्षक पदस्थापित हैं।

संक्षिप्त खबरें

विधिक साक्षरता शिविर में किया गया जागरूक

कोंच (जालौन)- स्थानीय खंड विकास कार्यालय में मंगलवार को विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया जिसमें उपस्थित अधिकारियों ने महिला स्वावलंबन सहित कानून से जुड़ी जानकारियों एवं सरकारी योजनाओं के प्रति मौजूद लोगों को जागरूक किया। अतिथि के रूप में उपस्थित नायब तहसीलदार जितेंद्र सिंह ने महिला सशक्तिकरण पर कहा कि महिलाओं को किसी से डरना नहीं है, वह हर पटल पर अपनी समस्या शिकायत बेझिझक और बगैर डरे कह सकती है। महिलाओं के लिए सरकार हेल्पलाइन नंबर जारी कर रही है। आत्मनिर्भरता की दिशा में भी अनेकानेक योजनाएं महिलाओं के लिए चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू हिंसा में पीड़ित महिलाएं चुप न बैठें बल्कि आरोपियों को सजा दिलाने के लिए आगे आएं। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत किया गया। इस मौके पर बीडीओ प्रशांत कुमार, एडीओ देवेंद्र कुमार, सीडीपीओ चन्द्रप्रभा खरे, सदर लेखपाल दिग्विजय सिंह, पीएलबी सीता तिवारी, अलका भारती आदि ने भी शिविर में अहम जानकारियां प्रदान की।

एनएसएस का सात दिवसीय विशेष शिविर 18 फरवरी से

कोंच(जालौन)- सूरज ज्ञान महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम एवम द्वितीय के सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन 18 फरवरी बुधवार से कम्पोजिट प्राथमिक विद्यालय लौना कोंच में किया जाएगा। इस सात दिवसीय शिविर में गांव लौना में स्वच्छता, श्रमदान, सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण, जनजागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक सहित अन्य रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ आशुतोष मिश्रा ने उक्त आशय की जानकारी देते हुए सभी स्वयंसेवको से सात दिवसीय इस विशेष शिविर में पूर्ण मनोयोग के साथ प्रतिभाग करने का आव्हान किया है।

पालतू जानवर मार डालने पर पुलिस से की शिकायत

कोंच(जालौन)- कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बसोब निवासी जुबेर अली ने आरोप लगाया है कि मोहल्ले के ही एक व्यक्ति ने उसकी पालतू कुतिया की बेरहमी से हत्या कर दी। वहीं शिकायत मिलने पर पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल की। कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर जुबेर अली ने बताया कि सोमवार देर शाम उसकी पालतू कुतिया अपने तीन छोटे बच्चों को घर के बाहर दूध पिला रही थी। इसी दौरान आरोपी व्यक्ति पीछे से आया और कुतिया के सिर पर डंडे से वार कर दिया। गंभीर चोट लगने से कुतिया की मौके पर ही मौत हो गई। जुबेर अली का कहना है कि आरोपी पहले भी कई बार बेजुबान जानवरों के साथ हिंसक व्यवहार कर चुका है। उसका आरोप है कि आरोपी अपनी मुर्गियों को खुले में छोड़ देता है और यदि कोई जानवर उसकी मुर्गियों को नुकसान पहुंचाता है तो वह उस जानवर को मार डालता है। घटना को लेकर जुबेर ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल के बाद कार्यवाही किए जाने की बात कह रही है।

घर के सामने गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी

नामजद आरोपी पर केस दर्ज

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम पाचौनी में पड़ोसी द्वारा गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पाचौनी निवासी सतिश सेन (42) पुत्र घनश्याम ने कोतवाली में दी गई लिखित शिकायत में बताया कि 15 फरवरी 2026 की शाम करीब 6 बजे उनके पड़ोसी अनिल पुत्र शिलचंद्र राठौर ने बिना किसी कारण उनके घर के सामने गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। घटना से भयभीत होकर पीड़ित ने अगले दिन थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर बीएनएस की धारा 352 व 351(3) के तहत मुकदमा संख्या 0172/2026 दर्ज किया है।

सोनभद्र जिलाधिकारी ने आवास और आयुष्मान कार्ड योजना की समीक्षा की लापरवाही पर बिचौलियों और अधिकारियों को दी कड़ी चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र - सोनभद्र के जिलाधिकारी बी.एन. सिंह ने आज विकास भवन स्थित पंचायत रिसोर्स सेंटर में सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं–प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना और आयुष्मान भारत–की प्रगति की गहन समीक्षा की। बैठक में विकास कार्यों की धीमी गति पर जिलाधिकारी ने सख्त तेवर अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट संदेश दिया कि आवास योजनाओं में पारदर्शिता के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि कोई बिचौलिया या अन्य व्यक्ति लाभार्थियों से आवास के नाम पर धनराशि की मांग करता है, तो उसके विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी (FIR) दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। लाभार्थियों के देयकों का भुगतान बिना किसी देरी के सीधे उनके खातों में सुनिश्चित किया जाए। समीक्षा के दौरान कुछ ग्राम पंचायत अधिकारियों और ग्राम विकास अधिकारियों द्वारा आवास निर्माण की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने प्रशासन को आदेश दिए कि प्रगति में शिथिलता बरतने वाले कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। संतोषजनक कार्य न होने की स्थिति में संबंधित कर्मचारियों के वेतन भुगतान पर रोक लगाने की कार्रवाई की जाए। स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाए। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए आयुष्मान कार्ड की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति अभी संतोषजनक नहीं है। उन्होंने स्वास्थ्य और विकास विभाग को आपस में समन्वय स्थापित कर अभियान मोड में कार्ड बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्ड बनाने की प्रक्रिया में तेजी नहीं आई, तो जवाबदेही तय करते हुए संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी ने भी विभिन्न विकास योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की और अधिकारियों को फील्ड पर सक्रिय रहने के निर्देश दिए। इस अवसर पर निम्नलिखित अधिकारी उपस्थित रहे। हेमंत कुमार सिंह (जिला विकास अधिकारी) डॉ. पंकज राय (मुख्य चिकित्सा अधिकारी) नामित शरण (जिला पंचायत राज अधिकारी) रवीन्द्र वीर सिंह (डी.सी. मनरेगा) विनय कुमार सिंह (अपर जिला सूचना अधिकारी)परियोजना निदेशक (डीआरडीए) एवं अन्य संबंधित अधिकारी। जिलाधिकारी का मुख्य संदेश शासन की मंशा पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों को समय से लाभ पहुंचाना है। गुणवत्ता और पारदर्शिता में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मंदिर से लौट रहे युवक पर लाठी-डंडों से हमला

चार पर मुकदमा दर्ज

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्र के ग्राम उमरिया में मंदिर से घर लौट रहे एक युवक के साथ गाली-गलौज कर लाठी-डंडों से मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम उमरिया निवासी जयपाल राजा पुत्र स्व.स्वरूप लोधी ने थाना नाराहट में दी गई शिकायत में बताया कि 15 फरवरी 2026 की शाम करीब 8 बजे वह मंदिर से घर लौट रहे थे। इसी दौरान लखिम राजा पुत्र जाहर लोधी (निवासी ग्राम चारोदा, थाना मालथौन, जिला सागर), धर्मेंद्र राजा पुत्र प्यारे राजा, राजासाहब पुत्र नन्नू राजा एवं रामू पुत्र विंदे (सभी निवासी ग्राम उमरिया) मौके पर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे जयपाल राजा को शरीर में चोटें आईं। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 115(2), 352 व 351(3) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

एनएसएस शिविर में नशा मुक्ति के लिए किया गया प्रेरित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- मथुरा प्रसाद स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत चतुर्थ एकदिवसीय सामान्य शिविर में 'नशा मुक्ति' जैसे महत्वपूर्ण विषय पर स्वयंसेवकों को जागरूक किया गया। शिविर में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी लवकेश कुमार ने स्वयं को नशे से दूर रखकर समाज को नशा मुक्त करने का संकल्प दिलाया। डॉ अल्पना सिंह ने अपने विचारों में कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का सृजन होता है, इसलिए मनुष्य को सभी प्रकार के नशे से दूर रहना चाहिए। डॉ ओमप्रकाश यादव ने 'पढ़े लिखे की यही पहचान, नशा मुक्त स्वस्थ इंसान' जैसे प्रेरक वाक्य से स्वयंसेवकों को प्रेरणा लेने के प्रति प्रेरित किया। डॉ मधुरलता द्विवेदी ने कहा कि नशा भारतीय समाज के लिए एक अभिशाप है और इसको समाप्त करना हम सबका कर्तव्य है। स्वयं का और घर परिवार, नाते रिश्तेदारों की भलाई इसी में हैं कि हमें सबसे पहले अपने घर को नशा मुक्त करना होगा। डॉ हरिश्चंद्र तिवारी ने बताया कि किशोर उम्र के लोगों को नशा से दूर रखने पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। संतोषी देवी ने कहा कि नशा करना अर्थात् शरीर को बीमारी की दावत देना है। वर्तमान समय में नशे से अनेकानेक जानलेवा बीमारियां पनप रहीं हैं जिससे घर परिवार विनाश की ओर जा रहा है, इससे बचने के लिए नशे से दूर रहना हितकर है। वैष्णवी मिश्रा ने कहा कि अगर जीवन का आनंद लेना है तो सबसे पहले नशे से खुद को बचाएं और अपने लोगों को भी। संचालन सृष्टि चतुर्वेदी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक आचार्य अतुल कुमार मिश्रा, डॉ सरताज खान, दीपक सचान सहित स्वयंसेवकों में प्रज्ञा अग्रवाल, कीमती देवी खुशी, साक्षी, नैन्सी, राधिका, हार्दिक पटेल, पूनम, रितिका, मोहिनी, सानिया, महक, बबली देवी, निधि, खुशबू, अभय, आयुष, आर्यन श्रीवास्तव, दीक्षा यादव, शिवांश, खुशब शिवहरे, आदि उपस्थित रहे।

नागरिकों को सफाई, स्वास्थ्य एवं बीमारियों के प्रति किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर- शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ के राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) की स्वामी विवेकानंद इकाई एवं रानी लक्ष्मीबाई इकाई द्वारा क्रमशः गांधी नगर वार्ड नंबर-10 और शिव नगर वार्ड नंबर-9 में दूसरे एकदिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने स्थानीय नागरिकों को सफाई, स्वास्थ्य एवं बीमारियों के प्रति जागरूक करने हेतु विविध गतिविधियाँ संचालित कीं। गांधी नगर वार्ड में स्वामी विवेकानंद इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रामकिशोर सिंह ने नेतृत्व किया, वहीं शिव नगर वार्ड में रानी लक्ष्मीबाई इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ए. के. सिंह ने शिविर का संचालन किया। शिविरों में सौरभ कुमार रावत, अजीत कुमार, अंकिता, चंपा, नीलू गौड़, निशा, निर्जला यादव सहित अनेक छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी की और घर-घर जाकर स्वच्छता का संदेश पहुँचाया। प्रतिभागियों ने नागरिकों को व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने, नियमित हाथ धोने, शुद्ध जल के उपयोग और संतुलित आहार अपनाने की अपील की। कार्यक्रमों के दौरान स्वास्थ्य संबंधी नारे और स्लोगन प्रस्तुत किए गए, जिनसे लोगों में नई चेतना का संचार हुआ। स्थानीय नागरिकों ने छात्र-छात्राओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर समाज में जागरूकता फैलाने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। दोनों इकाइयों के संयुक्त प्रयासों से समाज में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति नई ऊर्जा और जागरूकता का वातावरण बना। डॉ. रामकिशोर सिंह और डॉ. ए. के. सिंह ने छात्र-छात्राओं के उत्साह, अनुशासन और सेवा भावना की प्रशंसा करते हुए कहा कि एन.एस.एस. के स्वयंसेवक समाज के सच्चे प्रहरी हैं। इन शिविरों ने यह साबित किया कि युवा शक्ति ही राष्ट्र की वास्तविक ताकत है और सेवा व सहयोग की भावना से ही स्वस्थ एवं जागरूक समाज का निर्माण संभव है।

विधानसभा में गूंजा बुंदेलखंड- विधायक रामरतन कुशवाहा का दमदार भाषण, ललितपुर को 'प्रदेश का प्रवेश द्वार' बताकर विकास पर बड़ी बहस

●सड़क, सेतु, शिक्षा, पर्यटन और सीमावर्ती विकास पर सरकार से ठोस कदमों की मांग – सदन में छाया ललितपुर एजेंडा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में सदर ललितपुर के विधायक रामरतन कुशवाहा ने प्रभावशाली और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण वक्तव्य देते हुए ललितपुर एवं बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों को मजबूती के साथ सदन के केंद्र में ला दिया। उनके भाषण ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब सीमावर्ती क्षेत्रों की आवाज विधानसभा में और अधिक ताकत के साथ गूंज रही है। विधायक ने कहा कि बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि जनता की उम्मीदों और विकास का संकल्प है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा वित्त मंत्री सुरेश खन्ना का आभार व्यक्त करते हुए बजट को समग्र विकास का रोडमैप बताया।

बड़ा राजनीतिक संदेश: ललितपुर आखिरी जिला नहीं, उत्तर प्रदेश का मुख्य प्रवेश द्वार

सदन में बोलते हुए विधायक ने कहा कि ललितपुर को सीमावर्ती नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जनपद के रूप में देखा जाना चाहिए। मध्यप्रदेश से लगी सीमाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने क्षेत्रीय विकास को प्रदेश की प्रगति से सीधे जोड़कर प्रस्तुत किया। वही विधायक ने विकास का मजबूत एजेंडा – सड़क, सेतु और कनेक्टिविटी पर फोकस करते हुए विधायक ने बजट में सड़क एवं सेतु निर्माण के लिए हुई बड़ी वित्तीय व्यवस्था का स्वागत करते हुए सदन में कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं– जखौरा-तालबेहट संपर्क मार्ग का उच्चीकरण, दैलवारा से अमरपुर मंडी तक हाईवे कनेक्टिविटी, रेलवे स्टेशन दैलवारा पर रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण, ललितपुर नगर में इनर रिंग रोड का निर्माण, जिससे देवगढ़, राजघाट और जखौरा मार्ग सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग-44 से जुड़ सकें, शहजाद नदी पर पंचमुखी हनुमान मंदिर, बार बांसी मार्ग और पारौन हज़ारिया मार्ग (किमी-3) पर तीन दीर्घ सेतुओं का निर्माण।

सदन में क्षेत्रीय सम्मान और गौरव को ध्यान में रखते हुए विधायक ने महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे– देवगढ़ मार्ग पर सेतु निगम द्वारा निर्मित रेलवे ओवरब्रिज का नाम 'महाराजा छत्रसाल सेतु' रखा जाए। शहजाद नदी पर निर्माणाधीन दीर्घ सेतु का नाम 'भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी सेतु' रखा जाए। इन प्रस्तावों को क्षेत्रीय इतिहास और राष्ट्रीय नेतृत्व को सम्मान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया। शिक्षा, तकनीकी संस्थान और युवाओं पर विशेष जोर विधायक ने कहा कि सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों की शिक्षा को ध्यान में रखते हुए विकासखंड तालबेहट की ग्राम पंचायत पूरा कला में राजकीय इंटर कॉलेज की स्थापना अत्यंत आवश्यक है।

साथ ही उन्होंने मांग रखी– ललितपुर में इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना युवाओं की खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने हेतु स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना अपने संबोधन में विधायक ने करकरावल कॉरिडोर, देवगढ़ किला, दशावतार मंदिर, बेतवा तट, गोविंद सागर बांध, राजघाट बांध क्षेत्र एवं पंचमुखी हनुमान मंदिर को जोड़कर बुंदेलखंड धार्मिक एवं विरासत पर्यटन सर्किट विकसित करने का प्रस्ताव रखा। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह प्रस्ताव क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला साबित हो सकता है। फुलावन, पठारी एवं रमपुरा कठवर सहित लगभग 20 ग्रामों के पास भव्य राज्य प्रवेश द्वार बनाए जाने की मांग रखते हुए विधायक जी ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और गौरव का प्रतीक बनेगा। विधायक ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के निर्देशन और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में बुंदेलखंड अब विकास और समृद्धि की नई पहचान बनेगा। ललितपुर सीमा नहीं, प्रदेश का गौरव और उत्तर प्रदेश का मुख्य प्रवेश द्वार है।

बूथ स्तर पर मजबूती के लिए चलाया जाएगा सदस्यता अभियान- जिलाध्यक्ष अपना दल एस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- अपना दल (एस) के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रोहित राठौर ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर संगठन की आगामी रणनीति और जनपद में पार्टी विस्तार को लेकर अहम जानकारी सामने रखी। जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जो जिम्मेवारी उन्हें सौंपी है, उस जिम्मेवारी पर पूरी निष्ठा और ईमानदारी से खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। गांव-गांव संपर्क कार्यक्रम, सदस्यता अभियान और युवाओं को पार्टी से जोड़ने पर विशेष जोर रहेगा। कुदारी ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा और उनके समाधान के लिए प्रशासनिक स्तर पर प्रभावी पहल की जाएगी। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रोहित राठौर ने इस दौरान कहा कि पार्टी सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों के अधिकार और समावेशी विकास की नीति पर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए संगठन सक्रिय भूमिका निभाएगा। साथ ही आगामी जिला पंचायत और फिर विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए जिले में संगठन का पुनर्गठन किया जाएगा। दोनों नेताओं ने स्थानीय कार्यकर्ताओं से संगठन के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का फूलमाला पहनाकर स्वागत सम्मान किया। प्रेस वार्ता में पार्टी के किसान मंच के जिलाध्यक्ष रामकुमार खैरई, माधोगढ़ विधानसभा अध्यक्ष राहुल भदौरिया, सुघर सिंह पटेल, लालसिंह बगिया, रामबाबू कुशवाहा, सोनू, प्रदीप कुशवाहा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खेत में काम कर रही महिला से मारपीट धमकाने का मामला दर्ज

ललितपुर। थाना सौजना क्षेत्र के ग्राम जुदैया में खेत पर काम कर रही एक महिला के साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम जुदैया निवासी देवका पत्नी स्व.रामकिशोर कुशवाहा ने थाना सौजना में दी गई शिकायत में बताया कि 16 फरवरी 2026 की सुबह करीब 8.30 बजे वह खेत पर कार्य कर रही थीं। इसी दौरान गांव के ही सुनीलाल, ज्ञानवर्धन, रामललन एवं देवकी मौके पर पहुंचे और बिना किसी कारण गाली-गलौज करने लगे। जब पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपियों ने लात-घूंसों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने पीड़िता की लिखित शिकायत के आधार पर बीएनएस की धारा 115(2), 352 व 351(3) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है।

रमजान माह को लेकर एसडीएम ने मस्जिदों के आसपास परखी व्यवस्थाएं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)- आगामी 18 फरवरी से शुरू होने वाले मुस्लिम धर्म के पाक रमजान माह में बिजली, पानी, साफ सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं को समय रहते चाक चौबंद किए जाने के उद्देश्य से मंगलवार को एसडीएम ज्योति सिंह ने नगर में स्थित आधा दर्जन मस्जिदों के आसपास औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने साफ सफाई की स्थिति का जायजा लिया और जिधर कमी सामने दिखी, संबंधित अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम सबसे पहले कुरैशियान मस्जिद पहुंचीं जहां आसपास साफ सफाई व्यवस्था ठीक न मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई और मौके पर ही पालिका सफाई कर्मियों से साफ सफाई कराई। लवली चौराहे पर स्थित मस्जिद के नजदीक सीबर लाइन लीकेज होने पर उन्होंने जल संस्थान के जेई को इसे अविलंब दुरुस्त कराए जाने के निर्देश दिए। चन्दकुआं चौराहा स्थित मंसूरान मस्जिद के पास सड़क पर खुली नाली को बन्द किये जाने और सड़क किनारे खड़े होने वाले हांथठेला वालों को मौके से हटाकर यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने, कुछ स्थानों पर नीचे की ओर झूल रही बिजली लाइन दुरुस्त किए जाने के निर्देश दिए। खुले में मीट की दुकान चलाने वाले संबंधित दुकानदारों को नोटिस जारी किए जाने के भी निर्देश एसडीएम ने दिए हैं। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन को निर्देश दिए कि रमजान माह के दौरान धार्मिक स्थलों के आसपास विशेष रूप से साफ सफाई, रोशनी और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। रमजान के पाक माह में स्वच्छता एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि रमजान माह के दौरान सड़कों पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और संबंधित के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। निरीक्षण के दौरान ईओ मोनिका उमराव, विद्युत एसडीओ रविन्द्र कुमार सहित जल संस्थान जेई आदि मौजूद रहे।

विधानसभा का घेराव करने लखनऊ जा रहे कांग्रेसियों को पुलिस ने रोका

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- मंगलवार की सुबह करीब 6:30 बजे कोंच नगर में उस समय हलचल मच गई, जब विधानसभा घेराव के लिए लखनऊ जा रहे स्थानीय कांग्रेस पदाधिकारियों को कोतवाली पुलिस ने रास्ते में ही रोक लिया। विरोध स्वरूप उक्त कार्यक्रम उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें सहभागिता करने के लिए कांग्रेस के स्थानीय पदाधिकारी रवाना हो रहे थे। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस के स्थानीय पदाधिकारी जैसे ही नगर के चन्दकुआ चौराहे पर पहुँचे, वहाँ पहले से ही पुलिस बल मुस्तैद खड़ा हुआ था। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बृजेश बहादुर सिंह के नेतृत्व में पुलिस ने कांग्रेसियों को आगे बढ़ने से रोक लिया। प्रभारी निरीक्षक ने शांति व्यवस्था बनाए रखने का हवाला देते हुए उन्हें लखनऊ न जाने की हिदायत दी जिस पर कांग्रेसियों ने काफी नाराजगी जताई इसके बाद भी पुलिस ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया। कांग्रेस नगर अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी ने बताया कि पार्टी के पदाधिकारी विधानसभा घेराव कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कोंच से लखनऊ रवाना हो रहे थे, लेकिन पुलिस प्रशासन ने उन्हें रोक लिया है। राघवेंद्र ने कहा कि यह कार्रवाई सत्ता के दबाव में की गई है और सरकार जनता से जुड़े मुद्दों पर गंभीर नहीं है, जिसके कारण कांग्रेस पार्टी को सड़कों पर उतरकर आवाज उठानी पड़ रही है। उधर, प्रभारी निरीक्षक का कहना है की कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता है, और किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से बचने के लिए एहतियाती यह कदम उठाया गया है।

घर में घुसकर महिला से मारपीट, धमकाया

जाखलौन थाने में मामला दर्ज

ललितपुर। थाना जाखलौन क्षेत्र के मोहल्ला बड़ापुरा में घर में घुसकर महिला से मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित कस्बा निवासी अर्जुन पुत्र रमन साहू ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 5 फरवरी 2026 की रात करीब 8.30 बजे उनकी पत्नी घर पर थीं। इसी दौरान मोहल्ले का एक व्यक्ति घर में घुस आया और महिला के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट करने लगा। शोर सुनकर जब अर्जुन मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देता हुआ फरार हो गया। पीड़ित के अनुसार आरोपी दबंग प्रवृत्ति का है और पूर्व में भी उसके विरुद्ध शिकायतें की जा चुकी हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने 16 फरवरी 2026 को एफआईआर संख्या 0029/2026 दर्ज की है। आरोपी के विरुद्ध बीएनएस की धाराओं 333, 115(2), 352 एवं 351(3) के तहत कार्रवाई की गई है।

राष्ट्रीय पटल पर चमका अनपरा भारतीय विद्युत स्टेशन 2026 में मिला उत्कृष्ट प्रदर्शन पुरस्कार

●अनपरा तापीय परियोजना को मिला राष्ट्रीय उत्कृष्ट प्रदर्शन पुरस्कार रायपुर में केंद्र सरकार ने किया सम्मानित

पुरानी इकाइयां, नए कीर्तिमान सीजीएम का संबोधन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अनपरा, सोनभद्र - सोनभद्र जनपद स्थित 2630 मेगावाट क्षमता की अनपरा तापीय विद्युत परियोजना ने अपनी कार्यकुशलता का लोहा मनवाते हुए राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन पुरस्कार हासिल किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान बेहतर संचालन, दक्षता और अटूट विश्वसनीयता के लिए केंद्र सरकार ने इस परियोजना को सम्मानित किया है। इस बड़ी उपलब्धि से समूचे ऊर्जांचल के बिजली कर्मियों और अभियंताओं में उत्सव जैसा माहौल है। यह प्रतिष्ठित सम्मान छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित भारतीय विद्युत स्टेशन 2026 संचालन एवं अनुरक्षण सम्मेलन के दौरान दिया गया। 13 से 15 फरवरी तक चले इस सम्मेलन में देश भर के कई राज्यों की विद्युत उत्पादन कंपनियों ने भाग लिया। परियोजना की ओर से यह सम्मान केंद्र सरकार के विद्युत सचिव पंकज अग्रवाल एवं एनटीपीसी के सीएमडी गुरदीप सिंह ने प्रदान किया। अनपरा ने मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों की इकाइयों को पछाड़ते हुए यह गौरव हासिल किया।

इस ऐतिहासिक जीत के बाद परियोजना प्रमुख (CGM) इं. जे.पी. कटियार का भव्य स्वागत किया गया। कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा हमारी इकाइयां पुरानी जरूर हैं, लेकिन टीम की मेहनत से हमने कम लागत और न्यूनतम तेल खपत के साथ पिछले 5 वर्षों का सर्वाधिक पीएलएफ (PLF) हासिल किया है। यह जीत निगम प्रबंधन के मार्गदर्शन और हर एक कर्मचारी के पसीने की सफलता है। परियोजना ने PERC (उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग) द्वारा निर्धारित कड़े मानकों से भी बेहतर प्रदर्शन कर दिखाया सहायक संयंत्र खपत (APC) मानक से काफी कम। विशिष्ट तेल खपत न्यूनतम स्तर पर रिकॉर्ड की गई। बेहतर अनुरक्षण मशीनों के उच्च गुणवत्ता वाले रखरखाव (Maintenance) के कारण ब्रेकडाउन में कमी आई। सीजीएम ने विशेष रूप से महाप्रबंधक इं. दूधनाथ, इं. निखिल चतुर्वेदी, इं. प्रशांत त्रिपाठी और इं. राजीव कुमार के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि अनपरा ब एवं द ताप विद्युत गृह की इकाइयों ने जो मानक स्थापित किए हैं, उन्हें भविष्य में भी बरकरार रखना हमारी प्राथमिकता होगी। इस दौरान इं. कर्मेंद्र सिंह, इं. वी.के. दिनकर, इं. महेंद्र सिंह, राजकुमार सिंह, इंद्र कुमार सिंह, बृज बिहारी यादव, राकेश जायसवाल सहित सैकड़ों अधिकारी और कर्मचारी इस गौरवमयी पल के साक्षी बने। खबर का सार (At a Glance) क्षमता 2630 मेगावाट (सोनभद्र) उपलब्धि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार। रिकॉर्ड 5 वर्षों में सर्वाधिक बिजली उत्पादन (PLF)। मुख्य उपस्थिति इं. जे.पी. कटियार (CGM) एवं वरिष्ठ महाप्रबंधकगण।

संक्षिप्त खबरें

बार एसोसिएशन चुनाव मतदान के दृष्टिगत पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल ने किया निरीक्षण

कानपुर। दिनांक 17.02.2026 को बार एसोसिएशन चुनाव के दृष्टिगत पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल द्वारा दयानन्द एंग्लो वैदिक कॉलेज स्थित प्रस्तावित पोलिंग बूथ का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की समग्र समीक्षा करते हुए सीसीटीवी, कंट्रोल रूम, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, मतदान स्थल के प्रवेश एवं निकास मार्ग, बैरिकेडिंग तथा वाहन पार्किंग की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया गया। निरीक्षण उपरांत संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि मतदान प्रक्रिया को पूर्णतः शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराए जाने हेतु सभी आवश्यक सुरक्षा एवं प्रबंधनात्मक उपाय समय से सुनिश्चित किए जाएं। इस दौरान एल्डर कमेटी के सदस्यों से भी पोलिंग बूथ एवं मतदान व्यवस्था के संबंध में संवाद स्थापित किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी, अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिण, अपर पुलिस उपायुक्त अभिसूचना तथा सहायक पुलिस आयुक्त मय पर्याप्त पुलिस बल उपस्थित रहे।

बार एसोसिएशन चुनाव के तहत यातायात प्रबंधन का स्थलीय निरीक्षण

कानपुर। दिनांक 17.02.2026 को कानपुर बार एसोसिएशन चुनाव के दृष्टिगत यातायात व्यवस्था को सुगम सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा प्रमुख चौराहों एवं स्थलों का भौतिक निरीक्षण किया गया। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार ने मर्चेंट चैंबर चौराहा, ग्रीन पार्क चौराहा, परेड चौराहा, बड़ा चौराहा एवं चेतना चौराहा एवं सरसैया घाट चौराहा का स्थलीय भ्रमण कर यातायात व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग व्यवस्था एवं यातायात डायवर्जन संबंधी तैयारियों का जायजा लिया गया। चुनाव के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू एवं निर्बाध रहे। प्रमुख मार्गों पर अनावश्यक वाहन खड़े न होने दिए जाएं तथा महोदय द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने हेतु सतत निगरानी रखी जाए तथा आवश्यकतानुसार त्वरित निर्णय लेते हुए यातायात संचालन को प्रभावी बनाया जाए।

शहर को स्वच्छ बनाने के लिए वार्डवासियों को जागरूक किया गया

सिद्धार्थनगर- स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत मंगलवार को नगर पंचायत उसका बाजार वार्ड नं-9, शिवाजी नगर में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि हेमंत कुमार जायसवाल, अधिशासी अधिकारी अभिनव श्रीवास्तव , सभासद अंगद साहनी, मास्टर ट्रेनर आदित्य शुक्ला एवं वार्डवासियों की उपस्थिति में डस्टबिन वितरण किया गया और वार्डवासियों को कूड़ा अलग-अलग देने के लिए जागरूक किया गया।

महाविद्यालय के छात्रावास के नवीन भवन का हुआ लोकार्पण

सिद्धार्थनगर। शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शोहरतगढ़ के विश्वनाथ सिंह छात्रावास में बने नवीन कक्ष का लोकार्पण युवराज धनुर्धर प्रताप सिंह ने किया। धनुर्धर प्रताप सिंह ने छात्रों को शुभकामनाएँ देते हुये कहा कि नया कक्ष विद्यार्थियों के अध्ययन सुविधा देगा। छात्र अनुशासन और प्रगति का आधार बने। उन्होंने नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करते हुये छात्रों को मेहनत से पढ़ाई कर कॉलेज व क्षेत्र का नाम गौरवान्वित करने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिये कॉलेज प्रबंधन व्यवस्था में कमी नहीं होने पायेगी। लोकार्पण के दौरान प्राचार्य प्रोफेसर अरविंद कुमार सिंह, छात्रावास अधीक्षक डॉ. रामकिशोर सिंह, सहायक छात्रावास अधीक्षक डॉ. अजय कुमार सिंह, मुख्य नियंता मेजर मुकेश कुमार, रत्नेश सोनी तथा छात्रावास के छात्रों की उपस्थिति रही।

कार्यकर्ताओं को संगठित, सक्रिय और प्रभावी बनाएगी भाजपा

● विचार, व्यवहार और नेतृत्व के स्तर पर समृद्ध करेगा प्रशिक्षण महाअभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। भारतीय जनता पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत, अनुशासित एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 7 मार्च से 13 अप्रैल तक पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान चलाएगी। इस महाअभियान के अंतर्गत जिला व मंडल स्तर पर व्यापक प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किए जाएंगे। मंगलवार को भाजपा क्षेत्रीय मुख्यालय में आयोजित दक्षिण एवं ग्रामीण जिले की जिला कार्यशाला में मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष, विधायक एवं जिला प्रभारी पंकज सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं को तराशने की सतत प्रक्रिया है। जो सीखता है वही आगे बढ़ता है। यह महाअभियान कार्यकर्ताओं को विचार, व्यवहार और नेतृत्व–तीनों स्तरों पर समृद्ध करेगा। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और एकात्म मानववाद का दर्शन ही भाजपा की कार्य संस्कृति की आधारशिला है। प्रशिक्षण केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और वैचारिक मजबूती की प्रक्रिया है। यह अभियान भाजपा को बूथ स्तर तक और अधिक संगठित, सक्रिय और प्रभावी बनाएगा।

इस अवसर पर पंकज सिंह ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने आज़ादी के बाद कांग्रेस को समाप्त करने की बात कही थी, जिसे उस समय के नेताओं ने नहीं माना, लेकिन आज राहुल गांधी स्वयं उस विचार को व्यवहार में उतार रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल केवल चुनाव के समय सक्रिय होते हैं, जबकि भाजपा कार्यकर्ता एक चुनाव समाप्त होते ही अगले चुनाव की तैयारी में जुट जाते हैं। भाजपा सत्ता के लिए नहीं, बल्कि देश और समाज निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। भाजपा कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि यह प्रशिक्षण अभियान कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सशक्त, अनुशासित और सेवा भाव से ओत-प्रोत बनाने का सशक्त माध्यम है। प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं की क्षमता, दक्षता और वैचारिक स्पष्टता में वृद्धि होती है। यह महाअभियान संगठन की मजबूती, विस्तार और अंत्योदय के लक्ष्य की प्राप्ति में मील का पत्थर सिद्ध होगा। दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह एवं ग्रामीण जिलाध्यक्ष उपेन्द्र पासवान ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रशिक्षण से संगठन और अधिक मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल कार्यक्रमों की श्रृंखला नहीं, बल्कि कार्यकर्ता निर्माण की सतत और दीर्घकालिक प्रक्रिया है। कार्यशाला में प्रमुख रूप से राधेश्याम पाण्डेय, वेदव्रत सचान, पूनम द्विवेदी, स्वप्निल वरुण, कौशल किशोर दीक्षित, विनोद शुक्ला, रामदेव शुक्ला, रघुनंदन भदौरिया, प्रकाश वीर आर्य, मनीष त्रिपाठी,भूपेंद्र त्रिपाठी, राम बहादुर यादव, अनिरुद्ध शुक्ला, समरजीत सिंह एवं अंशुल बाजपेई सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भक्ति लोक नृत्य संस्कृति नाटिकाएं व तरानों ने एकता महोत्सव को चढ़ाया रंग

● भोजपुरी स्टार रितेश,अभिनेत्री आस्था तथा रवि त्रिपाठी की प्रस्तुतियों को देख मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। बाबा घुइसरनाथ धाम में तीन दिवसीय इक्तीसवें राष्ट्रीय एकता महोत्सव में सोमवार की शाम से शुरू हुआ भक्ति, लोकगीत, नृत्य नाटिकाएं व राष्ट्र प्रेम के बीच भोजपुरिया तरानों के संगम में पूरी की पूरी रात गुलजार दिखी। सुपरस्टार रितेश पाण्डेय व अभिनेत्री आस्था सिंह एवं पार्श्व गायक रवि त्रिपाठी के भजनों व भोजपुरिया फिल्मी तरानों में दर्शकों का उत्साह चरम पर दिखा। वहीं राजस्थान, हरियाणा व यूपी की संस्कृति की झलक लिए विविध लोकनृत्य देख कर भी दर्शक आनंदित हुए। लखनऊ के कलाकारों का भी वतनपरस्ती का जज्बा महोत्सव के ध्येय को चार चांद लगा गया।वहीं महिला दीर्घा में भी कार्यक्रमों को देखने का उत्साह और उल्लास महोत्सव की रंगत को गाढ़ा किये हुए दिखा। जाने माने भोजपुरी स्टार रितेश पाण्डेय ने बाबा धाम में ओम नमः शिवाय का भजन प्रस्तुत किया तो दर्शकों ने भी सुर में सुर मिलाया। वहीं रितेश ने विश्वास करा तू मईया के देवी आराधना की भी मनमोहक प्रस्तुति दी। रितेश ने अपना चर्चित भोजपुरिया गीत जा ए चंदा ले आवा खबरिया का चर्चित भोजपुरिया प्रस्तुत किया,तब श्रोताओं का मन बेकाबू हो उठा।भोजपुरी स्टार आस्था सिंह रितेश के गीतों पर ठुमके लगाकर बेहतरीन संगत में दिखी। आस्था ने बालम संग खटिया .. अइसे ना सतावा हमके मर जाईब गुजरिया हो व प्यार केतनो से न करिहा की प्रस्तुतियों में मनमोहक ठुमके लगाये। पार्श्वगायक रवि त्रिपाठी ने बोल बम बोल के साथ कलात्मक संस्कृति को मंच पर जीवन्त बनाया। लाफ्टर राजेन्द्र विश्वकर्मा हरिहर ने भी अपने गजब के अंदाज में महोत्सव में हंसी के फव्वारे छोड़े। रिदम संस्था दिल्ली से आये कलाकारों ने भारत हमको जान से प्यारा, ए वतन, वतन मेरे आबाद रहे तू, तेरी मिट्टी संदेश आते हैं जैसे राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियां देकर देश की महिमा का बखान किया। लखनऊ से आये कलाकारों ने शास्त्रीय नृत्य के साथ कृष्णा.. मोहे रंग दो लाल, केसरिया बालम जैसे भावनृत्य की शानदार प्रस्तुतियां दी। पौराणिक नृत्य नाटिका भस्मासुर वध व कालिया मर्दन का मंचन देख भी दर्शक भावविभोर हो उठे दिखे। वहीं मंच पर राजस्थानी, हरियाणवी व अवध की लोक संस्कृति की झलक भी बुलंदी पर दिखी। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी तथा महोत्सव की संयोजिका एवं क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना ने प्रस्तुति देने वाले चोटी के कलाकारों रितेश पाण्डेय, आस्था सिंह, रवि त्रिपाठी, नीतू सिंह को मोमेण्टो तथा शॉल व माल्यार्पण कर सम्मानित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संयोजन पार्श्वगायक रवि त्रिपाठी व संचालन राजेन्द्र विश्वकर्मा हरिहर ने किया।

शिव पुराण की महिमा सुन श्रद्धालु हुए भाव -विभोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

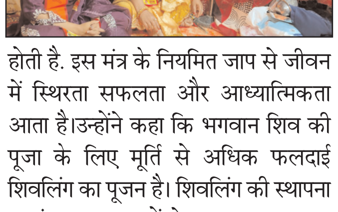

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार कस्बा के प्राचीन शिव मंदिर पर चल रहे 9 दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा में भगवान शिव के श्रद्धालु बड़ी संख्या में कथा श्रवण करने पहुंचे। कथावाचक आचार्य संतोष शुक्ल जी महाराज ने पंचाक्षर मंत्र की महिमा और भस्म की महिमा का बखान किया। उन्होंने बताया कि इस मंत्र के जब से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं और भक्तों के समस्त पापों का हरण कर लेते हैं। उन्होंने पंचाक्षरी मंत्र ओम नमः शिवाय को वेदों का कर्म बताया और कहा कि पंचाक्षरी मंत्र के पांचो अक्षर पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस मंत्र के जब से मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा, पापों का नाश और शिव की कृपा से मोक्ष की प्राप्ति होती है. इस मंत्र के नियमित जाप से जीवन में स्थिरता सफलता और आध्यात्मिकता आता है।उन्होंने कहा कि भगवान शिव की पूजा के लिए मूर्ति से अधिक फलदाई शिवलिंग का पूजन है। शिवलिंग की स्थापना स्वयं करना या दूसरों से करवाना उत्तम फल देता है। भगवान शंकर ही ऐसे देवता हैं। जो मूर्ति व लिंग के रूप में पूजे जाते हैं। भस्म की महिमा बताते हुए कथावाचक ने कहा की भस्म शिव का प्रसाद और पवित्रता का प्रतीक है। जो नश्वरता का बोध कराता है। भस्म को शिव की पूजा में अत्यंत महत्व दिया गया है। यह शरीर की नश्वरता और वैराग्य का प्रतीक है। शिव महापुराण के अनुसार भस्म को धारण करने से शिव की कृपा प्राप्त होती है। भस्म को विभूति भी कहा जाता है हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और कल्याणकारी माना गया है। यह भगवान शिव का प्रिय आभूषण है और नश्वरता एवं वैराग्य का प्रतीक है। भस्म को भगवान शिव को अर्पित करना अत्यंत कल्याणकारी है। भस्म का धारण करना अग्नि स्नान के समान है। जो शरीर के साथ-साथ मन को भी शुद्ध करती है। मौके पर प्रसिद्ध श्रीराम कथा वाचिका प्राची शुक्ला, भजन गायिका रेनू शर्मा, अनूप छापड़िया, शिव जायसवाल, सत्य प्रकाश वर्मा, दिलीप मिश्र, फूल कुमार , राकेश आर्या, दीन दयाल जायसवाल, रजत जायसवाल, सुनील, अशर्फी, प्रह्लाद अग्रहरी आदि रहे।

राष्ट्रीयता की मजबूती में एकता महोत्सव का है अप्रतिम योगदान- प्रमोद तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। इक्तीसवें राष्ट्रीय एकता महोत्सव में सोमवार को विभिन्न क्षेत्रों में योगदान के लिए विशिष्टजनों को परम्परागत एकता सम्मान मिला। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा कि बाबा धाम का यह महोत्सव राष्ट्रीयता के भाव को मजबूती दिया करता है। उन्होने कहा कि विकास तथा सदभावना की मजबूती में यह महोत्सव भव्य भारत के निर्माण की पवित्र संकल्पना है। अध्यक्षता करते हुए विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने एकता महोत्सव के उददेश्य पर विस्तृत प्रकाश डाला। वहीं महोत्सव में आयोजन समिति द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में योगदान के लिए विशिष्टजनों व कलाकारों को सम्मानित भी किया गया। सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक आराधना मिश्रा मोना ने आयोजन समिति की ओर से कर्नल राघवराम मिश्र को मरणोपरान्त तथा रिटायर्ड अपर जिला जज श्याम लाल, पूर्व प्रधान मो0 सगीर, उद्यमी बाल मुकुन्द तिवारी, रामेश्वरनाथ यादव, वरिष्ठ पत्रकार निशान्त त्रिपाठी को मान पत्र व शाल तथा मोमेण्टो प्रदान कर एकता सम्मान सौंपा। वहीं सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक मोना ने वज्र एकेडमी के स्वयंसेवकों व बाबा घुइसरनाथ श्रृंगार समिति के सदस्यों का भी माल्यार्पण तथा शॉल भेंटकर सम्मान प्रदान किया। स्वागत विधायक मोना के पुत्र राघव मिश्र व संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। समारोह में एआईएमटी लखनऊ के निदेशक अम्बिका मिश्र, नन्दजा मिश्रा विशिष्ट अतिथि रहीं। संयोजन सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बबलू, लालगंज प्रमुख इं. अमित सिंह पंकज, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी व डॉ. अमिताभ शुक्ल ने किया। प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी ने आभार प्रदर्शन किया। इस मौके पर नायब तहसीलदार वीरेन्द्र मिश्र, पूर्व प्रमुख दृगपाल यादव, पूर्व प्रमुख रामकृपाल पासी, भुवनेश्वर शुक्ला, आशुतोष मिश्र, विकास मिश्र, लल्लन सिंह, रिंकू सिंह परिहार, अशोकधर द्विवेदी, लाल अभिषेक प्रताप सिंह, छोटेलाल सरोज, धर्मेन्द्र शुक्ल, इं. सुनील पाण्डेय, रामलोचन त्रिपाठी, रामचंद्र त्रिपाठी, त्रिभु तिवारी, अम्बुज मिश्र, संतोष पाण्डेय, अतुल शुक्ला, अभिनव शुक्ल, मुरलीधर तिवारी, संजय बघेल, राजू मिश्र, प्रियम मिश्र आदि रहे।

डीएम ने किया पीएचसी उत्तरीपुरा का औचक निरीक्षण, मेडिकल ऑफिसर सहित चार अनुपस्थित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने आज अपराह्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र उत्तरीपुरा का औचक निरीक्षण किया तो व्यवस्थाओं में गंभीर लापरवाही सामने आई। सात कर्मचारियों में से केवल तीन ही ड्यूटी पर उपस्थित मिले। अनुपस्थित पाए जाने पर डॉ. प्रीति सचान (मेडिकल ऑफिसर), रामानुज (वार्ड बॉय) और कु. ज्योति (स्टाफ नर्स) का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। वहीं चीफ फार्मासिस्ट अशोक श्रीवास्तव का अवकाश आवेदन पत्र उपलब्ध तो था, लेकिन उसे न तो विधिवत दर्ज किया गया था और न ही स्वीकृत किया गया था। इसे अनियमितता मानते हुए उनका भी एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान ओपीडी रजिस्टर शासन द्वारा निर्धारित मानक के अनुरूप नहीं पाया गया। नियमानुसार मरीज के नाम के साथ मोबाइल नंबर दर्ज किया जाना अनिवार्य है, लेकिन यह प्रविष्टियां नहीं की जा रही थीं। मौके पर उपस्थित आयुष चिकित्सक डॉ. सरिता कटियार निर्धारित रजिस्टर के स्थान पर अन्य रजिस्टर का उपयोग कर रही थीं, जिसमें मरीजों के मोबाइल नंबर अंकित नहीं थे। इस पर उनका स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य केंद्र में बायोमैट्रिक उपस्थिति प्रणाली संचालित नहीं पाई गई और परिसर व कक्षों में साफ-सफाई की स्थिति भी खराब मिली। जिलाधिकारी ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए फटकार लगाई तत्काल सुधार के निर्देश दिए। पीएचसी के पर्यवेक्षण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी सवालों में रही।

घाटमपुर के मुख्य चौराहे के पास एक महिला का शव मिला

घाटमपुर। घाटमपुर कस्बे के मुख्य चौराहे के पास एक अज्ञात महिला अचेत अवस्था में मिली,, राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाटमपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह घटना कस्बे के मुख्य चौराहे के पास हुई, जिससे मौके पर हड़कंप मच गया, स्थानीय लोगों ने महिला को अचेत देख कर तुरंत पुलिस को सूचना दी, पुलिस टीम तत्काल घटना स्थल पर पहुंची, और महिला को अस्पताल पहुंचाया, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाटमपुर के डाक्टरों ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया, मृतका की उम्र लगभग 50 वर्ष बताई जा रही है, कस्बा चौकी प्रभारी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि शव को फिलहाल पहचान और पोस्टमार्टम के लिए घाटमपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रखा गया है ,, स्थानीय लोगों के अनुसार यह महिला चौराहे के आस पास भीख मांग कर अपना गुजर-बसर करतीं थी,, पुलिस अब महिला की पहचान करने और मामले में आगे-की कानूनी कार्रवाई करने में जुटीं हुई है।

टेली लॉ से आसान हुआ न्याय का रास्ता, समय पर सलाह से लोगों को मिल रही राहत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। आम नागरिकों को निःशुल्क और त्वरित कानूनी परामर्श उपलब्ध कराने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की टेली लॉ योजना न्याय व्यवस्था को जनसुलभ बनाने में प्रभावी भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को विकास भवन सभागार रायबरेली में टेली लॉ योजना को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। टेली लॉ से न्याय का रास्ता आसान हुआ।आम नागरिकों को निःशुल्क और त्वरित कानूनी परामर्श उपलब्ध कराने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की टेली लॉ योजना न्याय व्यवस्था को जनसुलभ बनाने में प्रभावी भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में मंगलवार को विकास भवन सभागार, रायबरेली में टेली लॉ योजना को लेकर विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉमन सर्विस सेंटर से जुड़े वीएलई और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर सीएससी सीनियर मैनेजर योगेश मिश्रा ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली के सचिव एवं अपर सिविल जज अमोघ कंठ का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

राज्य समन्वयक वागीश सिंह ने कहा कि टेली लॉ योजना तकनीक के माध्यम से न्याय को आमजन के घर तक पहुंचाने की सशक्त पहल है। उन्होंने बताया कि टोल-फ्री सुविधा, कॉमन सर्विस सेंटर और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए लोग पैनल अधिवक्ताओं से सीधे संवाद कर अपनी कानूनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर रहे हैं। भूमि विवाद, पारिवारिक मामलों, श्रम संबंधी मुद्दों और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े प्रकरणों में टेली लॉ के माध्यम से दी गई समयबद्ध सलाह से लोगों को त्वरित राहत मिल रही है और कई विवाद अदालत तक पहुंचने से पहले ही सुलझ रहे हैं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली के सचिव एवं अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन अमोघ कंठ ने कहा कि टेली लॉ योजना समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग के लिए न्याय तक पहुंच को सरल बनाती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक या सामाजिक कारणों से जो लोग वकीलों तक नहीं पहुंच पाते थे, उन्हें अब प्रारंभिक स्तर पर ही सही कानूनी मार्गदर्शन उपलब्ध हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को टेली लॉ योजना के अधिकतम उपयोग के लिए प्रेरित किया गया तथा वीएलई से आह्वान किया गया कि वे गांव-गांव जाकर इस योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाएं।उन्होंने यह भी बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एक मेगा कैंप का आयोजन 22 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है, जिसमें सरकारी योजनाओं से संबंधित सभी सेवाओं का समाधान किया जाएगा। जिसमें सभी लोग अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की गई। सचिव ने आयुष्मान कार्ड निर्माण सहित कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी सेवाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए लोगों की शंकाओं का समाधान किया।कार्यक्रम में कॉमन सर्विस सेंटर से जुड़े वीएलई और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर सीएससी सीनियर मैनेजर योगेश मिश्रा ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली के सचिव एवं अपर सिविल जज अमोघ कंठ का पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।राज्य समन्वयक वागीश सिंह ने कहा कि टेली लॉ योजना तकनीक के माध्यम से न्याय को आमजन के घर तक पहुंचाने की सशक्त पहल है। उन्होंने बताया कि टोल फ्री सुविधा, कॉमन सर्विस सेंटर और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए लोग पैनल अधिवक्ताओं से सीधे संवाद कर अपनी कानूनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर रहे हैं। भूमि विवाद, पारिवारिक मामलों, श्रम संबंधी मुद्दों और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जुड़े प्रकरणों में टेली लॉ के माध्यम से दी गई समयबद्ध सलाह से लोगों को त्वरित राहत मिल रही है और कई विवाद अदालत तक पहुंचने से पहले ही सुलझ रहे हैं।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायबरेली के सचिव एवं अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन अमोघ कंठ ने कहा कि टेली लॉ योजना समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्ग के लिए न्याय तक पहुंच को सरल बनाती है। उन्होंने कहा कि आर्थिक या सामाजिक कारणों से जो लोग वकीलों तक नहीं पहुंच पाते थे, उन्हें अब प्रारंभिक स्तर पर ही सही कानूनी मार्गदर्शन उपलब्ध हो रहा है।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को टेली लॉ योजना के अधिकतम उपयोग के लिए प्रेरित किया गया तथा वीएलई से आह्वान किया गया कि वे गांव-गांव जाकर इस योजना की जानकारी आमजन तक पहुंचाएं।उन्होंने यह भी बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एक मेगा कैंप का आयोजन 22 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है जिसमें सभी सरकारी योजनाओं से संबंधित सभी सेवाओं का समाधान किया जाएगा। जिसमें सभी लोगों को अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की गई। इस पर उन्होंने आयुष्मान कार्ड निर्माण सहित कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी सेवाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए लोगों की शंकाओं का समाधान किया।

भारतीय किसान यूनियन (भानू) ने 8 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन, समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। नगर क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर आज भारतीय किसान यूनियन (भानू) के पदाधिकारियों ने तहसील उपाध्यक्ष आलम खान के नेतृत्व में नगर कार्यालय पहुंचकर अधिशाषी अधिकारी अवनीश कुमार सिंह को 8 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नगर की मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी शिकायतों, मांगों एवं लंबित समस्याओं के समाधान की मांग की गई। किसान यूनियन ने आरोप लगाया कि नगर क्षेत्र में ठेकेदार निर्माण कार्य शुरू करने से पहले नियमानुसार सूचना बोर्ड नहीं लगाते हैं, जिससे पारदर्शिता प्रभावित होती है। संगठन ने सभी निर्माण स्थलों पर अनिवार्य रूप से इंफॉर्मेशन बोर्ड लगवाने की मांग की। इसके साथ ही वार्डों में नियमित कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराने की आवश्यकता भी बताई गई। ज्ञापन में जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने में अनावश्यक देरी तथा तैयार प्रमाण पत्रों को गृहकर और जलकर से जोड़कर रोके जाने की शिकायत उठाई गई। यूनियन ने इसे तत्काल बंद कर नागरिकों को समय पर प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने की मांग की। वार्ड नंबर 15 में ईदगाह और कब्रिस्तान के पास बनी सीसी रोड के किनारे नाली निर्माण न होने से जलभराव की समस्या बनी रहती है, जिसे शीघ्र पूरा कराने की मांग की गई। वहीं वार्ड नंबर 13 में स्टेशन मार्ग से मंजूर आलम के घर तक सड़क निर्माण को अत्यंत आवश्यक बताते हुए कहा गया कि वर्ष 2012 से मांग के बावजूद अब तक कार्य नहीं हुआ, जिससे बरसात में आवागमन बाधित हो जाता है। इसी वार्ड में जल निगम द्वारा डाली गई पाइपलाइन को अब तक कनेक्ट न किए जाने का मुद्दा भी उठाया गया। बरगदवा और सिसहानियां-बरगदहीं वार्ड को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर स्ट्रीट लाइट न होने से नागरिकों को रात में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। यूनियन ने शीघ्र स्ट्रीट लाइट लगवाने की मांग की। इसके अतिरिक्त वार्ड नंबर 8 में आलम बाबा मुहावर के घर से हाजी अब्दुल बारी के घर तक बनी पुरानी नाली के ध्वस्त होने और कूड़े से पट जाने की समस्या को उठाते हुए उसकी सफाई एवं मरम्मत कराने की मांग की गई। अधिशाषी अधिकारी ने ज्ञापन में उठाए गए सभी बिंदुओं पर संबंधित विभागों को तत्काल आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए और समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। अधिकारियों की इस सकारात्मक पहल से किसान यूनियन के पदाधिकारी संतोष जताते हुए प्रसन्न नजर आए।

जनगणना-2027 की तैयारियों को लेकर जिला स्तरीय समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। बलरामपुर में जनगणना-2027 की तैयारियों के संबंध में जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ज्योति राय ने की। बैठक में अधिकारियों को जनगणना-2027 की विस्तृत कार्ययोजना, क्रियान्वयन प्रक्रिया तथा समय-सारिणी की जानकारी दी गई। बताया गया कि उत्तर प्रदेश में जनगणना का प्रथम चरण 22 मई से 20 जून 2026 तक प्रस्तावित है। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से कराई जाएगी, जिसके अंतर्गत नागरिकों को 7 मई से 21 मई 2026 तक स्व-गणना (Self Enumeration) की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके माध्यम से लोग अपनी जानकारी स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। निर्धारित अवधि में प्रगणक घर-घर जाकर मोबाइल ऐप के माध्यम से आंकड़ों का संकलन भी करेंगे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि शासन द्वारा निर्धारित मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। अपर जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों को आपसी समन्वय स्थापित कर समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि जनगणना के दौरान आने वाले प्रगणकों को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराकर इस राष्ट्रीय अभियान में सहभागी बनें। बैठक में शिक्षा, राजस्व, नगर निकाय, सूचना विज्ञान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

महरौनी मंडी में करोड़ों के गबन का खुलासा

पूर्व मंडी सचिव ग्रजेश तिवारी पर धारा 409 में मुकदमा दर्ज

महरौनी। महरौनी कृषि उपज मंडी में करोड़ों रुपये के कथित गबन का बड़ा मामला सामने आया है। जांच में वित्तीय अनियमितताओं और फर्जी दस्तावेजों के संकेत मिलने के बाद पूर्व मंडी सचिव गिरिजेश तिवारी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 409 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार, मामले की जांच टीम में उप जिलाधिकारी महरौनी रजनीश बाजपेई, वर्तमान मंडी सचिव अनूप यादव तथा संबंधित अधिकारी स्वप्निल पंडा शामिल रहे।

अधिकारियों द्वारा रिकॉर्ड एवं वित्तीय दस्तावेजों की गहन जांच के दौरान करोड़ों रुपये के गबन के संकेत मिले। आरोप है कि पूर्व मंडी सचिव ने फर्जी अभिलेखों और कागजात के माध्यम से सरकारी/मंडी धनराशि का दुरुपयोग किया। मामले में धारा 409 लगाई गई है, जो लोक सेवक या भरोसेमंद पद पर आसीन व्यक्ति द्वारा आपराधिक न्यासभंग (Criminal Breach of Trust) से संबंधित है। इस धारा के अंतर्गत दोष सिद्ध होने पर कठोर दंड का प्रावधान है। प्रशासन का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच लगातार जारी है और सभी संबंधित दस्तावेजों को खंगाला जा रहा है। यदि जांच में अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता सामने आती है तो उनके विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मंडी में करोड़ों के इस कथित घोटाले के खुलासे से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। व्यापारी वर्ग और आमजन अब निष्पक्ष जांच तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

उर्वरक सब्सिडी नीति में सुधार की उठाई मांग

एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

ललितपुर। एग्रो इनपुट डीलर एसोसिएशन ने उर्वरक सब्सिडी नीति में सुधार, यूरिया के संतुलित उपयोग और मृदा स्वास्थ्य संरक्षण को लेकर देश के प्रधानमंत्री को एक विस्तृत ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन के माध्यम से एसोसिएशन ने वर्तमान उर्वरक मूल्य संरचना में व्याप्त असंतुलन पर चिंता जताते हुए कहा है कि सस्ते यूरिया और महंगे एनपीके/डीएपी उर्वरकों के कारण किसान मजबूरी में यूरिया का अत्यधिक प्रयोग कर रहे हैं, जिससे मिट्टी की उर्वरता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। एसोसिएशन के अनुसार वर्तमान में 45 किलोग्राम यूरिया की कीमत मात्र 266 है, जबकि एनबीएस नीति के चलते एनपीके ग्रेड उर्वरकों की कीमत 2100 प्रति 50 किलोग्राम तक पहुंच गई है। इस बड़े मूल्य अंतर के कारण मिट्टी अ लीय हो रही है और सूक्ष्म पोषक तत्व नष्ट हो रहे हैं, जो दीर्घकाल में कृषि उत्पादन के लिए घातक है।

यूरिया गोल्ड मॉडल का प्रस्ताव

ज्ञापन में एक क्रांतिकारी समाधान सुझाते हुए सल्फर कोटेड यूरिया (यूरिया गोल्ड) और जिंक युक्त यूरिया को बढ़ावा देने की मांग की गई है। प्रस्ताव के अनुसार, इन्हें 500 प्रति 40 किलोग्राम की दर से चरणबद्ध तरीके से बाजार में लाया जाए तथा वर्तमान नाइट्रोजन आधारित यूरिया का उत्पादन हर वर्ष 20 प्रतिशत घटाया जाए। साथ ही, यूरिया पर बचने वाली सब्सिडी को एनपीके और डीएपी उर्वरकों की ओर स्थानांतरित कर उनकी कीमत क्रमशः अधिकतम 1500 और 1350 प्रति 50 किलोग्राम तय करने की मांग की गई है, जिससे किसानों को संतुलित पोषण मिल सके और सरकारी बजट पर अतिरिक्त बोझ भी न पड़े।

मृदा व पर्यावरण के लिए लाभकारी

एसोसिएशन ने बताया कि वैज्ञानिक शोधों के अनुसार सल्फर कोटेड यूरिया एक स्लो-रिलीज उर्वरक है, जिससे मिट्टी की खराबी में 25 से 30 प्रतिशत तक कमी आती है। इसकी उपयोग क्षमता 50 से 60 प्रतिशत तक होती है, जबकि सामान्य यूरिया की क्षमता मात्र 30 से 40 प्रतिशत रहती है। इसके अलावा, यह भूजल प्रदूषण को भी रोकने में सहायक है।

नीतिगत स्पष्टता की मांग

ज्ञापन में उर्वरक कंपनियों द्वारा एक ही ग्रेड के अलग-अलग मूल्य तय किए जाने पर भी आपत्ति जताई गई है। एसोसिएशन ने केंद्र सरकार से पुनः प्रत्येक ग्रेड की अधिकतम खुदरा कीमत तय करने और पोटाश की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण करने की मांग की है, जिससे गन्ना जैसी फसलों की पैदावार प्रभावित न हो। अंत में जिला अध्यक्ष महेश जैन मोनू ने प्रधानमंत्री से इस विषय पर प्रत्यक्ष भेंट कर जमीनी समस्याओं और समाधानों पर विस्तार से चर्चा करने का समय देने की अपील की है।

यूपी बोर्ड परीक्षाएं आज से शुरू: 52 लाख से अधिक छात्र देंगे हाईस्कूल और इंटर की परीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज/लखनऊ, उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपीएमएसपी) द्वारा आयोजित हाईस्कूल (कक्षा 10) और इंटरमीडिएट (कक्षा 12) की बोर्ड परीक्षाएं आज यानी 18 फरवरी 2026 से शुरू हो गई हैं। इस वर्ष कुल 52,30,297 छात्र-छात्राएं इन परीक्षाओं में शामिल होंगे, जो एशिया की सबसे बड़ी स्कूल परीक्षा प्रक्रियाओं में से एक है। परीक्षाएं 12 मार्च 2026 तक चलेंगी और राज्य भर के 8,033 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जा रही हैं। परीक्षा की शुरुआत दोनों कक्षाओं में हिंदी विषय से हुई है। परीक्षाएं दो पालियों में हो रही हैं - सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे तक और दोपहर 2:00 बजे से 5:15 बजे तक। बोर्ड ने परीक्षाओं को नकलमुक्त और सुचारू रूप से संचालित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। शिक्षा राज्य मंत्री गुलाब देवी ने प्रयागराज में राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष का उद्घाटन किया, जहां से परीक्षाओं की ऑनलाइन निगरानी की जा रही है।

छात्रों की सं या और वर्गीकरण

इस वर्ष हाईस्कूल परीक्षा के लिए 27,50,945 छात्र पंजीकृत हैं, जिनमें 14,38,682 लड़के और 13,12,263 लड़कियां शामिल हैं। वहीं, इंटरमीडिएट परीक्षा के लिए 24,79,352 छात्रों ने पंजीकरण कराया है, जिसमें 13,03,012 लड़के और 11,76,340 लड़कियां हैं। पिछले वर्ष की तुलना में इंटरमीडिएट के पंजीकरण में 2,25,657 की कमी आई है, जबकि हाईस्कूल के पंजीकरण में मामूली वृद्धि दर्ज की गई है।

बोर्ड अधिकारियों के अनुसार, परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए स त कदम उठाए गए हैं। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे मोबाइल जैमर और सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। यदि कोई छात्र नकल में पकड़ा जाता है, तो उसे शैक्षणिक दंड का सामना करना पड़ेगा, जिसमें परीक्षा से निष्कासन शामिल हो सकता है।

प्रैक्टिकल परीक्षाओं में चुनौतियां

इंटरमीडिएट की प्रैक्टिकल परीक्षाओं में 4,372 छात्र अनुपस्थित रहे या परीक्षा नहीं दे सके। बोर्ड ने इन छात्रों को लिखित परीक्षाओं के बाद दूसरा मौका देने की घोषणा की है। प्रैक्टिकल परीक्षाओं का पहला चरण फरवरी के पहले सप्ताह में और दूसरा चरण दूसरे सप्ताह में आयोजित किया गया था।

परीक्षा दिशानिर्देश और सलाह

छात्रों को परीक्षा केंद्र पर कम से कम 30-60 मिनट पहले पहुंचना अनिवार्य है। एडमिट कार्ड, पेन और आवश्यक स्टेशनरी के अलावा कोई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाना प्रतिबंधित है। बोर्ड ने ओएमआर शीट के लिए स त नियम लागू किए हैं, जिसमें गलत भरने पर अंक कटौती हो सकती है।

यूपीएमएसपी के सचिव ने कहा, 'हमारी प्राथमिकता परीक्षाओं को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाना है। सभी छात्रों से अपील है कि वे मेहनत और ईमानदारी से परीक्षा दें।' राज्य सरकार ने परीक्षाओं के दौरान बिजली और यातायात व्यवस्था को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

छात्रों के लिए टिप्स (एग्जाम हॉल और तैयारी के लिए)

- परीक्षा से एक रात पहले हल्का भोजन करें और कम से कम 7-8 घंटे की अच्छी नींद लें।
- सुबह उठकर हल्की एक्सरसाइज या गहरी सांस लें, इससे दिमाग तरोताजा रहेगा।
- परीक्षा हॉल में शांत रहें, घबराहट को नियंत्रित करें और गहरी सांस लेकर फोकस बनाए रखें।
- उत्तर लिखते समय पहले आसान सवाल हल करें, समय बचे तो मुश्किल सवालों पर लौटें।
- हर उत्तर में साफ हैंडराइटिंग बोल्ड हेडिंग नंबरिंग और

बुलेट पॉइंट्स का इस्तेमाल करें।

- डायग्राम, टेबल या ग्राफ बनाते समय साफ-सुथरा बनाएं और सभी लेबल जरूर लगाएं - इससे पूरे अंक मिलते हैं।
- अंतिम 5-7 मिनट में उत्तर शीट को जल्दी से चेक करें - कोई महत्वपूर्ण पॉइंट छूटा हो तो जोड़ लें।
- ओएमआर शीट भरते समय रोल नंबर और सब्जेक्ट कोड दोबारा जांच लें, गलती होने पर अंक कट सकते हैं।
- पानी की पारदर्शी बोतल साथ रखें, लेकिन किसी भी तरह का पेपर या नोट्स न ले जाएं।

यह परीक्षा न केवल छात्रों के भविष्य को आकार देगी, बल्कि उत्तर प्रदेश की शिक्षा प्रणाली की मजबूती को भी दर्शाएगी। बोर्ड ने सभी छात्रों को शुभकामनाएं दी हैं। सभी परीक्षार्थियों से अनुरोध है कि वे शांतिपूर्वक और नियमों का पालन करते हुए परीक्षा दें। मेहनत और आत्मविश्वास से सफलता निश्चित है!

भव्य कलश यात्रा के साथ तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह का शुभारंभ

तालबेहट। टेकरी स्थित माँ शबरी आश्रम की पहाड़ी पर निर्मित राम शबरी मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह का शुभारंभ मंगलवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिन हजारिया महादेव मंदिर से श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा निकाली, जिसमें बड़ी सं या में महिलाएं, युवा और श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों—रानीपुर, पुराने पेट्रोल पंप, रामलीला मैदान, बस स्टैंड और नए बस स्टैंड से होती हुई टेकरी स्थित आश्रम परिसर पहुंची, जहां विधि-विधान के साथ कलश यात्रा का समापन किया गया। यात्रा में सबसे आगे पीतांबर और केसरिया ध्वज फहराते हुए युवाओं की सुसंगठित टोलियां चल रही थीं। इसके बाद विभिन्न महापुरुषों की आकर्षक झांकियां और भगवान के स्वरूप सजाए रथ श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने रहे। सबसे पीछे मंगलगान करती सैकड़ों महिलाओं की टोलियां भक्ति रस घोलती नजर आईं। ढोल-नगाड़ों की गूंज और जयघोषों के बीच पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में रंग गया। युवाओं द्वारा 'जय श्रीराम' के उद्घोष से वातावरण गूंजता रहा। आयोजन समिति के अनुसार आगामी दो दिनों तक मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, हवन-पूजन एवं प्रवचन एवं प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजन के दौरान समिति पदाधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता सक्रिय रहे।

दिल्ली के सदर बाजार में अवैध पटरी वालों का कब्जा सड़क पर अतिक्रमण जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
बादल हुसैन

नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का सदर बाजार एशिया के सबसे बड़े और सबसे प्रसिद्ध थोक बाजारों में से एक माना जाता है, यह अपनी सस्ती दरों पर घरेलू सामान, इलेक्ट्रॉनिक, कपड़े, कॉस्मेटिक्स और अन्य उत्पादों की विशाल रेंज के लिए जाना जाता है और पूरे उत्तर भारत से ग्राहकों को आकर्षित करता है। एशिया के सबसे बड़े बाजार में शुमार सदर बाजार में एक बार फिर से अतिक्रमण की समस्या बढ़ गई है। मार्केट में अतिक्रमण की समस्या बढ़ने से व्यापारियों और यहां खरीदारी करने आने वाले ग्राहकों को साफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अवैध पटरी ठेला और दुकानों के आगे सामान रखने से रास्ते संतरे हों जाते हैं, जिससे भीड़ ट्रैफिक जाम और सुरक्षा संबंधी दिक्कते जैसे भगदड़ का ख़तरा पैदा होती है, पिछले दिनों इसी भीड़ में एक बच्चे की मौत हो गई थी। जब की हालही में इसके खिलाफ एमसीडी और पुलिस ने कार्रवाई भी की। लेकिन यह समस्या अब फिर दोबारा सदर बाजार में कुछ दुकानदार सड़क पर अतिक्रमण करते हुए अपने दुकानों के सामान रखना शुरू कर रहे हैं। जानकार सूत्रों ने बताया कि कुछ दुकानदारों की सह पर बाजार में पैसे लेकर बाहर के दुकानदारों को अतिक्रमण करने दिया जा रहा है। अब तों पुलिस महकमे पर भी सवाल उठने लगे हैं। कि देश की सबसे बड़ी मार्किट जाम और भीड़भाड़ से कराह रही हैं अखिर समय रहते हुए प्रशासन संज्ञान क्यों नहीं ले रही है। आ फिर से भीड़ में किसी की मौत का इंतजार कर रही है।

ओबरा रात के अंधेरे में सड़क नवीनीकरण पर जनता का पहरा भ्रष्टाचार की आशंका जताते हुए रुकवाया काम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ओबरा (सोनभद्र) 7 17 फरवरी, 2026 ओबरा नगर के ओबरा हनुमान मंदिर से बजरंग नगर मु य मार्ग पर लोक निर्माण विभाग (PWD) की कार्यप्रणाली एक बार फिर विवादों के घेरे में है। सोमवार की देर रात लगभग 11 बजे गुपचुप तरीके से शुरू किए गए सड़क नवीनीकरण कार्य को स्थानीय नागरिकों ने न केवल रोका, बल्कि विभाग की नीयत पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पिछले एक सप्ताह से सड़क की पटरियों से धूल और कंक्रीट हटाने का काम चल रहा था। नगरवासियों को लगा कि महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में नगर की सफाई की जा रही है। लेकिन 16 फरवरी की रात जब भारी मशीनरी और तारकोल बिछाने की तैयारी शुरू हुई, तो मामला सफाई से बदलकर सड़क नवीनीकरण का निकला। मौके पर लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता की मौजूदगी में नागरिकों ने तीखी बहस की और नि नलिखित बिंदुओं पर जवाब मांगा। स्थानीय लोगों का तर्क है कि सड़क की मौजूदा हालत काफी अच्छी थी। ऐसे में बिना किसी तकनीकी खराबी के दोबारा डामरीकरण करने की क्या आवश्यकता थी? क्या इसका कोई कंडीशन सर्वे सार्वजनिक किया गया? नियमतः किसी भी सरकारी कार्य के शुरू होने से पहले उसकी लागत, लंबाई और कार्यदायी संस्था का विवरण देने वाला सूचना पट्ट (Work Board) लगाना अनिवार्य है, जो मौके पर नदारद था। रात के अंधेरे में चल रहे काम के दौरान बैरिकेडिंग या रि लेक्टर जैसे सुरक्षा उपकरणों का उपयोग नहीं किया गया था, जिससे राहगीरों की जान को खतरा हो सकता था। मौके पर मौजूद श्रमिकों के सुरक्षा उपकरण और श्रम कानूनों के अनुपालन को लेकर भी विभाग के पास कोई स्पष्ट जवाब नहीं था। विभागीय सूत्रों के अनुसार, यह कार्य 6 माह पूर्व स्वीकृत हुआ था और टेंडर 2 माह पहले आवंटित हो चुका था। हालांकि, रात में कार्य शुरू करने की जल्दबाजी पर अधिकारी जनता को संतुष्ट नहीं कर सके। जब सड़क पहले से ही चलने लायक है, तो सरकारी धन का दुरुपयोग क्यों? रात के 11 बजे ही काम शुरू करना पारदर्शिता पर सवाल उठाता है। नागरिकों के भारी विरोध और हंगामे के चलते कार्य को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है। स्थानीय लोगों ने स्पष्ट किया है कि जब तक विभाग कार्य की लागत, तकनीकी आधार और गुणवत्ता मानकों का विवरण सार्वजनिक नहीं करता, तब तक एक इंच भी काम आगे बढ़ने नहीं दिया जाएगा। अब इस मामले में जिला प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। क्या उच्चाधिकारी इस कार्य की तकनीकी जांच कराएंगे या फिर इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया जाएगा?

एडीएम प्रशासन ने कुमारगंज थाने का किया निरीक्षण

● खामियों को ठीक करने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिल्कीपुर, अयोध्या एडीएम प्रशासन अयोध्या अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने बताया कि अपर मु य सचिव गृह के आदेशानुसार जिलाधिकारी द्वारा जिले के सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जनपद में जितने भी थाने हैं, उन पर एक-एक वरिष्ठ अधिकारियों को नियुक्त किया जाए। इसके तहत आज मिल्कीपुर तहसील के कुमारगंज थाने का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान एडीएम प्रशासन ने थाना परिसर में स्थित बंदी गृह, कार्यालय, महिला हेल्पलाइन, आवास, मालखाना और विभिन्न अभिलेखों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने थाना परिसर में साफ-सफाई में कुछ कमियां पाई, जिन्हें जल्द ठीक करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा, एडीएम ने कहा कि जो भी अन्य कमियां मिली हैं, उन्हें शीघ्र ठीक किया जाएगा ताकि थाना परिसर का कार्य सही तरीके से चल सके। थाना परिसर में निरीक्षण करते हुए एडीएम को यह भी जानकारी मिली कि थाना प्रसार में जो हैंडपंप लगाया गया है, वह दूषित पानी दे रहा है।

इस पर एडीएम प्रशासन ने जल्द ही उसे ठीक कराने का आदेश दिया ताकि आगामी दिनों में आने वाले लोगों को पानी की समस्या का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान कुमारगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार, उपनिरीक्षक समेत और अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे। एडीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुलिस थाना में सभी आवश्यक सुविधाएं और व्यवस्थाएं सुचारु रूप से चलें, ताकि जनता को कोई असुविधा न हो। इस निरीक्षण के माध्यम से प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया है कि पुलिस थाना परिसर में साफ-सफाई और अन्य बुनियादी सुविधाएं पूरी तरह से दुरुस्त रहें, और लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

सोनभद्र डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन चुनाव 2025-26 का बिगुल बजा 22 फरवरी से शुरू होगी प्रक्रिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र। फरवरी, 2026 डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र की नई कार्यकारिणी के चयन की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। आज बार एसोसिएशन की साधारण सभा की एक महत्वपूर्ण बैठक वर्तमान अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सत्र 2025-26 के लिए लोकतांत्रिक तरीके से नई प्रबंध समिति के गठन को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष जगजीवन सिंह एडवोकेट ने बताया कि इस वर्ष नई कार्यकारिणी के चयन के लिए कुल 546 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदाताओं का विवरण नि नवत है।आजीवन सदस्य 56, वार्षिक सदस्य 490, कुल मतदाता 546, अध्यक्ष ने अपने संबोधन में वर्तमान कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को उनके कार्यकाल के दौरान मिले निरंतर सहयोग के लिए साधुवाद प्रकट किया। एल्डर कमेटी के अध्यक्ष श्रीनाथ सिंह एडवोकेट ने आगामी चुनाव की समय-सारणी की घोषणा करते हुए बताया कि चुनाव प्रक्रिया 22 फरवरी, 2026 से प्रारंभ होकर 9 मार्च, 2026 तक चलेगी। चुनाव को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए पाँच सदस्यीय एल्डर कमेटी का गठन किया गया है, जिसमें नि नलिखित वरिष्ठ अधिवक्ता शामिल हैं। नाथ सिंह (अध्यक्ष)

मुश्ताक अली, निर्लेंद्र कुमार श्रीवास्तव, रमेश चंद्र सिंह, छोटेलाल गौतम, एल्डर कमेटी के निर्देशानुसार, जल्द ही चुनाव अधिकारियों द्वारा नामांकन, वापसी और मतदान की तिथियों का विस्तृत चार्ट जारी किया जाएगा। साधारण सभा की इस बैठक का संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार सिंह एडवोकेट ने किया। इस गरिमामयी अवसर पर जनपद के प्रमुख अधिवक्ता उपस्थित रहे, जिनमें मु य रूप से रणजीत सिंह, श्याम बिहारी यादव, राजेश यादव, वीरेंद्र राव, चंद्रप्रकाश सिंह, टीटू गुप्ता, कामता प्रसाद यादव, रमेशचंद्र सिंह, प्रेम प्रताप विश्वकर्मा, राजेंद्र प्रसाद यादव, विमल प्रसाद सिंह, नवीन पाण्डेय, शैलेंद्र कुमार, सुरेश सिंह, दसरथ यादव और रामगुल्ली आदि शामिल थे।

श्रीभूमि जिले के सीपाछड़ा में पारिवारिक जमीन विवाद में झूठे बदनाम करने के आरोपों को गाँववासियों और 4 नंबर वार्ड सदस्य ने किया खारिज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि श्रीभूमि जिले के सीपाछड़ा में पारिवारिक जमीन विवाद को लेकर लगाए गए आरोपों को गाँववासियों और 4 नंबर वार्ड सदस्य ने सिरे से खारिज कर दिया है। श्रीभूमि जिला के अंतर्गत दुल्लभछड़ा खंड विकास क्षेत्र की दुल्लभछड़ा ग्राम पंचायत के सीपाछड़ा गाँव के 4 नंबर वार्ड के ग्रामीणों और वार्ड सदस्य ने संयुक्त रूप से प्रेस को संबोधित कर अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बताया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उसी गाँव के निवासी रंजू तेली ने मीडिया के समक्ष शिकायत की थी कि पारिवारिक जमीन विवाद में दीप नारायण ग्वाला, मिलन तेली और टिंकू माला की संलिप्तता है। हालांकि ग्रामीणों और संबंधित वार्ड सदस्य का कहना है कि यह मामला पूर्णतः पारिवारिक है और उनके विरुद्ध लगाए गए आरोप झूठे, बेबुनियाद तथा उद्देश्यपूर्ण हैं। उनका यह भी दावा है कि अभद्र व्यवहार और मानसिक उत्पीड़न के आरोप पूरी तरह मनगढ़ंत हैं। गाँववासियों के अनुसार, राम शंकर तेली ने विवादित जमीन पर किसी प्रकार का कब्ज़ा नहीं किया है। जलजमाव की समस्या के कारण वे कई वर्ष पूर्व ऊपरी टीले पर रहने लगे थे, जिसे उनकी पैतृक संपत्ति बताया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्तमान में रंजू तेली उक्त जमीन पर कब्ज़ा करने का प्रयास कर रहे हैं। इस संबंध में 17 फरवरी (मंगलवार) को 4 नंबर वार्ड के कम्युनिटी हॉल में आयोजित बैठक के निर्णय की प्रति थाना में जमा कराई जाएगी।

बैठक में उपस्थित वरिष्ठ ग्रामीणों ने बताया कि पूर्वजों के बीच भूमि बंटवारे के अनुसार राम शंकर तेली के पिता और रंजू तेली के पिता को अलग-अलग हिस्से प्राप्त हुए थे। जिस जमीन को लेकर वर्तमान में विवाद उत्पन्न हुआ है, वह राम शंकर तेली का पैतृक हिस्सा ही है। उनका यह भी कहना है कि इस भूमि पर उनका परिवार कई वर्षों से अधिकारपूर्वक काबिज है। वहीं ग्राम पंचायत सदस्य टिंकू माला ने मीडिया को बताया कि जमीन विवाद के मामले में उन्हें, दीप नारायण गोयाला और मिलन तेली को जानबूझकर झूठे मामले में फँसाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामला पूर्णतः पारिवारिक है और इस संबंध में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वे सदैव गाँव के लोगों के सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं। झूठे आरोपों के विरोध में उन्होंने मानहानि का मामला दर्ज कराने की बात कही। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कीमती सुपारी के पेड़ को काटना पूर्णतः अनुचित कार्य है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

बैठक में यह भी बताया गया कि रंजू तेली का विवाह ईचाबिले में हुआ था और पति की मृत्यु के बाद वे मायके में आकर रहने लगीं। ग्रामीणों के एक वर्ग का आरोप है कि इसके बाद ही जमीन को लेकर विवाद शुरू हुआ। राम शंकर तेली ने कहा कि उन्होंने कोई पेड़ नहीं काटा और उनके खिलाफ दर्ज मामला पूरी तरह निराधार है। उनका आरोप है कि उन्हें कई झूठे मामलों में फँसाकर प्रताड़ित किया जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और कानूनी समाधान की मांग की है। घटना को लेकर क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीण मामले के न्यायसंगत समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

सीतापुर लखीमपुर मैलानी पीलीभीत भोजीपुरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। 212 किमी रेलखंड के दोहरीकरण का फाइनल सर्वे मंजूर सीतापुर-मैलानी-पीलीभीत-भोजीपुरा दोहरीकरण का नामित एजेंसी सर्वे कर रिपोर्ट तैयार करेगी, टेंडर प्रक्रिया जल्द दोहरीकरण की महत्वपूर्ण प्रक्रिया जोरों पर है। सीतापुर लखीमपुर मैलानी पीलीभीत भोजीपुरा (212 किमी लंबे) रेलखंड के दोहरीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। रेलवे बोर्ड ने 23 दिसंबर 2025 को जारी पत्र के माध्यम से फाइनल लोकेशन सर्वेक्षण को मंजूरी दे दी है।यह जानकारी पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर के उप मु य इंजीनियर (निर्माण) राजेंद्र प्रसाद की ओर से पीलीभीत के सिविल लाइंस निवासी दीपक कुमार अग्रवाल को भेजे गए जवाब में दी गई। दीपक ने पीलीभीत रेलवे स्टेशन और मैलानी जंक्शन संबंधित रेलखंड के दोहरीकरण को लेकर तीन बिंदुओं पर सूचना मांगी थी। पत्र के अनुसार, सर्वे के लिए टेंडर जारी किया जाएगा। नामित एजेंसी विस्तृत सर्वे कर रिपोर्ट तैयार करेगी, जिसके आधार पर आगे दोहरीकरण कार्य की प्रक्रिया शुरू होगी। पत्र में यह भी उल्लेख है कि लखनऊ-मैलानी रेलखंड के अंतर्गत मैलानी-सीतापुर खंड पर दोहरीकरण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा।

वहीं, सीतापुर-लखनऊ खंड के लिए अभी सर्वे स्वीकृत नहीं है और मंजूरी मिलने के बाद ही आगे की कार्यवाही होगी। दीपक कुमार अग्रवाल ने टनकपुर-पीलीभीत-मैलानी खंड के दोहरीकरण की भी मांग उठाई थी। इस पर बताया गया कि पीलीभीत-

टनकपुर खंड का दोहरीकरण परिचालन विभाग के निर्देशानुसार सुनिश्चित किया जाएगा। डबल लाइन से बढ़ेगी र तार-वर्तमान में सिंगल लाइन होने के कारण इस मार्ग पर ट्रेनों का संचालन सीमित है। दोहरीकरण होने से ट्रेनों की सं या बढ़ाने, क्रॉसिंग समय घटाने और लंबी दूरी की ट्रेनों के संचालन में सुविधा मिलने की उ मीद है। क्षेत्र के यात्रियों और व्यापारिक गतिविधियों को भी इसका लाभ मिल सकेगा।